www.hindmatamirror.com ●वर्षः 12 ●अंकः 192 ●ठाणे, शनिवार 4 अप्रैल, 2026 ●पेजः 8 ●मूल्यः 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

शाहिद संग पर्दे पर रोमांस फरमाएंगी जाह्नवी!

पेज 8

राजा शिवाजी रितेश देशमुख का ड्रीम प्रोजेक्टः अभिषेक बच्चन

8 पेज

सुप्रभात

जो कुछ मनुष्य के लिए जरूरी है, वह उसके पास है। पुराना कोट पहनो और नई पुस्तक खरीदो। पुस्तक प्रेमी सबसे अधिक धनी और सुखी है। - **थोरो**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (4 अप्रैल) 6:53 बजे, सूर्योदय (5 अप्रैल) 6:30 बजे, **तापमानः 30 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

शॉर्ट स्टोरी

महाराष्ट्र बनाएगा अपना एग ब्रांड, प्लान तैयार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार अब अंडों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। राज्य अपनी खुद का एग ब्रांड बनाने की योजना पर काम कर रहा है, ताकि दूसरे राज्यों पर निर्भरता कम की जा सके। अभी महाराष्ट्र में रोज करीब 3 करोड़ अंडों की जरूरत होती है, लेकिन उत्पादन सिर्फ आधा ही हो पाता है। इस कारण तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों से अंडे मंगाने पड़ते हैं। सरकार पोल्ट्री फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी भी दे रही है। छोटे स्तर पर 500 मुर्गियों के यूनिट के लिए 50% तक और एससी-एसटी वर्ग के लिए 75% तक सहायता दी जा रही है। बड़े यूनिट के लिए भी लाखों रुपए की सब्सिडी का प्रावधान है।

साइबर फ्रॉड रैकेट में पुलिस अधिकारी!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने महाराष्ट्र में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। जिसमें पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की कथित संलिप्तता सामने आई है। जांचकर्ताओं ने खुलासा किया है कि महाराष्ट्र पुलिस के 2 वरिष्ठ अधिकारी जिनमें एक आईजीपी रैंक के अधिकारी और एक पुलिस आयुक्त शामिल हैं। कथित तौर पर इगतपुरी और अन्य क्षेत्रों में चल रहे फर्जी कॉल सेंटरों को संरक्षण प्रदान कर रहे थे। जांच में 10 से अधिक फजी संस्थाओं और लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप का पता चला है। जिनका उपयोग, अवैध धन को वैध बनाने (मनी लॉन्ड्रिंग) के लिए किया जा रहा था।

हत्या की साजिश के आरोप में कडू पर केस

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र के अमरावती जिले में राज्य के पूर्व मंत्री ओमप्रकाश उर्फ बच्चू कडू के खिलाफ भाजपा के एक विधायक के भाई की हत्या की साजिश रचने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस बारे में पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि अचलपुर क्षेत्र से विधायक रह चुके कडू के खिलाफ यह मामला चांदुर बाजार थाने में दर्ज किया गया है। वर्तमान में भाजपा के प्रवीण तायडे इस क्षेत्र के विधायक हैं। विधायक तायडे के भाई अभिजीत (40) द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, पूर्व मंत्री बच्चू कडू और शुभम उर्फ गोलू महुरे ने सड़क दुर्घटना के माध्यम से उनकी हत्या करने की साजिश रची थी।

मेट्रो लाइन-नौ का उद्घाटन छह अप्रैल को

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने शुक्रवार को बताया कि दहिसर पूर्व और मीरा-भायंदर के बीच मेट्रो लाइन-नौ रेल सेवा का उद्घाटन छह अप्रैल को किया जाएगा। सरनाईक ने स्पष्ट किया, हम सुरक्षा संबंधित मंजूरी का इंतजार कर रहे थे, जो अब मिल गई है। इसके साथ ही अब उद्घाटन के लिए छह अप्रैल की तारीख तय की गई है। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र के निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। स्वयंभू बाबा अशोक खरात की गिरफ्तारी और उसके साथ राजनीतिक नेताओं की तस्वीरों के बारे में पूछे जाने पर सरनाईक ने कहा, राजनेता सार्वजनिक जीवन में कई लोगों से मिलते हैं। कई लोग नेताओं को फोन करते रहते हैं।

दिल्ली से महाराष्ट्र तक 'मिशन 2029' का सियासी चक्रव्यूह होने लगा तैयार

कारोबार वार पकड़ेगा रफ्तार!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में लोकसभा, विधानसभा और निकाय चुनाव लगभग-लगभग निपट चुके हैं, लेकिन राजनीति का चाणक्य तो वही होता है जो हमेशा चुनावी मोड में रहे। वर्तमान में देश की राजनीति में शिखर पर ऐसे कई नेता बैठे हैं जो हमेशा चुनावी मोड में रहते हैं और उन्होंने अभी से 2029 की लोकसभा जंग की तैयारी आरंभ कर दी है। दरअसल दिल्ली की सत्ता के चुनाव काफी अहम होते हैं। इन चुनावों को ढंग से लड़ने के लिए भारी-भरकम रकम की जरूरत होती है। ऐसे में राजनीतिक दलों को चंदे से मिले धन के साथ-साथ कारोबारियों के विशेष सहयोग की जरूरत होती है। अब जबकि दिल्ली दरबार के इशारे पर 'मिशन 2029' की रणनीति शुरू कर दी गई है, तो आर्थिक राजधानी मुंबई में इसकी हलचल सबसे ज्यादा देखने को मिलेगी। जानकारों का कहना है कि उद्योगपति अक्सर पक्ष-विपक्ष दोनों को साधकर चलते हैं, क्योंकि उन्हें राजनीति नहीं, बल्कि कारोबार करना होता है। कारोबार में सुगमता के लिए उन्हें सत्ता पक्ष के समर्थन की जरूरत होती है। जो उद्योगपति सत्ता पक्ष की आंखों में खटकता है, उसके विकास की रफ्तार धीमी पड़ने लगती है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले एक बड़े कारोबारी ने दक्षिण भारत के एक ताकतवर नेता के साथ मिलकर दिल्ली की सत्ता की चूलें हिलाने की नाकाम योजना बनाई, जिसका खामियाजा यह हुआ कि उक्त कारोबारी पर कुर्की का सोंटा चला, उसके भारी-भरकम बैंक कर्ज की फाइलें उछलकर फिर से जांच टेबल पर आ गईं। चूंकि पक्ष के भेदी के बिना सत्ता नहीं ढहाई जा सकती, इसलिए इस योजना को मूक सहमति दे रहे सत्ता पक्ष के शीर्ष पद पर बैठे एक नेता भी नप गए, हालांकि दक्षिण भारत के नेता को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, बल्कि उनकी दशकों पुरानी एक मांग को पूरा कर उन्हें उपकृत कर चुप करा दिया गया। हालांकि इस योजना को नाकाम करने के बाद सत्ता पक्ष के कई चाणक्य सक्रिय हो गए और अभी से इलेक्शन फंडिंग की स्क्रिप्ट लिखी जाने लगी है।

■ इलेक्शन फंडिंग पर कंट्रोल बनाए रखेगी वक्फ बोर्ड के भूखंड की लगाम! ■ नए कुबेर होंगे तैयार, एयरपोर्ट इलाके में नए सर्कुलर से रीडेवलपमेंट को मिलेगी रफ्तार

अग्रवाल-अदाणी की कानूनी जंग से हलचलें बढ़ीं

दिवालिया कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स (जेएएल) की लगभग 4 बिलियन (लगभग 57,000 करोड़ रुपए का कर्ज) की संपत्ति के अधिग्रहण के लिए वेदांता समूह (अनिल अग्रवाल) और अदाणी समूह (गौतम अदाणी) के बीच कानूनी जंग छिड़ी है। वेदांता ने उच्चतम बोली (16,726 करोड़ रुपए) लगाने के बावजूद, लेनदारों द्वारा अदाणी की कम बोली (14,535 करोड़ रुपए) को मंजूरी देने के निर्णय को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। जानकारों का मानना है कि असली सवाल यह नहीं है कि किसी ने अदाणी को चुनौती देने की हिम्मत दिखाई है, बल्कि असली बात यह है कि अदाणी को चुनौती देने की हिम्मत क्या अकले दम पर आई है या फिर कारोबारी जगत में एक ऐसा धड़ा तैयार होने लगे हैं, जो सत्तापक्ष के पक्षपात से तंग आ गया है। कारोबार जगत की नब्ज टटोलनेवाले सूत्रों का कहना है कि वक्फ बोर्ड की जमीन का जो मुद्दा गरमाया है, उसका संबंध भी कहीं न कहीं चुनावी फंडिंग से जुड़ा हो सकता है। कुछ धनकुबेर ऐसे हैं जो वक्फ बोर्ड की जमीन हथियाए बैठे हैं या फिर कहीं न कहीं वक्फ बोर्ड भूमि विवाद उनके हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में वक्फ बोर्ड की लगाम इलेक्शन फंडिंग पर कंट्रोल बनाए रखेगी।

गढ़े जाएंगे सत्ता समर्थक नए धनकुबेर?

मिशन 2029 के चलते कारोबारी जगत में उठपटक बढ़ने के आसार हैं। जहां पहले से राजनीति को चंदे की खाद-पानी दे रहे धनकुबेरों को हर हाल में अपने पाले में बने रहने के लिए बाध्य किया जाएगा, वहीं ऐसे नए धनकुबेर तैयार किए जाएंगे, जो जरूरत पड़ने पर चुनावी तिकड़म के लिए अपनी तिजोरी का मुंह खोल देंगे। इसी कड़ी में मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे फनल जोन के दायरे में आनेवाली इमारतों को बड़ी राहत मिलती दिखाई दे रही है। हाई फ्रीक्वेंसी रडार की वजह से जुहू और डीएन नगर इलाके की 400 से ज्यादा इमारतों के रीडेवलपमेंट का मामला लंबे समय से उलझा हुआ है। हालांकि अब इस काम को तेजी मिलने की उम्मीद जगी है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से जारी नए सर्कुलर से हवाई अड्डे से एक किलोमीटर से बाहर की इमारतों की ऊंचाई का रास्ता साफ हो गया है। नए सर्कुलर के अनुसार रडार से एक किलोमीटर के दायरे में बिल्डिंग की ऊंचाई पर रोक जारी रहेगी। बाकी इलाकों में इमारतों की ऊंचाई पर फैसला एक कमेटी लेगी।

एयरपोर्ट के ट्रांसमीटर शिफ्ट किए जाएंगे

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने हर रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट की अलग से जांच करने और बिल्डिंग की ऊंचाई तय करने के लिए एक अलग कमेटी बनाई है। यह कमेटी इस बारे में फैसला लेगी। एयरपोर्ट अथॉरिटी के सर्कुलर से डीएन नगर की इमारतों और जुहू गुलमोहर मार्ग की 70 प्रतिशत इमारतों का रुका हुआ प्रोजेक्ट पटरी पर आ जाएगा। अब इमारतों की ऊंचाई के प्रस्ताव को मंजूरी मिल सकेगी। दहिसर और डीएन नगर इलाके में हवाई अड्डा प्राधिकरण की जमीन पर ट्रांसमीटर व रिसीवर स्टेशन के आस-पास की इमारतों की ऊंचाई पर प्रतिबंध है। इस वजह से कई रीडेवलपमेंट की परियोजनाएं रुकी हुई है। इस रडार प्रोजेक्ट को दूसरी जगह शिफ्ट करने का फैसला किया गया है।

एयरपोर्ट के पास सुरक्षा के कारण ऊंचाई पर रोक

हवाई अड्डा क्षेत्र में इमारतों की ऊंचाई को लेकर इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन की तरफ से कोई साफ गाइडलाइन नहीं है। सुरक्षा के लिहाज से हवाई अड्डा क्षेत्र के आस-पास की इमारतों की ज्यादा ऊंचाई पर पूरी तरह से रोक है। पहले जुहू और डीएन नगर इलाके में इमारतों की ऊंचाई 57 मीटर (17 से 19 फ्लोर) मानी गई थी। बाद में इसे 43 मीटर (13 से 14 फ्लोर) और फिलहाल 34 मीटर (10 से 12 फ्लोर) तक सीमित कर दिया गया है।

गोराई में शिफ्ट होगा ट्रांसमिशन स्टेशन

दहिसर के ट्रांसमिशन स्टेशन को गोराई में शिफ्ट किया जाएगा, जबकि जुहू के ट्रांसमीटर को शिफ्ट करने के लिए दूसरी जगह का सुझाव दिया गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी के हर प्रस्ताव का अध्ययन करने और इमारतों की ऊंचाई तय करने के लिए एक कमेटी बनाने के फैसले से इन प्रोजेक्ट के रीडेवलपमेंट का रास्ता साफ होने की उम्मीद है। इस संदर्भ में मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने कहा है कि राज्य सरकार ने रडार को हटाने के लिए मड में अंबू आइलैंड पर जमीन के एक प्लॉट का प्रस्ताव दिया है। अथॉरिटी की टेक्निकल कमिटी साइट का इंस्पेक्शन करने के लिए जाएगी। इससे जुहू में बची हुई 30 फीसदी इमारतों के रीडेवलपमेंट का रास्ता साफ हो जाएगा।

पुनर्विकास में सबका साथ, सबका विकास

जानकारों का कहना है कि नए सर्कुलर से एयरपोर्ट इलाके में पुनर्विकास की रफ्तार तेज होगी। इन इलाकों में पुनर्विकास का काम एक ऐसे विकासक के हाथ में जा सकता है, जो पहले से ही सत्ता को अपनी गोद में उठाए हुए हैं। इस पुनर्विकास से सबका विकास होगा। सियासत भी फलेगी-फूलेगी। चुनावी फंडिंग का भी पुख्ता इंतजाम होता रहेगा।

होर्मुज पार करते ही समंदर में हुआ तेल का खेल

भारत आ रहा ईरानी जहाज चीन की ओर चला

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

होर्मुज पार करते ही समंदर के बीच एक अजीब खेल हुआ है। भारत में 7 साल बाद ईरान से तेल ला रहे एक जहाज ने बीच समंदर में यूटर्न लिया है। भारत की ओर बढ़ रहा ईरानी तेल वाला जहाज ने अचानक अपनी दिशा बदल ली है। पहले इसकी मंजिल भारत थी, मगर अब यह चीन की ओर मुड़ गया है। अगर यह ईरानी जहाज तेल लेकर भारत पहुंचता तो लगभग सात साल बाद यह पहला ऐसा शिपमेंट होता। मगर अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित यह जहाज ईरानी कच्चा तेल ला रहा था। उसने अपनी दिशा बदलकर भारत की बजाय अब चीन की ओर रुख कर लिया है। हालांकि, यह फाइनल डेस्टिनेशन नहीं है। शिप ट्रैकिंग फर्म केप्लर के मुताबिक, तेल ला रहे ईरानी जहाज का नाम है पिंग शुन। यह अफ्रामैक्स जहाज 2002 में बना था। इसे 2025 में अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित किया गया। पहले यह भारत की तरफ बढ़ रहा था। मगर लेटेस्ट अपडेट ये है कि बीच समंदर ही इसने अपनी दिशा बदल ली है और फिलहाल चीन के डोंगयिंग की ओर जा रहा है। इस हफ्ते की शुरूआत में इस ईरानी जहाज ने भारत के पश्चिमी तट पर स्थित वडीनार पहुंचने का संकेत दिया था, लेकिन अब यह दक्षिण की ओर मुड़ गया है। हालांकि, ऐसे गंतव्य संकेत अंतिम नहीं होते और कभी भी बदल सकते हैं।

मिडिल ईस्ट में तेल के बाद अब पानी-गैस के प्लांट पर वार

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच ईरान के हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब ईरान ने रणनीति बदलते हुए सीधे जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर पानी और गैस प्लांट को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ताजा घटनाओं में कुवैत और अबू धाबी में बड़े हमलों की खबर सामने आई है, जिससे पूरे खाड़ी क्षेत्र में चिंता और तनाव बढ़ गया है। अबू धाबी में हबशन गैस फैसिलिटी के पास एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा एक हमले को इंटरसेप्ट किया गया, लेकिन इसके बाद गिरे मलबे से आग लग गई। स्थानीय प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्लांट का संचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वहीं, कुवैत में हालात ज्यादा गंभीर नजर आ रहे हैं। यहां एक बड़े वॉटर डिसेलिनेशन प्लांट पर ईरानी हमले की पुष्टि हुई है। इस हमले में प्लांट के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। कुवैत के लिए यह बेहद अहम है क्योंकि देश की करीब 90 प्रतिशत पीने का पानी इन्हीं प्लांट्स से आता है। इससे साफ है कि इस तरह के हमले सीधे आम नागरिकों की जिंदगी को प्रभावित कर सकते हैं।

मिडिल ईस्ट जंग में गई बेटे की जान, अब इंसाफ की लड़ाई

शव वापसी में देरी पर कोर्ट पहुंचा मामला

पिछले महीने 4 मार्च को ओमान तट के पास एक व्यापारिक जहाज पर संदिग्ध हमले में मारे गए नाविक दीक्षित सोलंकी के परिवार ने उनके पार्थिव शरीर को वापस लाने के लिए बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है। सोलंकी के पिता अमृतलाल सोलंकी और बहन मिताली सोलंकी द्वारा अधिवक्ता एस. बी. तालेकर और माधवी अय्यप्पन के माध्यम से दायर याचिका में केंद्र सरकार को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि उनके पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत लाया जाए। याचिका में कहा गया है कि इस मामले में अधिकारियों की ओर से स्पष्ट जानकारी नहीं मिल रही है। इस याचिका पर छह अप्रैल को मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली पीठ सुनवाई करेगी। दीक्षित सोलंकी (25) की चार मार्च को मृत्यु हो गई थी, जब विस्फोटकों से लदी एक ड्रोन नौका ने ओमान तट के पास एमटी एमकेडी व्योम नामक तेल टैंकर को निशाना बनाया था। यह याचिका विदेश मंत्रालय, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, नौवहन महानिदेशालय और वी शिप्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दायर की गई है, जो एमटी एमकेडी व्योम जहाज का प्रबंधन करती है।

कलह के बीच सुलह के संकेत!

एनसीपी प्रमुख सुनेत्रा और उनके बेटे पार्थ ने प्रफुल्ल पटेल से मुलाकात की

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली/ मुंबई

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और राकांपा अध्यक्ष सुनेत्रा पवार तथा उनके बेटे पार्थ पवार ने शुक्रवार को नई दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल से उनके आवास पर मुलाकात की। पार्टी के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक गुरुवार रात को हुई। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पार्थ पवार ने गुरुवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख सुनील तटकरे को निशाना बनाने वाली उन खबरों को बेबुनियाद और अटकलबाजी करार दिया, जिनमें कहा गया था कि 28 जनवरी को विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु के बाद उन्होंने पार्टी पर कब्जा करने की कोशिश की थी। पार्थ का यह बयान उन अटकलों के बीच आया है कि पटेल और तटकरे से सुनेत्रा पवार नाराज हैं।

विरोधियों को रोकने का दांव पड़ा उल्टा!

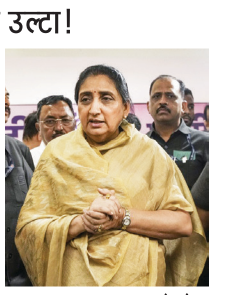

जानकारों का कहना है कि पटेल से पवार कुनबे की मुलाकात के गहरे मायने हैं। चर्चा है कि सुनेत्रा पवार ने एक पत्र लिखकर चुनाव आयोग से मांग की है कि 28 जनवरी के बाद किए गए किसी भी पत्राचार को स्वीकार न किया जाए। इस एक पत्र के कारण सुनेत्रा पवार का अध्यक्ष पद और पार्थ पवार की राज्यसभा उम्मीदवारी दोनों खतरे में पड़ सकते हैं। यदि चुनाव आयोग सुनेत्रा पवार के आग्रह को मानकर 28 जनवरी के बाद का सारा पत्राचार रद्द करता है तो सबसे पहले उनकी अपनी नियुक्ति ही अवैध हो जाएगी, क्योंकि प्रफुल्ल पटेल ने सुनेत्रा पवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त करने के संबंध में कार्यकारिणी की बैठक की सूचना और संबंधित दस्तावेज 28 जनवरी के बाद ही चुनाव आयोग को भेजे थे। फिलहाल सुनेत्रा पवार बारामती से 6 अप्रैल को नामांकन भरेंगी।

पार्थ पवार की उम्मीदवारी पर संकट

पत्र विवाद का सबसे घातक असर पार्थ पवार के राजनीतिक करियर पर पड़ता दिख रहा है। पार्थ पवार ने राज्यसभा चुनाव के लिए जो एबी फॉर्म जमा किया है, उस पर प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे के हस्ताक्षर हैं। चूंकि यह पूरी प्रक्रिया और नामांकन 28 जनवरी के बाद संपन्न हुआ है, इसलिए पत्र की शर्तों के अनुसार इसे भी रद्द किया जा सकता है। ऐसे में अभी पटेल-तटकरे से सुलह बनाए रखने में समझदारी होगी।

संजय राऊत का बड़ा आरोप

एनसीपी-शिवसेना के विधायक तोड़ रही बीजेपी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

अजित पवार गुट की एनसीपी में जारी अंदरूनी कलह के बीच शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राऊत ने बीजेपी पर नेताओं को तोड़ने के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि अजित गुट के कई विधायक बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। संजय राऊत ने जलगांव में आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी आने वाले समय में एनसीपी (अजित पवार गुट) को तोड़ सकती है। एनसीपी में मचे घमासान पर राऊत ने कहा कि अजित पवार की एनसीपी के करीब 25 विधायक बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि यही स्थिति शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के साथ भी हो सकती है और वहां से भी कुछ विधायक बीजेपी का रुख कर सकते हैं।

आंबेडकर जयंती पर 'विचारों का उत्सव' मनाएगी फडणवीस सरकार

चैत्यभूमि पर होगा ड्रोन शो

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव आंबेडकर की आगामी 135वीं जयंती को महाराष्ट्र सरकार एक ऐतिहासिक 'विचारों के उत्सव' के रूप में मनाने जा रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया कि यह आयोजन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि बाबासाहेब के विजन को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम होना चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि इस वर्ष 14 अप्रैल के उपलक्ष्य में कई विशेष आकर्षण जोड़े गए हैं। 13 अप्रैल की शाम को दादर स्थित चैत्यभूमि पर डॉ. आंबेडकर के जीवन संघर्ष और उनके योगदान को दर्शानेवाला एक भव्य ड्रोन शो आयोजित किया जाएगा। साथ ही, जयंती के दिन मुख्य स्मारक पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जाएगी।

श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोपरि

भीषण गर्मी को देखते हुए सीएम देवेंद्र फडणवीस ने प्रशासन को कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि चैत्यभूमि आने वाले लाखों अनुयायियों को ध्यान में रखते हुए गर्मी से बचाव के लिए शेड, पर्याप्त पेयजल व्यवस्था और दादर एवं आसपास के इलाकों में सुचारू यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आम लोगों के लिए सूचना बोर्ड लगाने और दादर रेलवे स्टेशन से चैत्यभूमि के बीच पर्याप्त बस सेवा उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

पूर्व बीएमसी मेयर किशोरी पेडणेकर का प्रस्ताव

स्कूलों में 'मनाचे श्लोक' पढ़ाएं

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई नगर निगम के स्कूलों में 17वीं सदी के संत समर्थ रामदास स्वामी के 'मनाचे श्लोक' की गूंज सुनाई देगी या नहीं, इस पर घमासान शुरू हो गया है। मुंबई की पूर्व मेयर और शिवसेना (यूबीटी) की नेत्री किशोरी पेडणेकर ने बीएमसी के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में 'मनाचे श्लोक' का पाठ अनिवार्य करने का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव के सामने आते ही धर्म बनाम संविधान की बहस छिड़ गई है। पूर्व मेयर किशोरी पेडणेकर ने बीएमसी कमिश्नर को एक नोटिस भेज मांग की है कि जिन स्कूलों में मराठी भाषा एक अनिवार्य विषय के तौर पर पढ़ाई जाती है, वहां हर दिन मनाचे श्लोक का पाठ जरूरी किया जाए। प्रस्ताव में दलील दी गई है कि समर्थ रामदास स्वामी रचित ये श्लोक बेहद सरल भाषा में हैं। इनके पाठ से बच्चों में अच्छे संस्कार आएंगे, मानसिक अनुशासन बढ़ेगा और उनका बौद्धिक विकास होगा। आज के दौर में बच्चे बहुत तनाव में रहते हैं, यह श्लोक उनके तनाव को कम करेगा।

एआईएमआईएम बोली-धर्म नहीं, संविधान पढ़ाओ

एआईएमआईएम ने किया विरोध

जैसे ही यह प्रस्ताव सामने आया, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने इस पर ऐतराज जताया। बीएमसी में एआईएमआईएम गुट के नेता विजय उबाले ने कहा कि हमारे सरकारी स्कूल धर्मनिरपेक्ष हैं। किसी खास धर्म या संप्रदाय से जुड़े आध्यात्मिक साहित्य को सभी बच्चों पर थोपना गलत है। उबाले ने कहा कि अगर बच्चों को कुछ सिखाना ही है, तो स्कूलों में भारत का संविधान पढ़ाया जाना चाहिए। इससे बच्चे देश के अच्छे नागरिक बनेंगे और अपने अधिकारों व कर्तव्यों को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे। किशोरी पेडणेकर ने नगर निगम आयुक्त से मांग की है कि वो इस प्रस्ताव की व्यवहार्यता की जांच करें और एक रिपोर्ट सौंपें। यह प्रस्ताव आने वाली बीएमसी की जनरल बॉडी मीटिंग में चर्चा के लिए रखा जा सकता है, जहां इस पर जोरदार बहस होने के पूरे आसार हैं।

कॉल पर बवाल!

अंजली दमानिया ने कहा- चाकणकर और खरात के बीच 177 बार फोन पर हुई बात!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने दावा किया है कि भोंदूबाबा अशोक खरात के तार बड़े सत्ताधीशों से जुड़े हुए थे। उन्होंने बाकायदा कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) का हवाला देते हुए बताया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अशोक खरात के बीच कुल 17 बार फोन पर चर्चा हुई। इनमें से 10 कॉल खुद उपमुख्यमंत्री की ओर से किए गए थे, जबकि 7 कॉल उधर से आए थे। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि एक बार दोनों के बीच लगातार 21 मिनट तक लंबी बात हुई। अंजलि दमानिया ने मांग की है कि उपमुख्यमंत्री स्पष्टीकरण दें।

चाकणकर बहनों के साथ लंबी बातचीत

सीडीआर रिपोर्ट में केवल उपमुख्यमंत्री ही नहीं, बल्कि महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रूपाली चाकणकर का नाम भी प्रमुखता से सामने आया है। दमानिया ने बताया कि रूपाली ने अशोक खरात को 177 बार फोन किया और दोनों के बीच करीब 33 हजार सेकंड से ज्यादा की लंबी गुफ्तगू हुई। इतना ही नहीं, रूपाली की बहन प्रतिभा चाकणकर ने भी खरात को 236 बार कॉल किए थे। इन आंकड़ों को देखकर ऐसा लगता है कि खरात का इस परिवार के साथ काफी करीबी और पुराना संपर्क था, जो अब जांच का मुख्य विषय बन गया है।

दिग्गज नेताओं के भी निकले कनेक्शन

अंजलि दमानिया की लिस्ट में कुछ और बड़े नाम भी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बीजेपी नेता चंद्रकांत पाटिल और एनसीपी के सुनील तटकरे ने भी अशोक खरात से 8-8 बार फोन पर बात की है। दमानिया का कहना है कि ये केवल सामान्य फोन कॉल्स थे।

ठाणे में बनेगा राज्य का सबसे बड़ा ऑडिटोरियम

सरकार ने मंजूर किए 138 करोड़

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

ठाणे शहर के घोडबंदर रोड इलाके के वाघबील में राज्य का सबसे बड़ा नाट्यगृह बनने जा रहा है। इस क्षेत्र के विधायक एवं राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि निरुपणकार अप्पासाहेब धर्माधिकारी के नाम पर बनने वाला यह राज्य का सबसे बड़ा नाट्यगृह होगा। इसके निर्माण के लिए राज्य के डिप्टी सीएम एवं नगरविकास मंत्री ने 138 करोड़ का फंड मंजूर कर दिया है।

2500 सीटों की क्षमता

ठाणे मनपा के लगभग 7300 मीटर वाले सुविधा भूखंड पर महाराष्ट्र का सबसे बड़ा नाट्यगृह 2500 सीटों का होगा। उल्लेखनीय है कि इस समय मुंबई का शमुखानंद हॉल राज्य में सबसे बड़ा ऑडिटोरियम है, जिसकी क्षमता 2200 सीटों की है। वह लगभग 50 साल पहले बना था। जबकि ठाणे में बनने वाले इस अत्याधुनिक नाट्यगृह की क्षमता बालकनी के साथ लगभग 2500 सीटों होगी। इसका स्टेज 12 मीटर ऊंचा होगा। इसका उपयोग कन्वेंशन सेंटर के रूप में भी किया जा सकेगा।

विशाल प्लाजा का भी निर्माण

ओवला-माजीवाड़ा क्षेत्र के विधायक व परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि यह नाट्यगृह 60 प्रतिशत भूखंड पर ही बनेगा। इसके अलावा खाली जगह पर विशाल प्लाजा का निर्माण किया जाएगा, ताकि यहां आने वाले नागरिकों को मनोरंजन के अन्य साधन उपलब्ध हो सकें। इसके अलावा 650 गाड़ियों की पार्किंग की व्यवस्था होगी।

मनपा को भी होगी आय

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि इस नाट्यगृह की देखभाल के लिए ठाणे मनपा को अतिरिक्त निधि खर्च करने की आवश्यकता नहीं होगी। क्योंकि नाट्यगृह के नीचे दो मल्टीपर्पज हॉल भी बनाए जाएंगे। जिन्हें शादी ब्याह या अन्य कार्यक्रमों के लिए किराए पर देकर अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। यह ऑडिटोरियम 3 साल में बन कर तैयार हो जाएगा। इस समय ठाणे में राम गणेश गडकरी रंगायतन एवं घाणेकर नाट्यगृह हैं। अप्पासाहेब धर्माधिकारी नाट्यगृह ठाणे का तीसरा व राज्य का सबसे बड़ा विश्वस्तरीय आडिटोरियम बनेगा।

मंत्री सरनाईक ने माना डीसीएम शिंदे का आभार

इसके लिए तत्काल राज्य सरकार की निधी मंजूर करने वाले डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का आभार मंत्री प्रताप सरनाईक ने एक प्रेस वार्ता में माना। उन्होंने कहा कि ठाणे में अंतरराष्ट्रीय स्तर का ऑडिटोरियम होगा। इसमें आरामदायक कुर्सियां, दिव्यांगों के लिए विशेष कुर्सियां, टॉयलेट आदि व्यवस्था के साथ 6 बड़ी लिफ्ट होगी, ताकि एक साथ 200 से 250 लोग नाट्यगृह में जा सकें। वीआईपी और आर्टिस्ट के लिए अलग लिफ्ट होगी। काम शुरू करने के पहले नाट्य कलाकारों एवं निर्देशकों के साथ बैठक कर उनके सुझाव भी लिए जाएंगे।

नवी मुंबई में बड़ा लैंड स्कैम!

• सिडको के सरकारी प्लॉट को फर्जी कागजों से बेचा, पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई

महाराष्ट्र के शहर एवं औद्योगिक विकास महामंडल की जमीनों पर भू-माफियाओं की नजर किस कदर गड़ी है, इसका ताजा उदाहरण नवी मुंबई के कोपरखैरान क्षेत्र में देखने को मिला है। पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है जिसने सार्वजनिक सेवाओं और उपयोगिताओं के लिए आरक्षित एक सरकारी भूखंड को जाली दस्तावेजों के सहारे न केवल बेचा, बल्कि उस पर अवैध निर्माण भी करवा दिया।

क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के अनुसार, कोपरखैरान इलाके में एक कीमती भूखंड सिडको द्वारा सार्वजनिक उपयोग के लिए आरक्षित रखा गया था। इस जमीन का इस्तेमाल भविष्य में स्कूल, अस्पताल या गार्डन जैसी सुविधाओं के लिए होना था। हालांकि, जालसाजों ने इस जमीन को हड़पने के लिए एक बड़ी साजिश रची। आरोपियों ने सिडको के असली दस्तावेजों जैसे दिखने वाले फर्जी कागजात तैयार किए और भोले-भाले खरीदारों को यह यकीन दिलाया कि यह जमीन बिक्री के लिए उपलब्ध है।

सिडको की जमीन पर अवैध निर्माण की मिल थी शिकायत

मामले का खुलासा तब हुआ जब विभाग को इस भूखंड पर हो रहे अवैध निर्माण और संदिग्ध लेनदेन की शिकायत मिली। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर आर्थिक अपराध शाखा और स्थानीय पुलिस ने गहन जांच शुरू की। जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्य और दस्तावेजों के मिलान से पता चला कि नेरुल गांव निवासी प्रभाकर आत्माराम म्हात्रे (59) ने इस पूरे फर्जीवाड़े में मुख्य भूमिका निभाई थी। म्हात्रे पर आरोप है कि उसने फर्जी स्टाम्प, जाली हस्ताक्षर और हेरफेर किए गए दस्तावेजों की मदद से इस आरक्षित भूखंड की अवैध बिक्री में सहायता की। पुलिस ने बुधवार को जाल बिछाकर म्हात्रे को हिरासत में ले लिया।

जांच का दायरा बढ़ने की संभावना

नवी मुंबई पुलिस अब इस बात की तफ्तीश कर रही है कि क्या इस घोटाले में सिडको के कुछ निचले स्तर के अधिकारियों या कर्मचारियों की भी मिलीभगत है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि म्हात्रे ने अब तक और कितनी सरकारी संपत्तियों को इसी तरह चूना लगाया है। फिलहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है और कोर्ट ने उसे आगे की पूछताछ के लिए रिमांड पर भेज दिया है। इस कार्रवाई से नवी मुंबई के भू-माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

चलती बस में बुजुर्ग महिला के गहने उड़ाने वाली 'गैंग' गिरफ्तार

पुलिस ने 2.38 लाख का माल किया बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

पालघर जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां राज्य परिवहन की बस में सफर कर रही एक बुजुर्ग महिला को निशाना बनाया गया। हालांकि, पुलिस की मुस्तैदी के कारण चोरी की इस वारदात को अंजाम देने वाले चार आरोपियों को चंद घंटों के भीतर ही गिरफ्तार कर लिया गया है।

होटल पर रुकते ही हुआ वारदात का अहसास

पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना 30 मार्च की है। पीड़ित 70 वर्षीय महिला गुजरात राज्य परिवहन की बस में सवार होकर सूरत से महाड की यात्रा कर रही थीं। जब बस पालघर जिले के दहानू तालुका अंतर्गत धनीवारी इलाके में एक होटल के पास रुकी, तब महिला को अपनी सीट के नीचे रखे बैग में कुछ गड़बड़ी महसूस हुई। जांच करने पर उन्होंने पाया कि बैग के अंदर रखे करीब 2.38 लाख रुपए की कीमत के सोने के आभूषण गायब थे।

पालघर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

चोरी का पता चलते ही तुरंत कासा पुलिस स्टेशन को सूचित किया गया। पालघर के पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख ने बताया कि सूचना मिलते ही कासा थाने की एक विशेष टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बस की गहन तलाशी शुरू की और संदिग्धों से पूछताछ की। तलाशी के दौरान बस में ही मौजूद चार व्यक्तियों की गतिविधियों पर पुलिस को शक हुआ। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शिवा नागराज कवाडिया, कार्तिक सुरेश नायडू, विक्रम गगुर्टू नायडू, रमेश सुरेश नायडू के रूप में हुई है। पालघर पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी किए गए गहने बरामद कर लिए हैं। कासा पुलिस स्टेशन में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह गिरोह पहले भी इस तरह की बस चोरियों में शामिल रहा है।

शातिर चोर गिरफ्तार एक साथ 7 मामलों का खुलासा

मानपाडा पुलिस की कार्रवाई, लाखों का माल बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ डोंबिवली

मानपाडा पुलिस ने चोरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शातिर चोर को उल्हासनगर से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पूछताछ में एक साथ 7 चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात कबूल की है।

मामले की शुरुआत

पुलिस के अनुसार 22 मार्च की रात मोमीन उमर शेख की बंद दुकान का शटर तोड़कर चोरों ने लॉकर से नकदी और दो मोबाइल फोन चोरी कर लिए थे। घटना के बाद मानपाडा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

सीसीटीवी से पहचान

जांच के दौरान पुलिस ने करीब 95 सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसके आधार पर आरोपी की पहचान की गई। 29 मार्च को मुखबिर की सूचना पर चक्कीनाका इलाके में जाल बिछाकर 20 वर्षीय अनिल संजू रूपवते को गिरफ्तार किया गया।

बरामदगी और खुलासा

पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर कल्याण, डोंबिवली और अंबरनाथ क्षेत्रों में 7 घरफोड़ चोरियां करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने उसके पास से 2.08 लाख रुपए के 12 मोबाइल फोन, एक एक्टिवा स्कूटर और नकदी बरामद की है।

पुलिस टीम की भूमिका

यह कार्रवाई अपर पुलिस आयुक्त संजय जाधव, पुलिस उपायुक्त अनुरुद्ध शिंदे और सहायक पुलिस आयुक्त सुहास हेमाडे के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संदीपान शिंदे की टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दी।

वसई-विरार में 7 दिन प्रभावित रहेगी पानी सप्लाई

सूर्या योजना शटडाउन से वसई-विरार में जोनिंग के आधार पर मिलेगा पानी

हिंदमाता संवाददाता @ विरार

वसई-विरार शहर महानगरपालिका क्षेत्र में सूर्या पानी आपूर्ति योजना के तहत आगामी 7 दिनों तक पानी सप्लाई प्रभावित रहेगी। महानगरपालिका ने नागरिकों से पानी का उपयोग सावधानीपूर्वक करने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है।

आपूर्ति में कमी

महानगरपालिका के अनुसार शहर को प्रतिदिन करीब 400 एमएलडी पानी की आवश्यकता होती है, जबकि वर्तमान में सूर्या टप्पा 1 और 3 से 200 एमएलडी तथा एमएमआरडीए की योजना से 150 एमएलडी, कुल 350 एमएलडी पानी मिल रहा है। एमएमआरडीए द्वारा तकनीकी कार्य के चलते 4 अप्रैल से 10 अप्रैल 2026 तक शटडाउन लिया गया है, जिससे 150 एमएलडी पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। पानी की कमी को देखते हुए महानगरपालिका ने जोनिंग सिस्टम लागू किया है। इस दौरान शहर में पानी कम दबाव और सीमित मात्रा में मिलेगा तथा अलग-अलग क्षेत्रों में 24 घंटे पानी बंद रखा जाएगा।

शेड्यूल जारी

जारी कार्यक्रम के अनुसार 4 और 7 अप्रैल को विरार पूर्व-पश्चिम, 5 और 8 अप्रैल को नालासोपारा पूर्व-पश्चिम, 6 और 9 अप्रैल को नवघर और वसई क्षेत्रों में पानी बंद रहेगा। 10 अप्रैल को विरार पश्चिम और नालासोपारा पश्चिम में सप्लाई प्रभावित होगी। महानगरपालिका ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि पर संबंधित जोन में सुबह 10 बजे से अगले दिन सुबह 10 बजे तक पानी आपूर्ति बंद रहेगी। नागरिकों से अपील की गई है कि पानी का सोच-समझकर उपयोग करें, ताकि व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

डोंबिवली में पुजारी की शर्मनाक हरकत

5 साल की बच्ची से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ डोंबिवली

डोंबिवली के तिलकनगर थाना क्षेत्र में एक बार फिर मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। गोग्रासवाड़ी इलाके में एक पुजारी द्वारा 5 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने की खबर ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। घटना के बाद इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है। मामले में आरोपी की पहचान हरीश भावे के रूप में हुई है, जो पेशे से पुजारी है और पीड़ित परिवार का पड़ोसी है। घर में उसका नियमित आना-जाना था, जिससे परिवार को उस पर पूरा भरोसा था। इसी भरोसे का फायदा उठाकर आरोपी ने इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया।

मौके का उठाया फायदा

जानकारी के अनुसार बच्ची के माता-पिता दोनों कामकाजी हैं और दिन के समय घर पर नहीं रहते थे। इसी दौरान आरोपी ने बच्ची के अकेलेपन का फायदा उठाया और उसके साथ गलत हरकत की। घटना कुछ समय तक सामने नहीं आई, लेकिन अंततः बच्ची ने सच्चाई उजागर कर दी।

बच्ची की हिम्मत से खुला मामला

मासूम बच्ची ने हिम्मत दिखाते हुए अपने माता-पिता को पूरी घटना बताई। यह सुनकर परिवार स्तब्ध रह गया और तुरंत बच्ची को लेकर तिलकनगर पुलिस स्टेशन पहुंचा। वहां शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत केस दर्ज किया और आरोपी हरीश भावे को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और आगे की जांच की जा रही है।

बढ़ते अपराधों से चिंता

बच्चों के साथ होने वाले अपराधों में लगातार बढ़ोतरी समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर बच्चों की सुरक्षा और जागरूकता को लेकर सख्त कदम उठाने की जरूरत को उजागर किया है।

जेसीबी की टक्कर से गई थी जान

परिवार को मिलेगी 44 लाख का मुआवजा

ठाणे कोर्ट ने सुनाया फैसला

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे जिले से न्याय और राहत की एक बड़ी खबर सामने आई है। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने साल 2020 में एक दर्दनाक सड़क हादसे का शिकार हुए व्यक्ति के परिजनों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए 44.13 लाख रुपए के मुआवजे का आदेश दिया है। न्यायाधिकरण के सदस्य आर. वी. मोहिते ने आदेश दिया कि क्रेन मालिक और 'न्यू इंडिया एश्योरेंस' कंपनी को संयुक्त रूप से 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ यह राशि अदा करनी होगी।

क्या था पूरा मामला?

यह दुर्घटना 5 फरवरी 2020 की है। 46 वर्षीय प्रभाकर बजरंगी शर्मा एक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठकर जा रहे थे। तभी एक तेज रफ्तार जेसीबी क्रेन ने पहले एक पैदल यात्री को टक्कर मारी और फिर शर्मा की मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण टक्कर में शर्मा क्रेन के नीचे कुचल गए। पेशे से एक ऑटोमोबाइल कंपनी में सहायक प्रबंधक के पद पर कार्यरत शर्मा को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

बीमा कंपनी की दलीलें खारिज

सुनवाई के दौरान बीमा कंपनी 'न्यू इंडिया एश्योरेंस' ने जिम्मेदारी से बचने के लिए कई तर्क दिए। कंपनी का दावा था कि दुर्घटना मोटरसाइकिल चालक की लापरवाही के कारण हुई। इसके अलावा, कंपनी ने यह तकनीकी आपत्ति भी जताई कि जेसीबी चालक के पास भारी वाहन चलाने का वैध लाइसेंस नहीं था। हालांकि, न्यायाधिकरण ने इन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया। न्यायाधिकरण ने पाया कि रिकॉर्ड पर मौजूद सबूत स्पष्ट करते हैं कि क्रेन चालक वाहन को बेहद लापरवाही और तेज गति से चला रहा था। लाइसेंस के मुद्दे पर कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जेसीबी का वजन 7,460 किलोग्राम है, जो 'लाइट मोटर व्हीकल' की श्रेणी में आता है और चालक के पास इसका वैध लाइसेंस मौजूद था।

परिवार को मिला न्याय

न्यायाधिकरण ने मृतक की पत्नी और उनके तीन बेटों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए 44.13 लाख रुपए के मुआवजे की गणना की है। ब्याज के साथ यह राशि परिवार के लिए एक बड़ा आर्थिक संबल साबित होगी।

पागल कुत्ते का हमला, 5 घायल

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई के रानशेत गांव में गुड फ्राइडे के अवसर पर प्रार्थना के बाद उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक पागल कुत्ते ने अचानक लोगों पर हमला कर दिया। इस घटना में एक बच्ची सहित दो महिलाएं और दो पुरुष कुल पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 9 बजे दया माता चर्च में विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई थी। प्रार्थना समाप्त होने के बाद जैसे ही श्रद्धालु बाहर निकले, एक कुत्ते ने अचानक एक छोटी बच्ची पर हमला कर दिया। बच्ची को बचाने आए लोगों पर भी कुत्ते ने हमला कर दिया और कुछ ही देर में पांच लोग उसकी चपेट में आ गए, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही वसई-विरार महानगरपालिका की कुत्ता पकड़ने वाली टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद टीम ने कुत्ते को पकड़कर अपने कब्जे में लिया। सभी घायलों को डी.एम. पेटिट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें एंटी-रेबीज इंजेक्शन दिए हैं। फिलहाल सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी है।

शॉर्ट स्टोरी

आफरीन हुसैन बनीं युवक कांग्रेस उपाध्यक्ष

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा भायंदर

मीरा-भायंदर महानगरपालिका की नगरसेविका सैय्यद आफरीन मुजफ्फर हुसैन को महाराष्ट्र प्रदेश युवक कांग्रेस का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। आफरीन हुसैन मनपा चुनाव में सबसे अधिक वोट हासिल करने वाली उम्मीदवारों में रही हैं। वह पूर्व विधायक और महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुजफ्फर हुसैन की पुत्री हैं, जिससे उन्हें मजबूत राजनीतिक विरासत मिली है। मुजफ्फर हुसैन ने आफरीन को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वह पार्टी को मजबूत करने और उसकी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। वहीं महिला कांग्रेस जिलाध्यक्षा रूपा पिंटो ने कहा कि आफरीन को समाजसेवा विरासत में मिली है और वह अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाएंगी। कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी अयूब हुसैन मीर ने कहा कि आफरीन ने अपने परिवार से काफी कुछ सीखा है, जिसका लाभ शहर और पार्टी को मिलेगा। गौरतलब है कि आफरीन के पिता दो बार विधायक रह चुके हैं, जबकि उनकी दादी सैय्यद नूरजहां नजर हुसैन मनपा उपमहापौर रह चुकी हैं। नियुक्ति के बाद उनके समर्थकों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी है।

वसई के लिए अपर तहसीलदार कार्यालय मंजूर

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

वसई तालुका में बढ़ते शहरीकरण और नागरिकों की जरूरतों को देखते हुए राज्य सरकार ने यहां अपर तहसीलदार कार्यालय शुरू करने को मंजूरी दे दी है। भाजपा विधायक राजन नाईक द्वारा लगातार की जा रही इस मांग पर मुहर लगाते हुए सरकार ने गुरुवार को शासन निर्णय जारी कर दिया। वर्तमान में नालासोपारा और विरार के निवासियों को तहसील संबंधी कार्यों के लिए वसई स्थित मुख्य कार्यालय जाना पड़ता है, जो काफी दूर पड़ता है। इसी समस्या को देखते हुए विधायक राजन नाईक ने 28 जनवरी 2025 और 1 अगस्त 2025 को राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे से मुलाकात कर स्वतंत्र कार्यालय की मांग की थी। विधायक राजन नाईक ने कोंकण के विभिन्न मुद्दों पर 11 अगस्त 2025 को मुंबई के सह्याद्रि गेस्ट हाउस में हुई समीक्षा बैठक में भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। उस समय राजस्व मंत्री ने इस पर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए थे। यह कार्यालय जल्द ही नालासोपारा या विरार में से किसी एक स्थान पर शुरू किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए विधायक राजन नाईक ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा की इस निर्णय से वसई-विरार के लाखों नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी और उनके प्रशासनिक काम अब और भी आसानी से हो सकेंगे।

धूमधाम से मनाया गया श्री हनुमान जन्मोत्सव

हिंदमाता संवाददाता @ भायंदर

आरएनपी पार्क के काशीविश्वनाथ मंदिर में श्रीराम मानस प्रचार समिति द्वारा श्री हनुमान जन्मोत्सव को धूमधाम व हर्षोल्लास पूर्वक गुरुवार को मनाया गया। समिति द्वारा धार्मिक अनुष्ठान के रूप में सुंदरकांड व भजन कीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। और बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों को प्रसाद भी वितरित किया गया। इसमें मुख्य रूप से सहयोग करने वाले श्री ओंकार मित्र मंडल के अध्यक्ष व समाजसेवक अशोक मिश्रा, विनोद पांडेय, विरेंद्र पाठक, श्रीराम दूबे, सुधाकर पांडेय, अजय मिश्रा, कमलेश उपाध्याय, राकेश तिवारी, पप्पू तिवारी, दिनेश दूबे, कमलेश तिवारी व सुशील तिवारी व विजय मिश्रा सहित अन्य भक्तों का सराहनीय योगदान रहा है।

महाराष्ट्र भाजपा कार्यालय प्रभारी रवि आनसपुरे जी के जन्मदिन पर पुष्पगुच्छ देकर हार्दिक बधाई एवं ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए भाजपा महाराष्ट्र उत्तर भारतीय मोर्चा के उपाध्यक्ष अर्जुन गुप्ता और संदीप गुप्ता।

महापौर ने सुनीं उद्यमियों की समस्याएं

हिंदमाता संवाददाता @ विरार

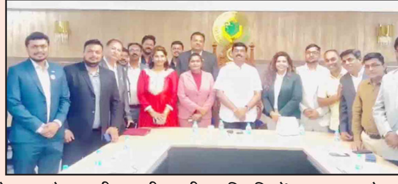

शहर के औद्योगिक और व्यावसायिक विकास को गति देने के उद्देश्य से 2 अप्रैल 2026 को वसई-विरार महानगरपालिका के महापौर अजीव पाटील की उपस्थिति में एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में क्षेत्र के करीब 20 प्रमुख उद्यमियों ने भाग लिया और अपनी समस्याएं व सुझाव रखे। बैठक की शुरूआत में उद्यमियों ने महापौर का स्वागत किया और समय निकालकर चर्चा करने के लिए आभार जताया। इस दौरान महापौर अजीव पाटील ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए सभी उद्यमियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने उद्योगों की वर्तमान स्थिति, रोजमर्रा की दिक्कतों और आवश्यकताओं की विस्तृत जानकारी ली। महापौर ने केवल समस्याएं सुनने तक सीमित न रहते हुए संबंधित विभागों से उद्यमियों का सीधे संपर्क स्थापित कराया। साथ ही तकनीकी और प्रशासनिक विषयों पर आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया, जिससे उद्यमियों को तत्काल समाधान की दिशा मिली। महापौर की तत्परता और सहयोगपूर्ण रवैये से उद्यमियों में संतोष देखा गया। उद्यमियों का मानना है कि ऐसी पहल से नए व्यापारिक अवसर बढ़ेंगे और औद्योगिक विकास को मजबूती मिलेगी। प्रशासन के सहयोग से क्षेत्र में उद्योग और व्यापार को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

महिला सहकर्मी के यौन उत्पीड़न के आरोप में नगरपालिका का क्लर्क निलंबित

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) के एक क्लर्क को महिला सहकर्मी के यौन उत्पीड़न के आरोप में निलंबित किया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ पांच दिन पहले प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि संविदा कर्मचारी आरोपी भूषण बलिराम पाटिल, डोंबिवली क्षेत्र के 'ई' वार्ड कार्यालय में तैनात था, जिसके अंतर्गत क्षेत्र के 27 गांवों आते हैं। केडीएमसी के आयुक्त अभिनव गोयल ने गुरुवार को पाटिल को निलंबित करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर अपराध है। इससे संबंधित खबरें सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई हैं, जिससे केडीएमसी की छवि धूमिल हुई है। एक अधिकारी के अनुसार, मानपाडा थाने में दर्ज शिकायत में महानगरपालिका की एक महिला कर्मचारी ने पाटिल पर अश्लील व्यवहार करने और यौन संबंध बनाने का दबाव डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच के साथ-साथ मामले की विस्तृत आंतरिक जांच भी की जाएगी। हालांकि, पाटिल ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनके खिलाफ प्राथमिकी बदला लेने की भावना से दर्ज कराई गई है।

हिंदमाता एंकर: कच्चे माल की किल्लत और मजदूरों का पलायन से बढ़ी चिंता

अंबरनाथ के उद्योगों पर गहराया युद्ध का साया!

हिंदमाता संवाददाता @ अंबरनाथ

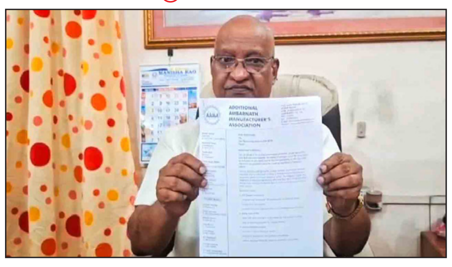

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खाड़ी देशों में छिड़े युद्ध की तपिश अब महाराष्ट्र के ठाणे जिले के अंबरनाथ औद्योगिक क्षेत्र तक पहुंच गई है। आनंदनगर एमआईडीसी (अतिरिक्त अंबरनाथ औद्योगिक क्षेत्र) के लघु एवं मध्यम उद्योगों की स्थिति इस समय बेहद चिंताजनक बनी हुई है। कच्चे माल की आसमान छूती कीमतों और ईंधन की भारी किल्लत ने स्थानीय कारखानों की कमर तोड़ कर रख दी है।

उत्पादन आधा रह गया, 'एएएमए' ने जताई चिंता

कंपनी मालिकों के संगठन 'एडिशनल अंबरनाथ मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन' के अध्यक्ष उमेश तायडे ने इस गंभीर संकट पर प्रकाश डाला है। उन्होंने ठाणे जिला उद्योग केंद्र को लिखे एक पत्र में स्पष्ट किया कि युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय आयात-निर्यात श्रृंखला पूरी तरह बाधित हो गई है। इसका सीधा असर उत्पादन लागत पर पड़ा है, जो बेतहाशा बढ़ गई है। स्थिति इतनी विकट है कि अधिकांश कंपनियों में उत्पादन घटकर आधा (50%) रह गया है।

सरकार से जीएसटी छूट और ब्याज मुक्त ऋण की मांग

उद्योगपतियों ने सरकार से इस संकट की घड़ी में विशेष आर्थिक पैकेज की मांग की है। 'आमा' का सुझाव है कि उद्योगों को बचाने के लिए कम से कम 3 से 6 महीने के लिए जीएसटी से छूट दी जानी चाहिए। साथ ही, कंपनियों को कार्यशील पूंजी के लिए ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाए ताकि ध्वस्त बुनियादी ढांचे को पुनर्जीवित किया जा सके और रुके हुए निवेशों को फिर से पटरी पर लाया जा सके।

श्रमिकों का पलायन ईंधन की कमी बनी मुख्य वजह

सिर्फ कंपनी मालिक ही नहीं, बल्कि यहां काम करने वाले श्रमिक भी दोहरी मार झेल रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्र में रहने वाले अधिकांश श्रमिक अस्थायी आश्रयों में रहते हैं और खाना पकाने के लिए पूरी तरह एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भर हैं। अनियमित गैस आपूर्ति और दस्तावेजीकरण की तकनीकी दिक्कतों के कारण नए गैस कनेक्शन नहीं मिल पा रहे हैं। महंगाई और चूल्हा न जल पाने की मजबूरी में श्रमिक अपने गांवों की ओर पलायन करने लगे हैं। मदूरों की कमी के कारण जो कंपनियां चालू हैं, वे भी बंद होने की कगार पर पहुंच गई हैं। प्रशासन से मांग की गई है कि श्रमिकों को तुरंत गैस आपूर्ति और उद्योगों को आवश्यक डीजल उपलब्ध कराया जाए।

बांद्रा टर्मिनस और मुंबई सेंट्रल के बीच जंबो ब्लॉक

जानें किन रूट पर पड़ेगा असर

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेनों से सफर करने वाले यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। पश्चिम रेलवे ने बुनियादी ढांचे में सुधार और रखरखाव कार्यों के लिए इस सप्ताहांत यानी 4 और 5 अप्रैल को 'मेजर' और 'जम्बो' ब्लॉक घोषित किया है। इस ब्लॉक का सीधा असर उपनगरीय और मेन लाइन की सेवाओं पर पड़ेगा।

बांद्रा टर्मिनस पर 34 घंटे का 'मेजर ब्लॉक'

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, बांद्रा टर्मिनस और बांद्रा स्टेशन के बीच कलवर्ट संख्या 22 के ऑगमेंटेशन कार्य के लिए एक बड़ा ब्लॉक लिया जा रहा है। यह ब्लॉक बांद्रा टर्मिनस और बांद्रा के बीच 5वीं लाइन पर 4 अप्रैल को सुबह 10 :00 बजे शुरू होगा और 5 अप्रैल को रात 8 :00 बजे तक जारी रहेगा। इस निर्माण कार्य की गंभीरता को देखते हुए, बांद्रा टर्मिनस और बांद्रा के बीच स्थित लेवल क्रॉसिंग संख्या 18 को भी इस दौरान सड़क यातायात के लिए पूरी तरह बंद रखा जाएगा। स्थानीय निवासियों और वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

मुंबई सेंट्रल–माहिम के बीच 'जम्बो ब्लॉक'

ट्रैक, सिग्नलिंग प्रणाली और ओवरहेड उपकरणों के नियमित रखरखाव के लिए मुंबई सेंट्रल और माहिम स्टेशनों के बीच जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक 4/5 अप्रैल की मध्यरात्रि में 12 :15 बजे से सुबह 04 :15 बजे तक अप एवं डाउन फास्ट लाइनों पर रहेगा।

यात्रियों पर क्या होगा असर?

- **रूट डायवर्जन:** ब्लॉक अवधि के दौरान फास्ट लाइन की सभी ट्रेनों को सांताक्रुज और चर्चगेट के बीच स्लो लाइन पर चलाया जाएगा।
- **देरी की संभावना:** लोकल ट्रेनों के ट्रैक बदलने के कारण उपनगरीय सेवाएं अपने निर्धारित समय से 10–15 मिनट की देरी से चल सकती हैं।
- **निरस्तीकरण:** रखरखाव कार्य के चलते कुछ चुनिंदा ट्रेनों को रद्द या शॉर्ट–टर्मिनेट भी किया जा सकता है।
- पश्चिम रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे रेलवे स्टेशन पर की जाने वाली घोषणाओं और आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर नजर रखें ताकि उन्हें असुविधा न हो।

घर आया एलपीजी गैस सिलेंडर तो महिला ने उतारी आरती

• शर्मा गया डिलिवरी ब्वाय, मजेदार और हैरान करने वाला वीडियो वायरल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक बेहद मजेदार और हैरान करने वाला वीडियो खूब सुर्खियां बटोर रहा है। महाराष्ट्र के एक घर में जब एलपीजी गैस सिलेंडर पहुंचा, तो घर की महिला की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। ममता गुप्ता नाम की महिला ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह सिलेंडर लेकर आए डिलीवरी बॉय की बाकायदा आरती उतारती नजर आ रही हैं। यह वीडियो देखते ही देखते इंटरनेट पर छा गया है और लोग इस पर तरह-तरह के मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं। वीडियो में साफ दिख रहा है कि करीब 40 साल का एक डिलीवरी मैन कंधे पर भारी गैस सिलेंडर रखकर घर के दरवाजे पर खड़ा है। जैसे ही वह पहुंचता है, महिला हाथ में पूजा की थाली लेकर आ जाती है। वह न केवल शख्स की आरती उतारती है, बल्कि उसके माथे पर तिलक लगाती है और उसे बड़े प्यार से पेड़ा भी खिलाती है। महिला की यह अनोखी हरकत देखकर बेचारा डिलीवरी बॉय बुरी तरह शर्मा जाता है। वह हंसते हुए अपना माथा पीट लेता है।

किल्लत के बीच राहत की खुशी

दरअसल, इस समय ईरान और इजरायल के बीच चल रहे संघर्ष की वजह से पूरी दुनिया में ईंधन की सप्लाई पर बुरा असर पड़ा है। भारत में भी कई इलाकों में एलपीजी सिलेंडर की भारी किल्लत देखी जा रही है। लोगों को आसानी से गैस नहीं मिल पा रही है, ऐसे में जब कई दिनों के इंतजार के बाद सिलेंडर घर पहुंचता है, तो लोग उसे किसी बड़े तोहफे से कम नहीं मान रहे हैं। यही वजह है कि महिला ने डिलीवरी मैन का स्वागत किसी भगवान की तरह किया।

25 दिन का नियम और 45 दिन का इंतजार

सरकार ने गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए कड़े नियम बनाए हैं। नियम के मुताबिक, दो सिलेंडर बुक करने के बीच कम से कम 25 दिन का अंतर होना जरूरी है। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। कई शहरों और ग्रामीण इलाकों में यह वेटिंग पीरियड बढ़कर 45 दिन तक पहुंच गया है। डेढ़ महीने तक बिना गैस के चूल्हा जलाने की जद्दोजहद के बाद जब किसी को सिलेंडर मिलता है, तो उनकी खुशी का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है।

सोशल मीडिया पर आई कमेंट्स की बाढ़

इंस्टाग्राम पर यह वीडियो वायरल होने के बाद यूजर्स अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि आज के दौर में गैस सिलेंडर मिलना किसी जंग जीतने जैसा है, इसलिए आरती उतारना तो बनता है। वहीं कुछ ने डिलीवरी बॉय की मासूमियत और उसके शर्माने वाले अंदाज की तारीफ की है। हालांकि, इस मजाकिया वीडियो के पीछे देश में गैस सप्लाई की गंभीर समस्या भी झलक रही है, जिससे आम आदमी पिछले कई हफ्तों से परेशान है।

संजय राऊत ही करेंगे ठाकरे गुट के दो टुकड़े

विधायक चंद्रकांत पाटील का बड़ा दावा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में आरोपों का खेल एक बार फिर गरमा गया है। इस बार शिवसेना के दोनों गुटों के बीच जुबानी जंग ने सनसनी मचा दी है। मुक्ताईनगर से विधायक चंद्रकांत पाटिल ने सांसद संजय राउत पर सीधा हमला बोलते हुए दावा किया है कि भविष्य में शिवसेना को खत्म करने के पीछे राउत का ही हाथ होगा। पाटिल का कहना है कि संजय राउत जानबूझकर आग में घी डालने का काम कर रहे हैं और उनकी वजह से ही एकजुट शिवसेना में फूट पड़ी थी। विवाद की शुरूआत तब हुई जब संजय राउत ने एक बयान में कहा कि चंद्रकांत पाटिल आने वाले चुनाव में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का साथ छोड़कर बीजेपी के टिकट पर लड़ सकते हैं। इस पर पलटवार करते हुए पाटिल ने कहा कि राउत खुद ठाकरे गुट को तोड़कर एक नया गुट बनाने की फिराक में हैं। उन्होंने साफ किया कि वे एकनाथ शिंदे के साथ पूरी वफादारी से खड़े हैं और उन्हें छोड़ने का सवाल ही पैदा नहीं होता। पाटिल के इस दावे के बाद सियासी गलियारों में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

राउत पर 'घर फोड़ने' का आरोप

विधायक चंद्रकांत पाटिल ने कड़े शब्दों में संजय राउत की आलोचना करते हुए कहा कि राउत शिवसेना में बड़ा बदलाव लाने की तैयारी कर रहे हैं। उनका दावा है कि राउत जल्द ही उद्धव ठाकरे का साथ छोड़कर अपना अलग रास्ता चुन सकते हैं। पाटिल ने सवाल उठाया कि आखिर राउत जलगांव में एक शादी समारोह में आकर राजनीति की बातें क्यों कर रहे हैं? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हमें किसी को अपनी वफादारी साबित करने की जरूरत नहीं है, बल्कि जनता सब जानती है कि असली शिवसेना कौन सी है।

क्या बीजेपी के टिकट पर लड़ेंगे शिंदे के विधायक?

इससे पहले संजय राउत ने दावा किया था कि मुक्ताईनगर और पाचोरा–परोला के विधायक अगले चुनाव में पाला बदल सकते हैं। राउत का कहना है कि ये विधायक गिरीश महाजन के बेहद करीबी हैं और उनकी 'पुख्ता जानकारी' के अनुसार ये लोग बीजेपी के चुनाव चिन्ह पर मैदान में उतरेंगे। राउत के इस बयान ने महायुति गठबंधन के भीतर भी हलचल पैदा कर दी है। हालांकि, चंद्रकांत पाटिल ने इसे पूरी तरह निराधार बताया है और कहा है कि अगर वे कभी गद्दारी करेंगे तो सीधे घर बैठना पसंद करेंगे, लेकिन पाला नहीं बदलेंगे।

ठाकरे गुट में बढ़ सकती है अंदरूनी कलह

पाटिल के इस सनसनीखेज खुलासे के बाद अब सबकी नजरें संजय राउत और मातोश्री की प्रतिक्रिया पर टिकी हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस तरह के बयानों से पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच भ्रम की स्थिति पैदा होती है। क्या वाकई राउत कोई नया गुट बनाने की योजना बना रहे हैं या यह केवल एक राजनीतिक माइंड गेम है, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। फिलहाल, जलगांव से लेकर मुंबई तक इस बयानबाजी ने तापमान बढ़ा दिया है और आने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं।

मालाड के मालवणी में गैस एजेंसी मालिक की पिटाई!

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के मलाड इलाके के मालवणी में गैस सिलेंडर पाने के लिए मची अफरा-तफरी ने अब हिंसक रूप ले लिया है। यहां एक गैस एजेंसी के बाहर बीती रात से ही लोगों की भारी भीड़ जमा है। आलम यह है कि लोग अपना काम-धंधा छोड़कर और नींद खराब कर कतारों में खड़े हैं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी जब उन्हें सिलेंडर नहीं मिला, तो उनका सब्र टूट गया। देखते ही देखते मौके पर मौजूद भीड़ बेकाबू हो गई और उन्होंने एजेंसी के मालिक पर अपना गुस्सा उतार दिया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव फैल गया है। नाराज नागरिकों का कहना है कि वे कल रात से ही गैस सिलेंडर की उम्मीद में लाइन लगाकर खड़े हैं। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक इस कतार का हिस्सा हैं, लेकिन एजेंसी की तरफ से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा था। इसी गहमागहमी के बीच जब एजेंसी मालिक बाहर आया, तो लोगों ने उसे घेर लिया। बात बहस से शुरू हुई और धक्का-मुक्की तक पहुंच गई। आरोप है कि भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने मालिक की पिटाई भी कर दी, जिससे वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

रात भर का इंतजार और बढ़ता गुस्सा

मालवणी जैसे घनी आबादी वाले इलाके में गैस की किल्लत नई बात नहीं है, लेकिन इस बार स्थिति काफी खराब दिख रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एजेंसी जानबूझकर सिलेंडर की सप्लाई रोक रही है या फिर उन्हें सही जानकारी नहीं दी जा रही। रात भर जागने और लंबी लाइन में खड़े रहने की वजह से लोगों में पहले से ही काफी चिड़चिड़ापन था। जैसे ही सुबह हुई और स्टॉक खत्म होने की बात सामने आई, वैसे ही लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया।

मौके पर पहुंची पुलिस, तनाव बरकरार

हंगामे और मारपीट की खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर–बितर करने की कोशिश की। पुलिस ने बीच–बचाव कर एजेंसी मालिक को सुरक्षित बाहर निकाला, लेकिन लोगों का गुस्सा अभी भी शांत नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने एजेंसी संचालक और नागरिकों के बीच बातचीत कराने की कोशिश की है ताकि सप्लाई को सुचारू बनाया जा सके। इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है ताकि दोबारा ऐसी कोई अप्रिय घटना न घटे।

कांग्रेस के झूठ की पोल खुल गई

शाइना एन.सी का विपक्ष पर तीखा हमला

गैस संकट से लेकर ओवैसी तक को घेरा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देश में एलपीजी संकट को लेकर छिड़ी बहस के बीच शिवसेना नेता शाइना एनसी ने विपक्ष विशेषकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर जोरदार पलटवार किया है। मुंबई में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की मंशा साफ है और देश में गैस की कोई किल्लत नहीं है।

कमलनाथ और आनंद शर्मा के बयानों ने बढ़ाई विपक्ष की मुश्किलें

शाइना एनसी ने कांग्रेस के ही दिग्गज नेताओं कमलनाथ और आनंद शर्मा के बयानों का सहारा लेते हुए विपक्षी एकता पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि विपक्ष लंबे समय से जनता के बीच भय का माहौल पैदा करने के लिए अफवाहें फैला रहा था, लेकिन अब उनकी खुद की पार्टी के नेताओं ने सच्चाई स्वीकार कर ली है। शाइना ने तंज कसते हुए कहा कि यह अच्छी बात है कि कांग्रेस के भीतर भी ऐसे नेता हैं जो सच स्वीकार कर रहे हैं। जब आपके अपने ही कह रहे हैं कि गैस की कोई कमी नहीं है, तो जनता को गुमराह करना बंद कीजिए।

खास लोगों की पार्टी है एएपी: शाइना एन.सी

राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता पद से हटाए जाने के बाद आम आदमी पार्टी के भीतर मचे घमासान पर भी शाइना ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी वास्तव में एक 'खास' पार्टी है जो केवल खास लोगों के लिए काम करती है। अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उनकी कथनी और करनी में जमीन–आसमान का अंतर है। पार्टी के आंतरिक फैसलों पर उन्होंने कहा कि जो दिखता है, वही बिकता है, और आप का असली चेहरा अब जनता के सामने है।

ओवैसी और बंगाल सरकार पर प्रहार

असम में असदुद्दीन ओवैसी के 'मियां' वाले बयान पर टिप्पणी करते हुए शाइना ने कहा कि ओवैसी कभी तुष्टीकरण की राजनीति से ऊपर नहीं उठ सकते। उनका उद्देश्य केवल असम की शांति भंग करना है, लेकिन वहां की जनता मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के विकास कार्यों पर मुहर लगाएगी। वहीं, पश्चिम बंगाल की स्थिति और सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों पर उन्होंने ममता बनर्जी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि टीएमसी को तीन बार मौका मिला, लेकिन विकास के बजाय केवल कलह और भ्रष्टाचार ही दिखा। बंगाल की जनता अब परिवर्तन का मन बना चुकी है।

तृप्ति देसाई का नया धमाका

बोलीं- वक्त आने पर दूंगी नीलम गोर्हे और अशोक खरात की मुलाकात के सबूत!

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में आरोपों का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता तृप्ति देसाई ने एक बार फिर शिवसेना शिंदे गुट की दिग्गज नेता और विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरहे पर तीखा हमला बोला है। देसाई का दावा है कि जालसाज अशोक खरात और नीलम गोरहे के बीच पुराने संबंध रहे हैं। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर साफ कहा कि वे अपने बयानों पर कायम हैं और उनके पास इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि कोरोना काल से पहले नाशिक के एक होटल में इन दोनों की मुलाकात हुई थी। तृप्ति देसाई ने यहां तक आरोप लगाया है कि उस समय नीलम गोरहे ने अशोक खरात को मंत्री पद तक का ऑफर दिया था। हालांकि, नीलम गोरहे ने इन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया है और इसे अपनी छवि खराब करने की साजिश बताया है। गोरहे का कहना है कि उनकी खरात से कभी कोई मुलाकात नहीं हुई। लेकिन देसाई पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने नया दावा किया है कि खरात के बारे में जानकारी देने वाले लोग खुद शिवसेना के ही कार्यकर्ता थे, जो अब दबाव के डर से सामने नहीं आ रहे हैं।

गवाहों के नाम और रिकॉर्डिंग का दावा

तृप्ति देसाई ने प्रेस के सामने खुलासा किया कि उनके संपर्क में नाशिक और पुणे के दो ऐसे व्यक्ति हैं जो उस मुलाकात के गवाह थे। देसाई के मुताबिक, उन लोगों ने फिलहाल अपने नाम छिपाने की गुजारिश की है क्योंकि उन्हें डर है कि नीलम गोरहे जैसी ताकतवर नेता के खिलाफ बोलने पर उनके परिवार को परेशान किया जा सकता है। देसाई ने कहा कि उन्होंने उन गवाहों की बातों को रिकॉर्ड कर लिया है। वे इन सबूतों को सीधे एसआईटी या मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सामने पेश करने की योजना बना रही हैं ताकि सच सामने आ सके।

शिंदे गुट की अंदरूनी कलह या कुछ और?

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि क्या शिंदे गुट के भीतर की आपसी लड़ाई की वजह से तृप्ति देसाई का इस्तेमाल किया जा रहा है। जब देसाई से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दोटूक जवाब दिया कि उन्हें किसी के कंधे की जरूरत नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर ठाकरे गुट के लोग नाराज होते, तो वे अपने प्रवक्ताओं के पास जाते, मेरे पास क्यों आते? देसाई का मानना है कि उन्हें मिली जानकारी बिल्कुल सटीक है और वे किसी भी राजनीतिक दबाव में आकर पीछे नहीं हटेंगी।

आने वाले दिनों में बढ़ सकता है सियासी पारा

फिलहाल अशोक खरात पुलिस की गिरफ्त में है और एसआईटी मामले की गहराई से जांच कर रही है। तृप्ति देसाई के इन ताजा आरोपों ने नीलम गोरहे के लिए नई मुसीबत खड़ी कर दी है। देसाई ने चेतावनी दी है कि वे सही समय और सही जगह पर सारे सबूतों का खुलासा करेंगी। अगर ये आरोप सच साबित होते हैं, तो न केवल नीलम गोरहे बल्कि शिंदे सरकार के लिए भी जवाब देना मुश्किल हो जाएगा। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि देसाई कब और कैसे इन 'गुप्त सबूतों' को सार्वजनिक करती हैं।

मेडिकल ऑक्सीजन टेंडर पर सवाल

बढ़ी लागत और मांग को लेकर ऑडिट की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के सभी मेडिकल कॉलेजों और उपनगरीय अस्पतालों को लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन गैस की आपूर्ति के लिए ठेकेदारों की अवधि और राशि में फेरबदल होने की बात प्रशासन द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव में सामने आई, जिसे लेकर स्थायी समिति में सदस्य आक्रामक हो गए। उन्होंने इस प्रस्ताव को पुनः भेजने की मांग की। कोरोना काल में ऑक्सीजन आपूर्ति में अनियमितता और कथित आर्थिक घोटाले को लेकर भाजपा ने उद्धव सेना पर लगातार निशाना साधा था। इसी ऑक्सीजन मुद्दे ने बुधवार को स्थायी समिति की बैठक में जोर पकड़ा।

मुंबई ऑक्सीजन आपूर्ति को लेकर जताई आपत्ति

नगर निगम अस्पतालों में ऑक्सीजन आपूर्ति के ठेके की राशि में वृद्धि के मुद्दे पर आपत्ति जताई गई और ऑक्सीजन आपूर्ति का ऑडिट कराने की मांग की गई। सदस्यों ने सवाल उठाया कि ऑक्सीजन की मांग और आपूर्ति की वास्तविक स्थिति क्या है। प्रस्ताव में ठेका अवधि, ऑक्सीजन की मांग और ठेका राशि में हुई बढ़ोतरी का उल्लेख था।

अधिक मात्रा में खरीद पर कम होनी चाहिए दर: कुरेशी

ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए मूल ठेका राशि 42 करोड़ 93 लाख 55 हजार रुपए थी, जो बढ़कर 21 करोड़ 77 लाख 71 हजार रुपए की वृद्धि के साथ 45 करोड़ 71 लाख 26 हजार रुपए हो गई। चर्चा के दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की सईदा खान ने वर्तमान ऑक्सीजन आपूर्ति की स्थिति की जानकारी देने और ऑडिट कराने की मांग की। वहीं एमआईएम के नगरसेवक जमीर कुरेशी ने पूछा कि ऑक्सीजन की मांग क्यों बढ़ी और क्या अस्पतालों में बेड व मरीजों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि अधिक मात्रा में खरीद पर दर कम होनी चाहिए, भाजपा की शीतल गंभीर ने कोविड के बाद अतिरिक्त ऑक्सीजन उपयोग पर सवाल उठाया और ठेके में बार–बार फेरबदल पर भी आपत्ति जताई।

वसई–विरार शहर महानगरपालिका
प्रभाग समिती (बी) विरार पूर्व
मुख्य कार्यालय–विरार
दुरध्वनी क्रं. दुरध्वनी - ९५२५०-२४०२१७९ / २४०३४४२ / २४०२५६३

प्रभाग समिती 'बी' विरार पूर्व
विभागीय कार्यालय - नालासोपारा (पश्चिम)
ता. वसई, जि. पालघर

दुरध्वनी क्र. (०२५०)२४०२१७९/२४०२५६३
ई-मेल : amcb.vvmc@gov.in
जावक क्र. : ववशिम/कवि/४१५/२०२५-२६
दिनांक : ०२/०४/२०२६

जाहिर नोटीस

महाराष्ट्र मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ४६९ अन्वये जाहीर नोटीस खालील मालमत्तेच्या हस्तांतरण संबंधाने वसई विरार शहर महानगरपालिका प्रभाग समिती बी कार्यालय नालासोपारा येथे प्राप्त झालेल्या मालमत्ता धारकाच्या प्रकरण परत्वे नोटिसीनुसार सदर हस्तांतरण संदर्भात कोणत्याही हितसंबंधाने हरकत अगर आक्षेप असल्यास हि नोटीस प्रसिद्द झाल्यापासून ७ दिवसांच्या आत हितसंबंधाच्या व हरकतीच्या लेखी पुराव्यासह वसई विरार शहर महानगरपालिका प्रभाग समिती बी कार्यालय विभागीय कार्यालय विरार येथे लेखी स्वरूपात हरकत नोंदवावी अन्यतः करवसुलीच्या सोयीसाठी सदर हस्तांतरण करून महानगरपालिका दप्तरी याबाबतची नोंद घेतली जाईल.

अ. क्र.	मालमत्ता क्र.	पावती क्र.	ज्याचे नावे मालमत्ता आहे त्याचे म्हणजे मालमत्ता विकणाऱ्याचे नाव किंवा अभिहस्तांकन कर्त्याचे नाव	खरेदीदाराचे किंवा अभिहस्तांकन नाव
1.	NL02/679/21	ASS/30126	घांची सलीम हबीब परमार	राबिया बेगम W/O सेख बसरत अली
2.	NL07/491/46	ASS/29815	सचिन धरत	सिधार्थ बाबुराव करवडे
3.	NL02/731/20	ASS/30685	राजन प्रभाकर तुळसकर	आदेश अंकुश खोत
4.	NL02/540/33	ASS/30684	गजानन शंकर ठाकुर	दिपाली नामदेव कांडरे
5.	NL02/794/70	ASS/24783	शादाबा बानो फ्युब अली जाफरी	कायनाव साकीब अली सय्यद
6.	NL02/705/9	ASS/24783	अंसारी गोहम्मद साहिल जमाल अहमद	शाहीन अशरफ घाग
7.	NL02/843/69	ASS/28487	साहिबा बानो	नवाज तनवीर शरीफ अहमद
8.	NL03/568/13	ASS/30699	शिवसाई बिल्डर्स अंड डेव्हलपर्स	अमिता अनंत कांबळे
9.	NL04/442/70	ASS/30686	राहुल रावजी शेलार	सुभाष संपत डांगरे
10.	NL05/333/15	ASS/30700	शहमिना दाऊद खान	कलीमुल निशा गुलाम अली
11.	NL07/466/13	ASS/30659	रूपेश दत्ताराम सावंत	रसिका संतोष खेडेकर / संयोग संतोष खेडेकर
12.	NL03/570/16	ASS/30701	सुरेश गणपत पाटील	सुनील मनसुखलाल परमार
13.	NL02/735/48	ASS/30676	वासुदेव राघो लाड	रुकमाबाई बबन बानेकर
14.	NL02/944/11	ASS/30660	दयाशंकर भोलानाथ यादव	लवकेश आदित्य नारायण मिश्रा/भानु आदित्य नारायण मिश्रा
15.	NL02/373/1	ASS/30123	योगिता नंदकुमार बांदिवडेकर	अनिल महादेव तावडे
16.	NL04/255/12	ASS/30122	अजयकुमार दास/विजयकुमार दास/संजयकुमार दास	अजय कुमार रामप्रताप दास
17.	NL03/1197/11	ASS/30121	मो. जौशाद मो. कुददुस	राहुल ब्रिजलाल कहार
18.	NL02/1034/4	ASS/30557	किरन विकाश पटया / विकाश कुमार पटवा	इरशाद गफ्फार अली
19.	NL02/845/26	ASS/30514	सेराज अहमद	मोहम्मद रेहान बशीर शेख
20.	NL02/437/14	ASS/30521	अशोक वि. भानसे	अशरफीलाल जयपाल गुप्ता

सही/-
सहा. आयुक्त
प्रभाग समिती (बी) विरार पूर्व
वसई-विरार शहर महानगरपालिका

हिंदमाता एंकर: गिरोह का सरगना फरार, एक सदस्य गिरफ्तार

नाबालिगों को 'हिजड़ा' बनाने वाले बांग्लादेशी गैंग का भंडाफोड़

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

गिरफ्तार / फरार

शिवाजी नगर पुलिस ने एक ऐसे भयानक और अमानवीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। जो नाबालिग बच्चों का अपहरण कर उन्हें जबरन ट्रांसजेंडर (हिजड़ा) बनाने, लोकल ट्रेनों में भीख मंगवाने और देह व्यापार के दलदल में धकेलने का काम कर रहा था। पुलिस ने इस कुख्यात बांग्लादेशी गिरोह के सरगना बाबू अनिल खान उर्फ बाबू गुरु (बामू हिजड़ा) और उसके साथी सफदे उर्फ जारा के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने जारा को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि मुख्य आरोपी बाबू हिजड़ा फिलहाल फरार है।

अमानवीयता की पराकाष्ठा

यह पूरा मामला तब सामने आया जब गोवंडी की रहने वाली एक मां ने अपने 17 वर्षीय बेटे के लापता होने, और उसके साथ हुई बर्बरता की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, पीड़ित लड़का अपनी पढ़ाई के बाद मोबाइल रिपेयरिंग सीख रहा था। गिरोह ने उसे अपनी बातों में फंसाया और रफीक नगर स्थित अपने ठिकाने पर बंधक बना लिया। आरोप है कि बाबू हिजड़ा और जारा ने किशोर को जबरन लड़कियों के कपड़े पहनने पर मजबूर किया और, पूरे रमजान के महीने में चेंबूर के बीच चलने वाली लोकल ट्रेनों में भीख मंगवाई है।

यौन शोषण और तस्करी का जाल

हैरान कर देने वाली बात यह है कि आरोपियों ने केवल भीख मंगवाने तक ही सीमित नहीं रहे। बल्कि पीड़ित को चेंबूर और जीएम लिंक रोड जैसे इलाकों में पुरुष ग्राहकों के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने के लिए भी मजबूर किया है। गिरोह इस मासूम से होने वाली कमाई को खुद हड़प लेता था। जब पीड़ित की मां ने अपने बेटे की तलाश में आरोपी के घर दबिश दी, तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई और पैसों की मांग की गई। शिवाजी नगर पुलिस ने अब इस मामले में मानव तस्करी, अपहरण और पॉक्सो जैसी कड़ी धाराओं के तहत जांच शुरू कर दी है। पुलिस को अंदेशा है कि इस गिरोह के तार और भी गहरे हो सकते हैं और कई अन्य बच्चे इनके चंगुल में फंसे हो सकते हैं।

जबरन सर्जरी और टॉर्चर का खेल

पकड़े गए आरोपी ने कबूल किया है कि वे बच्चों को अगवा करने के बाद उन्हें ऐसे डॉक्टरों या झोलाछापों के पास ले जाते थे, जो चोरी–छिपे यह काम करते थे। बिना किसी मेडिकल सुविधा और हाइजीन के किए जाने वाले इन ऑपरेशनों की वजह से कई बच्चों की जान पर भी बन आती थी। पीड़ितों को महीनों तक बंधक बनाकर रखा जाता था और उन्हें बुरी तरह टॉर्चर किया जाता था ताकि वे बाहर जाकर किसी को कुछ बता न सकें। इस खुलासे के बाद बाल अधिकार संगठनों ने भी चिंता जताई है और दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की है।

अवैध घुसपैठ और बढ़ता खतरा

इस मामले ने एक बार फिर सीमा पार से होने वाली अवैध घुसपैठ और उसके जरिए पनप रहे अपराधों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि यह गैंग अब तक कितने बच्चों को अपना शिकार बना चुका है और उनके अंगों का व्यापार या तस्करी का कोई एंगल तो नहीं है। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियों को भी अलर्ट कर दिया गया है। पुलिस ने आम जनता से भी अपील की है कि वे अपने बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत नजदीकी थाने में दें।

विचार प्रवाह

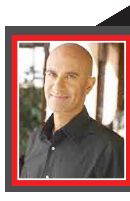

लक्ष्य प्राप्त करना मायने रखता है और जो बहादुरी भरे काम और साहसिक सपने आप पूरे करना चाहते हैं उनके बारे में लिखना उन्हें पूरा करने के लिए चिंगारी का काम करेगा।
- रॉबिन शर्मा

संपादकीय

कमजोर होता रुपया

पश्चिमी एशिया में जारी युद्ध के फलस्वरूप उत्पन्न ऊर्जा संकट के बीच डॉलर के मुकाबले रुपए का अब तक सबसे निचले स्तर पर पहुंचना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती है। निश्चित रूप से मजबूत मुद्रा भंडार होने के बावजूद रुपए पर दबाव होना, देश के सामने कई तरह मुश्किलें पैदा कर सकता है। कहा जा रहा है कि भारत फिर 2013 जैसी स्थितियों से रूबरू है। लेकिन इस बार जहां मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार है, वहीं तमाम वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति 2013 के मुकाबले मजबूत है। दरअसल, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशक डॉलर को मजबूत निवेश के विकल्प के रूप में देखते हैं। इसीलिए वे उभरती अर्थव्यवस्थाओं से पूंजी निकालकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में निवेश कर रहे हैं। जिससे डॉलर मजबूत हो रहा है और रुपए जैसी दूसरी मुद्राएं कमजोर हो रही हैं। इसकी एक वजह अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती भी है। जिसका नकारात्मक प्रभाव भारत जैसे विकासशील देशों की मुद्राओं पर पड़ता है। यही वजह है कि एशिया में बेहद कमजोर स्थिति वाली मुद्राओं में रुपए भी शामिल है। ऐसी स्थिति में हमारे निर्यात सस्ते और आयात महंगे होने से अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। एक हकीकत यह भी है कि ईरान व अमेरिका के बीच जारी युद्ध से कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने व पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें बढ़ने से भी रुपए पर दबाव बढ़ा है। इसकी एक विसंगति यह भी है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। जिसका प्रतिशत 85 फीसदी के करीब है। फलतः तेल कंपनियां अधिक डॉलर की मांग कर रही हैं, जिसका असर रुपए की सेहत पर भी पड़ रहा है। लेकिन पिछले एक साल में रुपए के मूल्य में दस फीसदी गिरावट और डॉलर के मुकाबले उसका सर्वकालिक निम्न स्तर तक पहुचना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना ही चाहिए। आशंका जतायी जा रही है कि यदि ईरान व अमेरिका का युद्ध और लंबा खिंचता है तो रुपए के मूल्य में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। हालांकि, अपनी तरफ से देश के केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक व रणनीतिक उपायों से रुपए की गिरावट को थमाने के प्रयास किए हैं, लेकिन उसका सीमित प्रभाव ही रहा है। भले ही भारत के पास सात सौ अरब डॉलर से ज्यादा का विदेशी मुद्रा भंडार हो, लेकिन उसका भी सीमित उपयोग ही रुपए के संरक्षण में हो सकता है। हालांकि, भारत के पास इतना विदेशी मुद्रा का भंडार है कि दस महीने के आयात को सहजता से संचालित किया जा सकता है। वास्तव में वैश्विक परिदृश्य में जारी उथल-पुथल से बाधित आर्थिकी और असुरक्षा के चलते डॉलर की बढ़ती मांग ने रुपए को कमजोर बनाया है। इसके बावजूद केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप से ही रुपए का गिरना संभल सकता है। केंद्रीय बैंक तेल कंपनियों के डॉलर के अतिरिक्त दबाव को कम करने को कदम उठा सकता है। एसबीआई की एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि तेल कंपनियों के लिये अलग डॉलर विंडो बनाये जाने से रुपए पर अचानक पड़ने वाला दबाव कम हो सकता है। हर दिन तेल कंपनियों को भारी मात्रा में डॉलर की जरूरत होती है। यही मांग बाजार में रुपए पर अतिरिक्त दबाव बना रही है। रिपोर्ट में एक सुझाव है कि इन कंपनियों के लिए अलग डॉलर विंडो बनाई जाए। अगर ऐसा होता है, तो बाजार में डॉलर की असली मांग और सप्लाई साफ दिखेगी। इससे रुपए पर अचानक पड़ने वाला दबाव कम भी हो सकता है। आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि रुपए को 'शॉक एब्जॉर्बर' बनाकर हर दबाव को झेलने के लिये छोड़ देने की नीति पर पुनर्विचार की जरूरत है। जानकार मानते हैं कि इस दिशा में केंद्रीय बैंक को आक्रमक रणनीति अपनानी चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग रुपए को संबल देने में करना चाहिए। इसके जरिये टाले जा सकने वाली गिरावट रोकी जा सकती है। इसके लिये अर्थव्यवस्था में नकदी संतुलन भी जरूरी है। बाजार की स्थिरता के लिये ब्याज दरों का संतुलन भी लाभप्रद हो सकता है। जिससे रुपए के कमजोर होने का दबाव अर्थव्यवस्था पर न पड़े।

आज का इतिहास

- 1905 - कांगड़ा घाटी में आए भूकंप में 20,000 लोगों की जानें गईं थी।
- 1949 - उत्तरी अटलांटिक सैन्य संगठन की स्थापना हुई जो शीतयुद्ध के शुरूआती दौर का नतीजा थी।
- 1979-पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को फांसी।
- 1994-तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा द्वारा तिब्बती बालक उग्येन थिनली दोरजी को नये कमार्पा के रूप में घोषणा।
- 1997-क्रयशक्ति की क्षमता की दृष्टि से विश्व बैंक ने भारत को विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश घोषित किया।
- 2001 - चीन का अमेरिका विमान व चालक दल लौटाने से इन्कार, फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति एरुत्रादा के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल।
- 2004 - भारत-नेपाल की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर माओवादियों ने 18 भारतीय तेल टैंकरों में आग लगाई।
- 2006 - ईराक के अपदस्थ राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन पर नये आरोप लगे।
- 2008 -दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना ने भाजपा सदस्यता स्वीकार किया। पाकिस्तान की नई सरकार ने सेना के खुफिया प्रमुख के पद से मेजर जनरल नदीम को हटाया।
- 2010 - माओवादियों द्वारा किए गए उड़ीसा, भारत के कोरापुट ज़िले में बारुदी सुरंग विस्फोट में दस सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गयी।
- 1889-माखन लाल चतुर्वेदी- हिंदी जगत के कवि,लेखक,पत्रकार।
- 1905-नृपेन चक्रबर्ती- मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राजनीतिज्ञ थे।
- 1908 - बेगम ऐजाज रसूल - भारतीय संविधान सभा की एकमात्र मुस्लिम महिला सदस्य थीं।
- 1915-असित भट्टाचार्य- भारत के महान क्रांतिकारियों में से एक थे।
- 1933 - बापू नादकर्णी - पूर्व भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी थे।
- 1949 - परवीन बॉबी - भारतीय अभिनेत्री
- 1969 - पल्लवी जोशी - भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन अभिनेत्री हैं।
- 1972 - लीसा रे - भारतीय अभिनेत्री एवं फैशन मॉडल
- 1976-सिमरन-भारतीय अभिनेत्री
- 2025 - मनोज कुमार - फिल्म जगत के प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता, निमार्ता व निर्देशक थे।
- 1924 - गंगाधर मेहरे - उड़िया भाषा के प्रसिद्ध कवि थे।
- 2021 - शशिकला - भारतीय हिन्दी सिनेमा की प्रसिद्ध खलनायिकाओं में से एक थीं।
- 2021 - खलील धनतेजवि - गुजरात के प्रसिद्ध कवि गजलकार थे।
- 2019 - वेदवती वैदिक - प्रमुख उपनिषदों के आख्यानों, अवधारणाओं, पदों, और शब्दों की युक्तियुक्त व्याख्याकार।
- 1995 - हंसा मेहता - भारत की प्रसिद्ध समाजसेवी, स्वतंत्रता सेनानी और शिक्षाविद।
- 1987 - अज्ञेय, सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन - हिन्दी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार।

ट्रंप की नजर क्यूबा पर

67 साल पुरानी दुश्मनी, एक नई जंग की पटकथा, क्या इतिहास खुद को दोहराने जा रहा है?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में घटनाएं कभी अचानक नहीं होतीं, बल्कि उनके पीछे दशकों का इतिहास और रणनीति काम करती है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अब क्यूबा एक बार फिर वैश्विक चर्चा में आ गया है। डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों से संकेत मिलते हैं कि अमेरिका की नजर फिर इस छोटे लेकिन रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण देश पर टिक गई है। फ्लोरिडा से महज 170 किलोमीटर दूर स्थित क्यूबा पर नियंत्रण की अमेरिकी इच्छा नई नहीं है, बल्कि यह 67 वर्षों से चली आ रही एक अधूरी कहानी है। मध्य पूर्व में चल रहा संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक प्रभाव वाला संकट बन चुका है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच तनाव ने तेल और गैस की आपूर्ति को अस्थिर कर दिया है। यदि यह संकट और गहराता है, तो दुनिया के कई देशों को गंभीर ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है। क्यूबा की वर्तमान स्थिति इस संभावित भविष्य की एक झलक है, जहां ऊर्जा संसाधनों की कमी ने पूरे देश को ठहराव की स्थिति में पहुंचा दिया है।

अंधेरे और ठहराव का दौर

करीब 1 करोड़ 10 लाख की आबादी वाला क्यूबा इस समय गहरे संकट से गुजर रहा है। देश में बिजली आपूर्ति ठप है, ईंधन की भारी कमी है और दैनिक जीवन पूरी तरह प्रभावित हो चुका है। अस्पतालों में ऑपरेशन रुक गए हैं, उद्योग बंद हैं, परिवहन व्यवस्था ठप है और शिक्षा संस्थान भी बंद पड़े हैं। यह स्थिति दशार्ती है कि आधुनिक दुनिया में ऊर्जा की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है और इसकी कमी किस तरह पूरे समाज को प्रभावित कर सकती है।

क्यूबा का रणनीतिक महत्व

क्यूबा का भौगोलिक स्थान उसे वैश्विक राजनीति में विशेष महत्व देता है। कैरिबियन सागर में स्थित यह द्वीप अमेरिका के बेहद करीब है, जिससे यह सैन्य और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। इसके अलावा, क्यूबा के प्राकृतिक संसाधन-जैसे चीनी, कॉफी, तंबाकू और खनिज-भी इसे वैश्विक शक्तियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाते हैं।

कोलंबस से स्पेन का कब्जा

क्यूबा का इतिहास 1492 में क्रिस्टोफर कोलंबस की खोज से शुरू होता है। इसके बाद स्पेन ने इस द्वीप पर कब्जा कर लिया और लगभग चार सदियों तक यहां शासन किया। उस समय अमेरिका एक उभरती हुई शक्ति था और क्यूबा पर उसका प्रभाव सीमित था, लेकिन उसकी रुचि इस क्षेत्र में बनी रही।

आजादी के पीछे की रणनीति

19वीं सदी में अमेरिका के मजबूत होने के साथ ही उसने क्यूबा की राजनीति में हस्तक्षेप शुरू कर दिया। स्पेन के खिलाफ क्यूबा में हो रहे विद्रोह को अमेरिका ने समर्थन दिया। हालांकि उसने इसे आजादी की लड़ाई के रूप में प्रस्तुत किया, लेकिन इसके पीछे उसका असली उद्देश्य क्यूबा पर नियंत्रण स्थापित करना था।

आजादी के बाद भी नियंत्रण

1902 में क्यूबा को स्पेन से स्वतंत्रता मिल गई, लेकिन अमेरिका का प्रभाव खत्म नहीं हुआ। उसने क्यूबा की राजनीति, अर्थव्यवस्था और प्रशासन में हस्तक्षेप जारी रखा। इस प्रकार क्यूबा औपचारिक रूप से स्वतंत्र होते हुए भी वास्तविक रूप से अमेरिकी प्रभाव में बना रहा।

अमेरिकी वर्चस्व का चरम

1933 में फुल्गेंसियो बतिस्ता के सत्ता में आने के बाद क्यूबा में अमेरिकी प्रभाव और बढ़ गया। अमेरिकी कंपनियों ने क्यूबा के प्रमुख उद्योगों पर कब्जा कर लिया। पर्यटन, चीनी उत्पादन, तंबाकू उद्योग और अन्य क्षेत्रों में अमेरिकी निवेश बढ़ता गया, लेकिन इसका लाभ स्थानीय जनता को नहीं मिला। इससे जनता में असंतोष बढ़ता गया।

जनआंदोलन और कास्त्रो का उदय

1950 के दशक में क्यूबा में असंतोष चरम पर पहुंच गया। इसी दौरान फिडेल कास्त्रो के नेतृत्व में एक व्यापक जनआंदोलन शुरू हुआ। 1959 में इस आंदोलन ने बतिस्ता सरकार को सत्ता से हटा दिया और कास्त्रो ने क्यूबा में समाजवादी शासन की स्थापना की।

अमेरिकी कंपनियों की विदाई

कास्त्रो ने सत्ता संभालते ही अमेरिकी कंपनियों को देश से बाहर कर दिया और राष्ट्रीयकरण की नीति अपनाई। इससे अमेरिका और क्यूबा के संबंधों में तीखा तनाव पैदा हो गया। अमेरिका ने इसे अपने आर्थिक और राजनीतिक हितों पर सीधा हमला माना।

पहली बड़ी असफलता

1961 में अमेरिका ने 'बे ऑफ पिग्स' ऑपरेशन के तहत क्यूबा में तख्तापलट की कोशिश की। इस ऑपरेशन में सीआईए द्वारा प्रशिक्षित सैनिकों को भेजा गया, लेकिन कास्त्रो की सेना ने उन्हें पराजित कर दिया। यह अमेरिका के लिए एक बड़ी शर्मनाक हार थी। बे ऑफ पिग्स की विफलता के बाद अमेरिका ने 'ऑपरेशन मंगूज' शुरू किया। इसका उद्देश्य क्यूबा को आर्थिक रूप से कमजोर करना था। इस दौरान क्यूबा के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया गया, लेकिन इससे भी अमेरिका को अपेक्षित सफलता नहीं मिली।

खुफिया एजेंसियों की विफलता

फिडेल कास्त्रो को हटाने के लिए सीआईए ने कई बार उनकी हत्या की योजना बनाई। सिगार में जहर, विस्फोटक उपकरण, हनीट्रैप जैसे कई उपाय अपनाए गए, लेकिन हर बार कास्त्रो बच निकले। यह खुफिया इतिहास की सबसे चर्चित विफलताओं में से एक है। 1962 में सोवियत संघ ने क्यूबा में परमाणु मिसाइल तैनात कर दिए। इससे अमेरिका और सोवियत संघ के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया। दुनिया परमाणु युद्ध के कगार पर पहुंच गई थी। अंततः दोनों देशों के बीच समझौते से यह संकट टल गया, लेकिन इसने क्यूबा को वैश्विक राजनीति के केंद्र में ला दिया।

संकट में मजबूत साझेदारी

क्यूबा और सोवियत संघ (बाद में रूस) के बीच संबंध समय के साथ मजबूत होते गए। अमेरिका के प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने क्यूबा को आर्थिक और सैन्य सहायता प्रदान की। यह संबंध आज भी क्यूबा की विदेश नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अमेरिका ने क्यूबा पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ा। इन प्रतिबंधों के कारण क्यूबा को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर होती गई।

वेनेजुएला और तेल आपूर्ति

क्यूबा अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए लंबे समय से वेनेजुएला पर निर्भर रहा है। लेकिन हालिया राजनीतिक बदलावों के कारण वेनेजुएला से तेल आपूर्ति बाधित हो गई है। इससे क्यूबा में ऊर्जा संकट गहरा गया है और देश अंधेरे में डूब गया है। इस संकट के समय रूस ने एक बार फिर क्यूबा की मदद की है। तेल की आपूर्ति के जरिए उसने यह दिखाया है कि अंतरराष्ट्रीय संबंध केवल वर्तमान पर नहीं, बल्कि इतिहास और विश्वास पर भी आधारित होते हैं।

नई कोशिश या पुरानी सोच?

डोनाल्ड ट्रंप की क्यूबा को लेकर आक्रामक नीति यह संकेत देती है कि अमेरिका एक बार फिर इस देश पर नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश कर सकता है। हालांकि यह देखना बाकी है कि क्या यह रणनीति सफल होगी या फिर इतिहास खुद को दोहराएगा। क्यूबा का इतिहास संघर्ष, हस्तक्षेप और आत्मनिर्भरता की कहानी है। अमेरिका की बार-बार की कोशिशों के बावजूद यह देश अपनी संप्रभुता बनाए रखने में सफल रहा है। वर्तमान परिस्थितियां चाहे जितनी भी जटिल क्यों न हों, क्यूबा की भौगोलिक स्थिति, राजनीतिक इच्छाशक्ति और अंतरराष्ट्रीय समर्थन उसे एक बार फिर इस संकट से उबरने की क्षमता प्रदान करते हैं। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या ट्रंप की रणनीति इस लंबे इतिहास को बदल पाती है या क्यूबा एक बार फिर अपने अस्तित्व की रक्षा करता है।

जरूरी था ट्रांसजेंडर कानून में बदलाव

अधिकारों की सुरक्षा

● पहचान की बहस और सामाजिक संतुलन के बीच नया कानून

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

गत दिनों ट्रांसजेंडर के अधिकारों से जुड़े संशोधन विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। 2019 के अधिनियम में सुधार की दृष्टि से लाए गए ट्रांसजेंडर (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक में किसी को जबरन ट्रांसजेंडर दशार्ने या उससे भीख मंगवाने पर 10 वर्ष की सजा का प्रविधान है। बच्चों की ऐसी प्रस्तुति-शोषण पर यह सजा आजीवन कारावास तक हो सकती है। अगवा कर ट्रांसजेंडर बनाने के उद्देश्य से अंग-भंग पर भी कड़ी सजा का प्रविधान है। मौजूदा कानून में ट्रांसजेंडरों के प्रति भेदभाव-दुर्व्यवहार पर दो साल तक की सजा थी। पहले से व्यापक और कड़े प्रविधानों के बावजूद इस बिल का विरोध हो रहा है। विरोध का मूल कारण वह प्रस्ताव है, जो ट्रांसजेंडर पहचान को स्व-अनुभूत लिंग पहचान की अपेक्षा मेडिकल सत्यापन से तय करता है। नए विधेयक के बाद ट्रांसजेंडर को उचित अधिकारी से मेडिकल प्रमाणपत्र लेना होगा।

संस्थाओं का विरोध और तर्क

नेशनल लीगल सर्विसेज अथारिटी, नालसा और द कर्नाटक स्टेट जेंडर एंड सेक्सुअलिटी माइनारिटीज फार कन्वर्जेस जैसी संस्थाएं यह कह कर विरोध कर रही हैं कि किसी भी व्यक्ति को उसकी आनुवांशिक संरचना से इतर इच्छानुसार अपना लिंग घोषित करने का अधिकार होना चाहिए। नालसा बनाम केंद्र सरकार वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने नालसा का यह तर्क माना था और 2019 का ट्रांसजेंडर अधिनियम उसी आधार पर बना था। अब संशोधन विधेयक ने पुनः ट्रांसजेंडर एक्टिविज्म और लिंग पहचान राजनीति को विमर्श का बिंदु बना दिया है। सामान्यजन को भले ही आश्चर्य हो कि किसी व्यक्ति का लिंग निर्धारण क्रोमोसोम जैविकी की अपेक्षा उसकी भावनाओं पर कैसे आधारित हो सकता है, परंतु ऐसा मत पश्चिम के अकादमिक जगत और राजनीति में प्रबल रूप ले चुका है।

लिंग पहचान और सामाजिक जटिलताएं

लिंग पहचान की स्वघोषणा से ऐसी विचित्र स्थिति बन गई है कि पुरुष महिला प्रसाधन कक्ष और महिला जेलों में प्रवेश पा रहे हैं एवं महिला खेल एवं प्रतिस्पधाओं में भाग ले रहे हैं। इसी तरह पश्चिम में 'शी' या 'ही' की बजाय 'जी' और 'हिम' या 'हर' के स्थान पर 'हिअर' जैसे लिंग निरपेक्ष सर्वनामों के उपयोग की हठ है। यह दुष्चेष्टा माता-पिता की सहमति के बिना बच्चों को स्कूल में अपना नाम और सर्वनाम बदलने की अनुमति देती है और चिकित्सकों द्वारा अवयस्कों के लिंग परिवर्तन की पैरवी भी करती है। भारत में अभी तक अवयस्कों को ऐसे अधिकार नहीं हैं, परंतु यदि पश्चिम प्रेरित पैरवी रोकी नहीं गई तो इस सक्रियता की दिशा वही होगी। इस पूरे विमर्श में बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसी विकृति को बढ़ावा देने का उद्देश्य आखिर क्या है?

नव वामपंथ की रणनीति

ट्रांसजेंडर सक्रियता, यौन स्वच्छंदता को बढ़ावा नए वाम की उस रणनीति का हिस्सा है, जो श्रमिक केंद्रित पुराने मार्क्सवाद से आगे बढ़ कर ऐसे राजनीतिक गठबंधन का निर्माण करना चाहती है, जिसमें श्रमिकों के साथ-साथ मजहबी, भाषाई, नस्लीय एवं लैंगिक अल्पसंख्यकों का समूह बने। नव वाम का मक्का माने जाने वाले फ्रैंकफर्ट स्कूल के विचारकों का मानना है कि सत्ता केवल पूंजीपति और राज्यों के पास नहीं बल्कि पंथ, राष्ट्र, परिवार जैसे सामाजिक संस्थान, भाषाई एवं सांस्कृतिक प्रभुत्व, सामाजिक और नैतिक मान्यताओं में निहित है।

विचारधारात्मक आधार और प्रभाव

इसी विचार से संबद्ध जूडिथ बटलर की नजर में जैविक लिंग को महिला या पुरुष जैसी पहचान में बांधना उसी वर्चस्व का प्रतीक है। यौन क्रांति के जनक विल्हेम राईख के अनुसार पितृसत्तात्मक परिवार विनम्र, फासीवादी बनाने का कारखाना है। राईख के अनुसार बचपन से यौन मुक्ति को प्रोत्साहित कर व्यक्ति का चारित्रिक कवच तोड़ा जा सकता है और फिर वह सभी प्राधिकारों के खिलाफ विद्रोही बन जाएगा। 'नव वामपंथ के पिता' हर्बर्ट मार्क्यूस ने परिवार व्यवस्था को तोड़ने और पूंजीवादी पश्चिमी समाज की उत्पादकता को पंगु बनाने के लिए यौन स्वच्छंदता और बहुगामी व्यभिचार को बढ़ावा देने की बात कही। कट्टरपंथी नारीवादी शुलामिथ फायरस्टोन ने कहा कि लिंगों के बीच जैविक अंतर सभी उत्पीड़न की जड़ है और द्विआधारी लिंग वर्ग का उन्मूलन होना चाहिए। उनके अनुसार जब तक महिलाएं 'प्रजनन के अत्याचार' और बच्चे अपने माता-पिता से 'मुक्त' नहीं हो जाते, तब तक सच्ची क्रांति असंभव है।

जेंडर फ्लुइडिटी और मनोवैज्ञानिक प्रयोग

नव वामपंथ जेंडर फ्लुइडिटि यानी लिंग 'तरलता' की बात करता है। महिला और पुरुष रूपी पारंपरिक लिंग द्वैत को चुनौती देने और ट्रांसजेंडर अस्पष्टता को बढ़ावा देने में सबसे बड़ा योगदान जान मनी और अल्फ्रेड किंसे का है। मनोविज्ञानी जान मनी के मुताबिक लिंग पहचान जैविक संरचना की अपेक्षा काफी हद तक पालन-पोषण का परिणाम है। मनी ने शिशुओं की लिंग परिवर्तन सर्जरी एवं हार्मोनल थेरेपी की वकालत की और बच्चों को उनके विपरीत लिंग वाले परिवेश में पालने पर जोर दिया। तमाम सर्वेक्षण इसकी पुष्टि करते हैं कि बालपन में ऐसे विचित्र प्रयोग भोगने वालों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ जाती है।

वास्तविक घटनाएं और चिंताएं

ऐसे प्रकरण पश्चिम ही नहीं, बल्कि भारत में भी होते रहे हैं। 2021 में प्रमुख ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट और केरल की पहली ट्रांसजेंडर रेडियो जाकी अनन्या कुमारी ऐलेक्स ने गलत सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी को अपनी आत्महत्या का कारण बताया था। यह दुखद है कि सामाजिक व्यवस्था को गहरी क्षति पहुंचाने के बावजूद ऐसे मनोविज्ञानी, समाजशास्त्री और अकादमिकों की विश्व पटल पर तूती बोल रही है। पश्चिम में भावनाओं को तथ्यों के ऊपर रखने वाली पोस्ट स्ट्रक्चरलिज्म, क्रिटिकल थ्योरी और क्वीयर थ्योरी लिबरल आर्ट्स के तहत पढ़ाई जा रही है। वहां सरकारें इन सिद्धांतों पर नीतियां बना रही हैं।

कानून और संतुलन की आवश्यकता

हमें समझना होगा कि क्वीयर एक्टिविज्म और जेंडर फ्लुइडिटी की आड़ में नव वामपंथ मानवाधिकारों के लिए संघर्ष नहीं, बल्कि भाषा से लेकर सामाजिक मान्यताओं पर नियंत्रण हासिल करने का प्रयास कर रहा है। ट्रांसजेंडर संशोधन विधेयक पारित कर भारत सरकार ने स्पष्ट किया कि वह वास्तविक ट्रांसजेंडर समाज के हितों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, पर इसकी आड़ में समाज विरोधी एजेंडा नहीं चलने देगी।

प्रेरक प्रसंग

चिंता चिता के समान

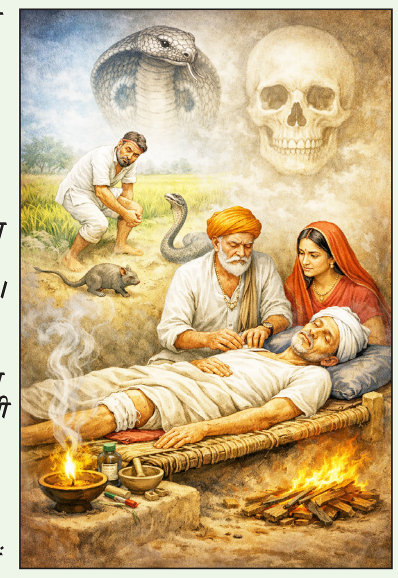

एक गांव में एक मेहनती किसान रहता था। वह रोज की तरह अपने खेतों में काम कर रहा था। खेत में काम करते समय अचानक उसके पैर में कुछ चुभा। उसने ध्यान से देखा तो पास से एक चूहा भागता नजर आया। उसी समय उसे लगा कि शायद कोई कीड़ा या छोटा जीव काट गया होगा। वास्तव में वहां एक सांप भी था, लेकिन वह जहरीला नहीं था। किसान ने इस बात को ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया और अपने काम में लग गया। कुछ ही दिनों में उसके पैर का घाव अपने आप ठीक हो गया और वह इस घटना को भूल गया। कुछ समय बाद एक दिन फिर वह किसान खेत में काम कर रहा था। इस बार सचमुच एक चूहे ने उसके पैर में काट लिया। जैसे ही उसने नीचे देखा, उसे दूर एक सांप सरकता हुआ दिखाई दिया। यह देखकर उसके मन में भय पैदा हो गया। उसने तुरंत यह मान लिया कि उसे सांप ने काट लिया है, जबकि हकीकत में उसे चूहे ने काटा था। अब किसान चिंता और डर से भर गया। उसने गांव के लोगों को बताया कि उसे सांप ने काट लिया है। लोग उसे वैद्य के पास ले गए और सांप के जहर का इलाज शुरू हुआ। लेकिन चूंकि वास्तव में उसे सांप ने काटा ही नहीं था, इसलिए इलाज का कोई असर नहीं हुआ। इसके बावजूद किसान का डर कम नहीं हुआ, बल्कि दिन-ब-दिन बढ़ता गया। चिंता ने उसे पूरी तरह घेर लिया। वह हर समय यही सोचता रहता कि उसके शरीर में जहर फैल रहा है और अब उसका बचना मुश्किल है। धीरे-धीरे उसने खाना-पीना भी छोड़ दिया। उसका शरीर कमजोर होता गया और मन भय से भर गया। कुछ ही दिनों में वह इतना कमजोर हो गया कि उसकी मृत्यु हो गई।

■ इस पूरी घटना में सबसे दुखद बात यह थी कि किसान की मौत किसी सांप के जहर से नहीं, बल्कि उसके अपने मन के डर और चिंता से हुई थी। नैतिक सीखः चिंता वास्तव में चिता के समान होती है। वह इंसान को अंदर ही अंदर खत्म कर देती है। इसलिए बिना कारण डरने या वहम पालने से बचना चाहिए, क्योंकि वहम का कोई इलाज नहीं होता।

राशिफल

मेष- दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें।

वृषभ- किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। निवेश शुभ रहेगा।

मिथुन- व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा।

कर्क- कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यय होगा। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा।

सिंह- तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा।

कन्या- यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में मनोनुकूल वृद्धि होगी।

तुला-अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

वृश्चिक- कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें। यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

धनु- किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

मकर- परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। निवेश करने का समय नहीं है।

कुंभ-जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है। सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा।

मीन-किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

अबू धाबी में ईरान का मिसाइल से हमला

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अबू धाबी में ईरानी मिसाइल हमले के मलबे की चपेट में आने से 5 भारतीयों सहित 12 लोग घायल हो गए हैं। ये हमला शुक्रवार को हुआ। यह घटना रिहायसी इलाके में हुई, जहां एक ईरानी मिसाइल को रोकने के दौरान निकले टुकड़ों से वहां रहने वाले लोग घायल हो गए। अबू धाबी मीडिया ऑफिस ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि इस घटना के परिणामस्वरूप 6 नेपाली नागरिक और 5 भारतीय नागरिकों को मामूली चोटें आई हैं। वहीं एक नेपाली नागरिक को गंभीर चोट आई है। वअए में चर्चों ने भी घोषणा की है कि चल रहे संघर्ष के कारण, सरकार के आदेश का पालन करते हुए वे रविवार को बंद रहेंगे।

5 भारतीय सहित 12 लोग घायल

ईरान की अमेरिकी टेक कंपनियों को चेतावनी

ताजा हमला, IRGC द्वारा टेलीग्राम चैनल पर दी गई चेतावनी के बाद सामने आया है। इस चेतावनी में 18 अमेरिकी टेक कंपनियों को वैध लक्ष्य घोषित किया गया था, क्योंकि उन पर ईरानी धरती पर अमेरिकी और इजरायली हमलों में कथित तौर पर शामिल होने का आरोप है।

होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी

गार्ड ने यह भी कहा कि हमले बुधवार को तेहरान के समय के अनुसार रात 8.00 बजे शुरू होंगे, और उन कंपनियों के कर्मचारियों को चेतावनी दी कि वे अपनी जान बचाने के लिए तुरंत अपने कार्यस्थल खाली कर दें। इस बढ़ते खतरे ने खाड़ी के ऊर्जा बुनियादी ढांचे और होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा को लेकर चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

पायलटों का बचाव अभियान शुरू, तेहरान बोला- जिंदा खोजो, इनाम देंगे

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

पश्चिम एशिया में चल रही जंग अब बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। खबर है कि ईरान की सीमा के भीतर अमेरिका के एक लड़ाकू विमान को निशाना बनाया गया है। इस घटना के बाद अमेरिकी सेना ने अपने लापता पायलटों और चालक दल को बचाने के लिए एक बड़ा तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। युद्ध की शुरुआत के बाद यह पहला मौका है जब ईरान के भीरत किसी अमेरिकी जेट के गिरने की पुष्टि हुई है। ईरानी मीडिया दावा कर रहा है कि उनकी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने अमेरिका के दो लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। ईरान का दावा है कि विमान का पायलट दक्षिण-पश्चिमी ईरान में पैराशूट के जरिए सुरक्षित कूद गया था, जिसे अब बंधक बना लिया गया है।

इनाम की घोषणा

हैरान करने वाली बात यह है कि ईरान के सरकारी चैनल पर एंकर ने लाइव जनता से अपील करते हुए कहा कि जो कोई भी दुश्मन के पायलट को जिंदा पकड़कर पुलिस के हवाले करेगा, उसे एक बहुत कीमती इनाम दिया जाएगा। दरअसल, सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं जिनमें कथित तौर पर अमेरिकी विमानों को इलाके में उड़ते देखा गया है। इसके अलावा ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी ने यह भी दावा किया कि मध्य तेहरान में अमेरिका का एक और अत्याधुनिक F-35 लड़ाकू विमान मार गिराया गया है। हालांकि अमेरिका की तरफ से अभी तक सिर्फ एक विमान के क्रैश होने और ऑपरेशन चलने की बात कही गई है।

बी1 ब्रिज पर अमेरिकी हमला

अमेरिकी अधिकारी ने पुष्टि की है कि अमेरिकी सेना ने ईरान की राजधानी तेहरान को पड़ोसी शहर करज से जोड़ने वाले 'इ1 ब्रिज' पर बड़ा हवाई हमला किया है। अमेरिका का कहना है कि यह हमला ईरान के हथियारों की आवाजाही वाले रास्ते को तोड़ने के मकसद से किया गया था। इन सबके बीच एक और बड़ी खबर आई कि फ्रांस के मालिकाना हक वाला एक मालवाहक जहाज होर्मुज से होकर सुरक्षित गुजर गया। इस्राइल और अमेरिका के साथ युद्ध शुरू होने के बाद ईरान ने इस समुद्री रास्ते को बंद कर दिया है।

भारत के एचडीएफसी बैंक पर दुबई सरकार के गंभीर आरोप

गलती करके 5 साल तक चुप रहा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक पर दुबई सरकार ने गंभीर आरोप लगाए हैं। दुबई वित्तीय सेवा प्राधिकरण (DFSA) ने कहा कि दुबई और बहरीन में बैंक के कर्मचारियों द्वारा ग्राहकों को गलत तरीके से क्रेडिट सुइस बॉन्ड बेचे जाने के बाद पैदा हुई समस्याओं का बैंक का मैनेजमेंट समाधान करने में पूरी तरह से नाकाम रहा। इस मामले में 6 महीने पहले डीएफएसए ने अमीरात में एचडीएफसी की शाखा के वरिष्ठ प्रबंधन को फटकार लगाई गई थी। ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, दुबई के रेगुलेटर ने पाया कि बैंक की अनुपालन टीम को अतिरिक्त टियर-1 (AT1) कार्ड की गलत बिक्री से संबंधित कमियों की जानकारी थी। इसी मामले को लेकर हाल ही में बैंक के पार्ट टाइम चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती ने बैंक के बोर्ड से इस्तीफा दिया था।

5 साल तक साधे रखी चुप्पी

दुबई नियामक की जांच में पता चला कि एचडीएफसी की शाखा ने 5 साल तक चुप्पी साधे रखी और ईमानदारी से नियमों का पालन नहीं किया। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि बैंकों के अपने नैतिक पैनल ने ग्राहकों को जोड़ने के दौरान बड़ी संख्या में नियामक उल्लंघनों का पता लगाया; डेलॉयट और क्रोल ने भी जांच की थी। फंडिंग बैंक के सीईओ के इस बयान से मेल नहीं खाती कि ये तकनीकी खामियां थीं।

लेटर में अतानु ने भी लगाए थे आरोप

अतानु चक्रवर्ती 2021 से एचडीएफसी बैंक में नॉन-एक्जीक्यूटिव चेयरमैन के तौर पर कार्यरत थे। एचडीएफसी बैंक की गवर्नेंस, नॉमिनेशन और रेमुनरेशन कमिटी के चेयरमैन को लिखे अपने लेटर में अतानु चक्रवर्ती ने कहा था कि पिछले दो सालों में उन्होंने कुछ ऐसे घटनाक्रम और आंतरिक तौर-तरीके देखे, जो उनके निजी मूल्यों और नैतिक मानकों के अनुरूप नहीं थे; और अंततः इसी वजह से उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। अब दुबई स्थित नियामक के आरोपों से अतानु चक्रवर्ती के आरोप सच साबित होते दिख रहे हैं। हालांकि, अतानु चक्रवर्ती के आरोपों को लेकर बैंक प्रबंधन सफाई दे चुका है।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

एनसीईआरटी को मिला डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) की सलाह पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT) को 'डीम्ड यूनिवर्सिटी' का दर्जा दे दिया है। इससे अब एनसीईआरटी को विश्वविद्यालय की तरह काम करने की आजादी मिलेगी, लेकिन इसके साथ कई जरूरी शर्तें भी लागू की गई हैं। एनसीईआरटी ने 2025 में सभी शर्तें पूरी करने की रिपोर्ट सरकार को दी। इसके बाद यूजीसी की विशेषज्ञ समिति ने इस रिपोर्ट की जांच की और इसे सही पाया। यूजीसी आयोग ने जनवरी 2026 में अपनी बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसके बाद केंद्र सरकार ने इसे अंतिम रूप दे दिया।

किन शर्तों के साथ मिला दर्जा?

सरकार ने एनसीईआरटी को कुछ सख्त शर्तों के साथ यह दर्जा दिया है। संस्थान अपनी संपत्ति या फंड बिना सरकार और यूजीसी की अनुमति के ट्रांसफर नहीं कर सकता। साथ ही, वह किसी भी तरह की मुनाफा कमाने वाली गतिविधि में शामिल नहीं होगा।

किन संस्थानों को शामिल किया गया?

एनसीईआरटी ने यूजीसी अधिनियम 1956 की धारा 3 के तहत डीम्ड यूनिवर्सिटी बनने के लिए आवेदन किया था। यह आवेदन यूजीसी पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड किया गया था। यूजीसी ने इस आवेदन की जांच की और 2023 में कुछ शर्तों के साथ 'लेटर ऑफ इंटेंट' (LOI) जारी किया। इसमें एनसीईआरटी को 3 साल के अंदर सभी शर्तें पूरी करने के लिए कहा गया। इस प्रस्ताव में एनसीईआरटी के 6 प्रमुख संस्थानों को शामिल किया गया है। इनमें अजमेर (राजस्थान), भोपाल (मध्य प्रदेश), भुवनेश्वर (ओडिशा), मैसूर (कर्नाटक), शिलांग (मेघालय) और भोपाल का पंडित सुंदरलाल शर्मा व्यावसायिक शिक्षा संस्थान शामिल हैं। इन सभी संस्थानों को मिलाकर एनसीईआरटी को एक विशेष श्रेणी में विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है।

पढ़ाई और कोर्स से जुड़े नियम

एनसीईआरटी को अपने सभी कोर्स यूजीसी और अन्य शिक्षा संस्थाओं के नियमों के अनुसार ही चलाने होंगे। नए कोर्स, ऑफ-कैंपस सेंटर या विदेशी कैंपस भी तय नियमों के तहत ही शुरू किए जा सकेंगे। छात्रों के एडमिशन, सीटों की संख्या और फीस से जुड़े सभी नियमों का पालन करना भी जरूरी होगा।

रिसर्च और गुणवत्ता पर जोर

एनसीईआरटी को रिसर्च, पीएचडी और नए शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देना होगा। साथ ही, उसे NAAC और NBA जैसी संस्थाओं से मान्यता लेनी होगी। संस्थान को हर साल NIRF रैंकिंग में भी भाग लेना अनिवार्य होगा, ताकि उसकी गुणवत्ता और प्रदर्शन का आकलन किया जा सके।

मतदान के दिन छुट्टी: ईसीआई का एलान

पांच राज्यों में चुनाव के दिन अवकाश के पैसे नहीं कटेंगे

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। आयोग ने कहा है कि आगामी आम चुनावों और इस महीने होने वाले उपचुनावों के लिए मतदान के दिनों में सभी कर्मचारियों को सवैतनिक अवकाश (पेड छुट्टी) का अधिकार होगा। इस फैसले का लाभ उन सभी लोगों को मिलेगा जो किसी भी व्यापार, व्यवसाय या औद्योगिक संस्थान में काम करते हैं। इसमें दिहाड़ी और अस्थायी कर्मचारी भी शामिल हैं। चुनाव आयोग ने अपनी प्रेस नोट में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135बी का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी संस्थान में काम करने वाला व्यक्ति जो लोकसभा या विधानसभा चुनाव में वोट देने का अधिकार रखता है उसे मतदान के दिन छुट्टी दी जाएगी। इस छुट्टी के बदले कर्मचारी के वेतन में किसी भी तरह की कटौती नहीं की जा सकती। चुनाव आयोग का यह आदेश असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों पर लागू होगा। इसके अलावा छह राज्यों गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नागालैंड और त्रिपुरा की आठ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों के लिए भी यही नियम रहेगा। आयोग ने साफ किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं पर जुर्माना लगाया जाएगा।

कहां कब-कब है वोटिंग?

मतदान की तारीखों की बात करें तो असम, केरल, पुडुचेरी, गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा में 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र में 23 अप्रैल को मतदान होगा। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। इन सभी राज्यों में चुनावों के नतीजे 4 मई 2026 को घोषित किए जाएंगे। आयोग ने उन कर्मचारियों के लिए भी स्थिति स्पष्ट की है जो अपने चुनाव क्षेत्र से बाहर काम करते हैं। अगर कोई कर्मचारी किसी ऐसे औद्योगिक या व्यावसायिक संस्थान में काम कर रहा है जो उसके निर्वाचन क्षेत्र से बाहर है तो उसे भी वोट डालने के लिए पेड हॉलिडे मिलेगा। शर्त केवल यह है कि वह उस निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता के रूप में पंजीकृत होना चाहिए। चुनाव आयोग ने सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन करने का आदेश दिया है। संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश जारी कर दिए गए हैं ताकि सभी मतदाता बिना किसी असुविधा के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

सीएम ममता ने भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

मालदा में हाल ही में हुई घटना एक सोची समझी साजिश थी

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल गरमाता जा रहा है। इसी बीच शुक्रवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। ममता बनर्जी ने कहा कि मालदा में हाल ही में हुई घटना एक सुनियोजित साजिश थी, जिसका उद्देश्य राज्य में अशांति फैलाना था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके लिए बाहर से लोगों को बुलाया गया था।

घटना की जांच सीआईडी कर रही

हाजरीपाड़ा मैदान में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया, मालदा की घटना की जांच सीआईडी कर रही है। लोगों को मुंबई से लाया गया था और पूरी योजना पहले से तैयार की गई थी। जहां एनआईए उन्हें पकड़ने में नाकाम रही, वहीं हमारी सीआईडी ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, यह घटना उस समय हुई जब बड़ी संख्या में लोग चुनावी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि करीब 1.20 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं या हटाने की प्रक्रिया में हैं। भाजपा इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बीजेपी इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा किए गए बड़े पैमाने पर प्रशासनिक तबादलों पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि 506 अधिकारियों के ट्रांसफर में से 483 केवल बंगाल से हैं, जिसमें डीजीपी और मुख्य सचिव जैसे अहम पद भी शामिल हैं।

महिलाओं से क्या अपील की?

ममता बनर्जी ने मतदाताओं, खासकर महिलाओं से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि मतदान के दिन झाड़ू लेकर निकलें और वोट के जरिए जवाब दें। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों, खासकर सीआरपीएफ, का इस्तेमाल बीजेपी के पक्ष में किया जा सकता है।

एनआईए ने मामले की प्रारंभिक जांच शुरू की

इस बीच, राज्य सीआईडी ने बागडोगरा एयरपोर्ट से वकील और पूर्व AIMIM उम्मीदवार मोफक्कारुल इस्लाम को गिरफ्तार किया है, जिसे इस साजिश का मुख्य आरोपी बताया जा रहा है। वहीं, चुनाव आयुक्त के निर्देश और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एनआईए ने इस मामले में प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस घटना को न्यायिक अधिकारियों को डराने और उनके काम में बाधा डालने की सोची-समझी कोशिश बताया है और केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने को कहा है। बताया जा रहा है कि एनआईए की टीम जल्द ही मालदा पहुंचकर जांच शुरू करेगी। स्थानीय पुलिस अब तक इस मामले में 20 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें आईएसएफ उम्मीदवार मौलाना शाहजहां अली भी शामिल हैं। गौरतलब है कि 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होगा, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। 2021 के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 213 सीटों के साथ बड़ी जीत दर्ज की थी, जबकि बीजेपी को 77 सीटें मिली थीं। कांग्रेस और वाम दल खाता भी नहीं खोल पाए थे।

दिल्ली के बाहरी इलाके में नकली टूथपेस्ट बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़, मालिक गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने बाहरी दिल्ली के कंझावला इलाके में नकली टूथपेस्ट बनाने वाली एक फैक्टरी का भंडाफोड़ किया और उसके मालिक को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक सूचना के आधार पर एक टीम ने बृहस्पतिवार को महावीर विहार स्थित एक गोदाम पर छापा मारा और बड़ी मात्रा में नकली टूथपेस्ट, खाली ट्यूब, पैकेजिंग सामग्री, मशीनें, ब्रांड नाम लिखे टेप, गोंद, हीटिंग गन और कच्चा माल जब्त किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि जब्त किए गए सामान की कीमत कई लाख रुपए है और अस्वच्छ निर्माण स्थितियों के कारण इससे स्वास्थ्य को गंभीर खतरा था। अधिकारी ने कहा कि अभियान के दौरान, छह मजदूरों को स्थानीय स्तर पर तैयार किया गया पेस्ट एक प्रतिष्ठित टूथपेस्ट ब्रांड की ट्यूब में भरते हुए देखा गया। मजदूरों ने पुलिस को बताया कि यह इकाई रोहिणी निवासी हरि ओम मिश्रा द्वारा चलाई जा रही थी। उन्होंने कहा कि 58 वर्षीय मिश्रा को बिना लाइसेंस, बिल या वैध दस्तावेजों के किराए के परिसर से इकाई संचालित करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

यूपी के 8 जिलों के 20 लाख जनधन खातों में एक पैसा नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के 8 जिलों में खोले गए 20 लाख जनधन खातों में एक भी पैसा नहीं है। इनमें चार जिले पूर्वांचल और चार पश्चिमी यूपी के हैं। इनमें महिलाओं के खाते पुरुषों से ज्यादा हैं। ये खाते बैंकों के लिए बोझ बन गए हैं क्योंकि इन्हें सक्रिय रखने के लिए बैंकों को सालाना 700 करोड़ रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं। वहीं, बैंकों ने शून्य बैलेंस वाले इन खातों को मनी म्यूल अकाउंट के रूप में संदिग्ध श्रेणी में डाल दिया है।

■ बैंकों की ओर से राज्य सरकार को भेजी गई जनधन खातों की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि यूपी में कुल जनधन खातों की संख्या 10.22 करोड़ है। वहीं, देश में 57.58 करोड़ खाते हैं। इस लिहाज से यूपी की हिस्सेदारी करीब 18% है, जो देश में सर्वाधिक है। इनमें 53% महिला खाताधारक हैं और इनमें 58 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा रकम जमा है। पूर्वांचल और पश्चिमांचल के आठ जिलों में 1.60 करोड़ से ज्यादा जनधन खाते हैं। इन्हीं में 20 लाख खातों का बैलेंस शून्य है। शेष खातों में करीब 7800 करोड़ रुपए जमा हैं।

सालाना खर्च हो रहे 700 करोड़: एक जनधन खाते को सक्रिय और व्यवस्थित रखने के लिए बैंकों को हर साल लगभग 3500 रुपए तक का खर्च उठाना पड़ता है। इस खर्च में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, कर्मचारियों का वेतन और शाखा का रखरखाव शामिल है। इस तरह अकेले इन 8 जिलों के खाली खातों को मेनटेन रखने में ही बैंकों को हर साल 700 करोड़ रुपए का बोझ उठाना पड़ रहा है।

मनी म्यूल अकाउंट: बैंक खाली या निष्क्रिय जनधन खातों को मनी म्यूल के रूप में संदिग्ध इसलिए मानते हैं क्योंकि इनका उपयोग अपराधियों द्वारा अवैध धन को सफेद करने या साइबर ठगी के पैसे को घुमाने के लिए किया जा सकता है। जब लंबे समय से खाली पड़े खाते में अचानक बड़ी रकम आती है और उसे तुरंत निकाल लिया जाता है तो बैंक इसे संदिग्ध गतिविधि मानता है। ऐसे खातों में अक्सर अपडेटेड केवाईसी नहीं होता जिसका फायदा उठाकर साइबर अपराधियों द्वारा फर्जी दस्तावेजों के जरिए इनके संचालन की आशंका रहती है।

हिंदमाता एंकर: केंद्र सरकार ने विभिन्न कानूनों में मौजूद कई आपराधिक प्रावधानों को खत्म कर उन्हें सरल और तर्कसंगत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है...

जन विश्वास बिल: कानून बनते ही 1000+ कृत्य अपराध के दायरे से बाहर होंगे, नागरिकों के जीवन को आसान बनाने पर जोर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) विधेयक को अभूतपूर्व सुधार बताते हुए कहा कि इस पैमाने पर बदलाव का उदाहरण न तो भारत में पहले देखा गया है और न ही दुनिया में कहीं और। उन्होंने बताया कि एक साथ 79 संसदीय अधिनियमों के करीब 1,000 प्रावधानों में संशोधन किया गया है, जिनमें आजादी के पहले के छह कानून भी शामिल हैं।

विधेयक संसद से हुआ पारित

संसद ने गुरुवार को जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) विधेयक, 2026 को पारित कर दिया। इस विधेयक के जरिए केंद्र सरकार ने विभिन्न कानूनों में मौजूद कई आपराधिक प्रावधानों को खत्म कर उन्हें सरल और तर्कसंगत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसका उद्देश्य कारोबार सुगमता और आम लोगों के जीवन को आसान बनाना है। यह विधेयक पहले लाए गए जन विश्वास विधेयक, 2025 का विस्तारित रूप है। शुरुआत में इसमें 17 कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव था, लेकिन सेलेक्ट कमेटी की सिफारिशों के बाद इसका दायरा काफी बढ़ा दिया गया।

जन विश्वास बिल 2026: अपराध-मुक्ति के प्रमुख प्रावधान

छोटे उल्लंघनों पर राहत: मामूली या तकनीकी गलतियों के लिए अब जेल की सजा नहीं होगी। ऐसे मामलों को आपराधिक अपराध के बजाय प्रशासनिक उल्लंघन माना जाएगा।

सार्वजनिक स्थानों से जुड़े नियम: मेट्रो में धूम्रपान, सड़क संकेतों को नुकसान पहुंचाना या सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने जैसे मामलों में एफआईआर दर्ज करने के बजाय जुर्माना लगाया जाएगा।

व्यापार और अनुपालन में सुधार: ड्रग्स और कॉस्मेटिक कानून के तहत कुछ मानकों के उल्लंघन पर पहले जहां जेल का प्रावधान था, अब उसकी जगह एक लाख रुपए तक का आर्थिक दंड लगाया जाएगा।

परिवहन नियमों में बदलाव: बिना बीमा के वाहन चलाने जैसे मामलों में भी कई स्थितियों में जेल के बजाय जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

श्रम कानूनों में नरमी: एप्रेंटिस एक्ट, 1961 के तहत पहले या दूसरे उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जगह केवल चेतावनी या सलाह दी जाएगी।

सजा से ज्यादा भरोसा: इस बिल का मूल उद्देश्य दंडात्मक व्यवस्था से हटकर भरोसे पर आधारित शासन को बढ़ावा देना है, जिससे व्यवसाय करने में आसानी हो और अदालतों पर अनावश्यक बोझ भी कम हो।

जेल की सजा की जगह जुर्माना

विधेयक की प्रमुख विशेषता यह है कि कई छोटे अपराधों में जेल की सजा को हटाकर मौद्रिक दंड (पेनल्टी) का प्रावधान किया गया है। सरकार पहले ही 183 प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर चुकी है। नए कानून के तहत मामूली उल्लंघनों पर चेतावनी, सुधार नोटिस या जुर्माना लगाया जाएगा, जिससे अदालतों पर बोझ भी कम होगा। गोयल ने बताया कि देश में ऐसे प्रावधानों के तहत पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं, जिनमें अधिकांश मामूली उल्लंघन से जुड़े हैं। अब अधिकारियों को सीधे पेनल्टी लगाने का अधिकार मिलेगा, जिससे लंबी न्यायिक प्रक्रिया से बचा जा सकेगा। विधेयक में चरणबद्ध कार्रवाई (ग्रेडेड एनफोर्समेंट) का प्रावधान है पहले सलाह, फिर चेतावनी और दोहराव पर बढ़ती पेनल्टी। हालांकि, गंभीर अपराधों को इसमें शामिल नहीं किया गया है और उनके लिए कड़े प्रावधान पहले जैसे ही रहेंगे।

यह अमृतकाल नहीं, सनातनियों का संकटकाल है - अखिलेश यादव

दादरी रैली से सरकार के होश उड़े

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार और केंद्र की नीतियों पर जमकर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को 'सौदागर' करार देते हुए आरोप लगाया कि वे मुनाफे के लिए देश की बुनियादी संपत्तियों को बेच रहे हैं। उन्होंने दादरी रैली के बाद सरकार के 'होश उड़ने' का दावा किया और कहा कि वर्तमान समय अमृतकाल नहीं बल्कि सनातनियों के लिए संकटकाल है। सपा अध्यक्ष ने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को एकजुट कर बूथ स्तर पर काम करने और आगामी चुनाव में भाजपा को हराकर समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प दोहराया।

बदहाल स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था

अखिलेश यादव ने प्रदेश की स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग वेंटिलेटर पर है और इंसानों के लिए जानवरों वाले इंजेक्शन खरीदे जा रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में प्राइमरी से लेकर इंटरमीडिएट तक के स्कूलों को बर्बाद कर दिया गया है। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार ने जापान देखने के बाद भी अपनी आंखें बंद कर ली हैं और प्रदेश में कानून-व्यवस्था की सरेआम हत्या हो रही है।

भ्रष्टाचार और 'बर्बादी कॉरिडोर'

लखनऊ के ग्रीन कॉरिडोर को अखिलेश ने 'बर्बादी कॉरिडोर' करार देते हुए इसके डिजाइन को गलत बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा तैयार किए गए इस गलत डिजाइन की वजह से जनता जाम से जूझ रही है। भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने दावा किया कि बीजेपी सरकार में किसानों की जरूरत की चीजें महंगी हो गई हैं और उन्हें जमीन का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। उन्होंने जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन को भी सरकारी संपत्तियों को बेचने की एक कड़ी बताया।

चुनावी रणनीति और अधिकारियों पर सवाल

चुनाव आयोग की भूमिका पर बात करते हुए अखिलेश ने अधिकारियों के तबादलों और पक्षपात पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की तरह यूपी में भी चुनाव से पहले निष्पक्षता होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी सरकार के दबाव में गलत काम कर रहे हैं, लेकिन अब वे भी परेशान हैं। अखिलेश ने दावा किया कि अगले चुनाव में अन्य प्रदेशों से भाजपा की 'बटालियन' आएगी, लेकिन जनता और पीडीए मिलकर उन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएंगे।

पाकिस्तान से आईं सीमा हैदर के घर हुआ नामकरण संस्कार, बेटे का नाम रखा 'भारत'

वकील एपी सिंह बने 'मामा'

हिंदमाता नेटवर्क @ ग्रेटर नोएडा

ग्रेटर नोएडा में रहने वाली पाकिस्तान से आई सीमा हैदर एक बार फिर चर्चा में हैं। उन्होंने अपने बेटे (छठे बच्चे की) का नामकरण समारोह आयोजित कर उसका नाम 'भारत' रखा है। यह कार्यक्रम ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा इलाके में हुआ, जहां परिवार और गांव के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। नामकरण समारोह की तस्वीरें और बयान सामने आने के बाद यह कार्यक्रम चर्चा का विषय बन गया है। नामकरण के मौके पर सीमा हैदर ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उन्हें हिंदू धर्म बेहद सुंदर लगता है और इसे अपनाकर वह बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि वह अब हिंदू हैं। सीमा ने बताया कि नामकरण संस्कार के दौरान पंडित ने बच्चे के नाम के लिए 'भ' अक्षर सुझाया था, जिसके बाद परिवार ने विचार-विमर्श कर बेटे का नाम 'भारत' तय किया।उन्होंने कहा कि भारत से सुंदर नाम कोई हो ही नहीं सकता क्योंकि यह देश की पहचान है और उन्हें इस नाम पर गर्व है। सीमा ने यह भी कहा कि उन्हें क्रिकेट मैचों में भारत की जीत देखना बहुत अच्छा लगता है और जब भी भारत का मैच होता है तो वह भगवान से भारत की जीत की प्रार्थना करती हैं।

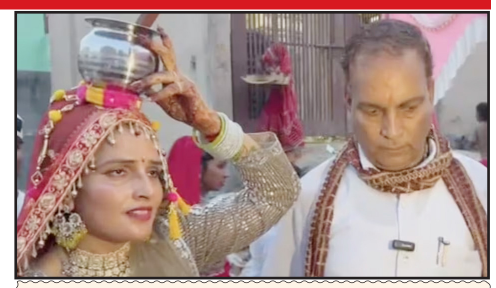

भारत में रहने की इच्छा दोहराई

सीमा हैदर ने साफ तौर पर कहा कि वह भारत में ही रहना चाहती हैं और पाकिस्तान वापस नहीं जाना चाहतीं। उन्होंने कहा कि भारत में उन्हें बहुत प्यार मिला है और यहां के लोगों ने उन्हें अपनाया है। उनके मुताबिक, यहां रहकर उन्हें अच्छा लगता है और अपने फैसले पर उन्हें कोई पछतावा नहीं है। नामकरण समारोह में सीमा के वकील और मुंह बोले भाई ए।के। सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने बच्चों के मामा की भूमिका निभाते हुए सभी रस्में पूरी कराईं। इस दौरान गांव के कई लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए और माता-पिता व बच्चे को आशीर्वाद दिया।

बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता

समारोह के बाद सीमा हैदर ने कहा कि वह अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने बताया कि वह अब और बच्चे नहीं चाहतीं और फिलहाल बच्चों की पढ़ाई और परवरिश पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं। रबूपुरा में आयोजित यह नामकरण कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ, जिसमें परिवार और स्थानीय लोगों की मौजूदगी ने इसे खास बना दिया। बेटे का नाम 'भारत' रखने को लेकर यह कार्यक्रम अब व्यापक चर्चा में है।

मार्च 2025 में हुआ था सीमा-सचिन का पहला बच्चा

बता दें कि मार्च 2025 को सीमा हैदर पहली बार सचिन के बच्चे की मां बनी थीं। यह सीमा की पांचवीं संतान थी, लेकिन सचिन मीना के साथ यह उनकी पहली संतान थी। 28 मार्च 2025 को जन्म के कुछ ही दिनों बाद, सीमा और सचिन ने एक वीडियो के माध्यम से अपनी बेटी का नाम बताया था। वीडियो में सीमा ने बताया था कि उनकी बेटी का जन्म सुबह 3:55 बजे हुआ था और उन्होंने भगवान कृष्ण के प्रति अपनी भक्ति के लिए प्रसिद्ध मीराबाई से प्रेरित होकर उसका नाम मीरा रखा। वहीं, सीमा हैदर अब अपने बेटे (छठे बच्चे की) का नाम 'भारत' रखा है।

LPG संकट से कानपुर में 1250 फैक्ट्रियां बंद

ब्लैक सिलेंडर से चल रहा काम

हिंदमाता नेटवर्क @ कानपुर

कानपुर के औद्योगिक इलाकों में इन दिनों सन्नाटा छाया हुआ है और इसकी बड़ी वजह है कमर्शियल LPG गैस की भारी किल्लत। शहर की फैक्ट्रियों के लिए गैस की सप्लाई क्या रुकी, मानो काम-धंधे की रफ्तार ही थम गई। आजतक से बातचीत में इंडस्ट्रियल कोऑपरेटिव एस्टेट के अध्यक्ष विजय कपूर ने बताया कि हालात इतने खराब हो चुके हैं कि कानपुर की करीब 1250 फैक्ट्रियों में काम बंद हो गया है। गैस कटिंग और गैस पर चलने वाली मशीनों के भरोसे चलने वाले कारखाने इस मुसीबत की सबसे ज्यादा मार झेल रहे हैं। अगर आंकड़ों को देखें तो स्थिति काफी गंभीर है। करीब 500 से ज्यादा लोहा और स्टील कटिंग यूनिट्स पर ताला लटक चुका है। वहीं, प्लास्टिक इंडस्ट्री का काम भी 70% तक गिर गया है। साबुन और डिटर्जेंट बनाने वाली लगभग 250 फैक्ट्रियां भी बंद पड़ी हैं। कुल मिलाकर कानपुर का आधा उद्योग इस समय बर्बादी की कगार पर है। जो फैक्ट्रियां किसी तरह चल भी रही हैं, वहां मालिक मजबूरी में तीन गुना दाम देकर ब्लैक में सिलेंडर खरीद रहे हैं ताकि किसी तरह थोड़े-बहुत ऑर्डर्स पूरे किए जा सकें।

दोहरी मार झेल रहा कानपुर

इस संकट का सबसे बुरा असर उन मजदूरों पर पड़ा है, जिनकी रोजी-रोटी इन फैक्ट्रियों से चलती थी। काम बंद होने से हजारों मजदूरों के सामने दाने-दाने का संकट खड़ा हो गया है। हालात ये हैं कि कई मजदूरों के घरों में खाना बनाने तक के लिए गैस सिलेंडर नहीं बचा है। भूख और बेरोजगारी से तंग आकर बड़ी संख्या में मजदूर अब अपने गांवों की ओर लौटने लगे हैं, जिससे आने वाले समय में काम करने वालों की भारी कमी होने का डर सता रहा है। हैरानी की बात यह है कि जब उद्योगपति इस मुसीबत से निकलने का रास्ता ढूंढ रहे हैं, तब सरकार की तरफ से उन्हें कोई खास राहत नहीं मिली। व्यापारियों का आरोप है कि एक तरफ धंधा चौपट है और दूसरी तरफ मार्च क्लोजिंग के नाम पर टैक्स वसूली के नोटिस भेजे जा रहे हैं। कारोबारियों ने सरकार से गुहार लगाई थी कि टैक्स भरने के लिए कम से कम एक-दो महीने की मोहलत दी जाए, लेकिन इस पर कोई सुनवाई नहीं हुई। व्यापारियों का मानना है कि इतने बड़े संकट के समय सरकार को थोड़ा नरम रुख अपनाना चाहिए था ताकि न सिर्फ व्यापार बचता, बल्कि हजारों परिवारों का चूल्हा भी जलता रहता।

मैनपुरी में शादी से लौटते समय गाड़ी ने मारी टक्कर, तीन लोगों की मौत

रात भर शवों के ऊपर गुजरते रहे वाहन

हिंदमाता नेटवर्क @ मैनपुरी

मैनपुरी शादी के कार्यक्रम से लौट रहा परिवार हादसे का शिकार हो गया। किशनी थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक अज्ञात वाहन की टक्कर से परिवार के दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान 34 वर्षीय मोहम्मद वसीम और 50 वर्षीय सत्तार के रूप में हुई है। दोनों कन्नौज के छिबरामऊ निवासी थे। घायल व्यक्ति 35 वर्षीय आफताब छिबरामऊ के गिरीश गंज का रहने वाला है। ये सभी किशनी के जटपुरा में इदरीश की बेटी की शादी में शामिल होने के बाद वापस लौट रहे थे। रात करीब 10:30 बजे वे किशनी नगर से लगभग दो किलोमीटर दूर पॉलिटेक्निक कॉलेज के सामने पहुंचे थे, तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। भीषण टक्कर से वसीम और सत्तार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद टक्कर मारने वाला वाहन चालक बेवर की तरफ फरार हो गया। दुर्घटना के बाद पॉलिटेक्निक कॉलेज के चौकीदार और ग्रामीण तेज आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने डायल 112 को सूचना दी। गांव के लोगों ने टॉर्च दिखाकर अन्य वाहनों को निकालने का प्रयास किया, लेकिन

सड़क के बीच और सुनसान जगह होने के कारण कुछ वाहन शवों को कुचलते हुए निकल गए, जिससे शव क्षत-विक्षत हो गए। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष छत्रपाल सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लिया और घायल आफताब उर्फ छोटे को तत्काल सीएचसी पहुंचाया। आफताब की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे सैफई स्थित मिनी पीजीआई रेफर कर दिया।

अफ्रीकन महिला से 2.5 करोड़ में डील

कानपुर किडनी कांड में खुलासा

हिंदमाता नेटवर्क @ कानपुर

उत्तर प्रदेश के कानपुर में उजागर हुए किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट को लेकर हर दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं। गुरुवार को पुलिस ने किडनी कांड से जुड़े दो ओटी तकनीशियन को पकड़ा है। पूछताछ में तकनीशियनों ने जो खुलासे किए हैं, उसने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की नींद उड़ा दी है। इस रैकेट का मास्टरमाइंड नोएडा का डॉ रोहित बताया जा रहा है, जिसने पूरे भारत और विदेशों तक अपना जाल बिछा रखा था। पुलिस की पूछताछ में यह तथ्य सामने आया है कि इस गिरोह का नेटवर्क इतना हाई-टेक था कि दिल्ली से यूरोलॉजिस्ट और विशेषज्ञ डॉक्टर फ्लाइट से कानपुर आते थे। ट्रांसप्लांट के बाद वे उसी रात वापस लौट जाते थे। पकड़े गए तकनीशियनों ने स्वीकार किया कि उन्हें हर केस के लिए 35 से 50 हजार रुपए तक दिए जाते थे।

साउथ अफ्रीका की महिला का ढाई करोड़ में ट्रांसप्लांट

गिरोह का ऑपरेशन स्टाइल किसी 'सीक्रेट मिशन' जैसा था, जहां डोनर और रिसीवर को एक-दूसरे की जानकारी तक नहीं होती थी। जांच में सबसे चौंकाने वाला खुलासा साउथ अफ्रीका की महिला 'अरेबिका' को लेकर हुआ है। इस महिला का भी किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था और इसके लिए बताया जा रहा है कि तकरीबन ढाई करोड़ रुपए लिए गए थे। डीसीपी कासिम आबिदी के अनुसार, इस गैंग ने न केवल स्थानीय लोगों, बल्कि विदेशी मरीजों का भी अवैध रूप से ट्रांसप्लांट किया था। गिरोह ने दिल्ली, नोएडा, मेरठ, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और मुंबई जैसे राज्यों में अस्पतालों का एक मजबूत पैनल बना रखा था। अभी तक कि जानकारी के अनुसार नोएडा का डॉ। रोहित हर शहर में अपने खास एजेंटों के जरिए काम करता था।

डॉक्टरों की लिस्ट तैयार कर रही पुलिस

कानपुर पुलिस अब उन अस्पतालों और डॉक्टरों की सूची तैयार कर रही है जो इस सिंडिकेट का हिस्सा थे। जल्द ही कई रसूखदार नामों पर शिकंजा कस सकता है। शिवम अग्रवाल कानपुर के कल्याणपुर क्षेत्र के गोवा गार्डन में एक मकान में किराए पर रहता था। स्थानीय लोग शिवम को डॉक्टर डॉक्टर साहब कहते थे। शिवम जालौन का निवासी है, वह कानपुर में 15 साल पहले आया और ड्राइवरी सीखी। साथ ही नर्सिंग होम की एंबुलेंस चलानी शुरू की। वह अमीर बनने के लालच में उसे किडनी रैकेट से जोड़ दिया। हाल ही में इस किडनी रैकेट का शिकार बिहार का रहने वाला एक युवक आयुष बना है। आयुष एमबीए का छात्र है। उसकी फीस नहीं जमा हो पा रही थी, इसलिए उसने एक किडनी बेचने का फैसला किया। हालांकि, उसे डील से कई गुना कम रकम 6 लाख रुपये ही मिले। इसके बाद उसने पुलिस में शिकायत की और इस गिरोह के कारनामों का खुलासा हुआ।

डॉक्टर ने केबिन में बुलाया, जांच के बहाने कपड़े उतरवाए

प्रयागराज के मशहूर न्यूरोसर्जन पर युवती ने लगाया 'बैड टच' का आरोप

हिंदमाता नेटवर्क @ प्रयागराज

प्रयागराज के सिविल लाइंस इलाके में स्थित क्लाइव रोड पर न्यूरोसर्जन डॉक्टर कार्तिकेय शर्मा के क्लीनिक में एक युवती ने 'बैड टच' का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। युवती अपने भाई के साथ इलाज के लिए आई थी और उसने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने कमरा बंद कर उसके कपड़े उतरवाए और गलत तरीके से छुआ। युवती की इस शिकायत पर सिविल लाइंस थाना पुलिस ने डॉक्टर के खिलाफ बीएनएस की धारा 74, 76 और 127(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी है। डॉक्टर ने हंगामे के दौरान खुद को कमरे में बंद कर लिया था और पुलिस को सूचना दी थी।

युवती के गंभीर आरोप और हंगामा

युवती ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि जब वह डॉक्टर के पास केबिन में गई, तो उन्होंने अन्य मरीजों को बाहर कर दिया। आरोप है कि इसके बाद डॉक्टर ने कमरा बंद कर लिया और जांच के बहाने उसके कपड़े उतरवाकर 'बैड टच' किया। इस घटना के बाद युवती ने क्लीनिक में ही शोर मचाना शुरू कर दिया, जिससे वहां मौजूद लोगों के बीच हड़कंप मच गया।

डॉक्टर ने आरोपों को बताया झूठा

दूसरी ओर, डॉक्टर कार्तिकेय शर्मा ने खुद पर लगे आरोपों को पूरी तरह गलत बताया है। डॉक्टर के मुताबिक, युवती पिछले तीन-चार महीनों से उनके पास माइग्रेन का इलाज करा रही है। उन्होंने बताया कि युवती मानसिक रूप से कमजोर है और उसका इलाज मनोचिकित्सक के पास भी चल रहा है। डॉक्टर के अनुसार, वह डिप्रेशन की शिकार है और उसका स्वभाव काफी आक्रामक है।

सीसीटीवी और जांच पर टिकी नजर

डॉक्टर का दावा है कि उन्होंने युवती का केवल एक से डेढ़ मिनट तक चेकअप किया था, जिसके बाद वह चली गई थी। कुछ देर बाद वह कुछ लोगों के साथ लौटी और बेबुनियाद आरोप लगाने लगी। मामला हाई प्रोफाइल होने के कारण पुलिस हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है।पुलिस क्लीनिक के साक्ष्यों और बयानों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

रील बनाने के चक्कर में लगाई थी नदी में छलांग, डूबकर मौत

चार दोस्तों के शव बरामद, पांचवे ने ऐसे बचाई जान

हिंदमाता नेटवर्क @ गोरखपुर

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। बुधवार को राप्ती नदी के मिर्जापुर घाट पर रील बनाने और नहाने के दौरान डूबे चारों दोस्तों के शव पुलिस ने बरामद कर लिए हैं। शुक्रवार की सुबह नदी में तीन किशोरों के शव उतराते मिले, जिसके बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया। इंस्टाग्राम रील के चक्कर में अपनी जान गंवाने वाले इन बच्चों की उम्र महज 13 से 15 वर्ष के बीच थी। घटना बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे की है। रानीडीहा और आसपास के रहने वाले पांच दोस्त, अमन उर्फ बीरू (15), विवेक निषाद (15), गगन पासवान (15), अनिकेत यादव (13) और उनका एक साथी राजकरन उर्फ टाइमपास अपनी साइकिलों से स्टंट करते हुए और वीडियो बनाते हुए मिर्जापुर घाट पहुंचे थे। घाट पर पहुंचने के बाद इन सभी का मन नदी में नहाने और पानी के बीच रील बनाने का हुआ। मस्ती के आलम में ये पांचों दोस्त नदी के गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। इस बीच राजकरन उर्फ टाइमपास ने किसी तरह हिम्मत जुटाई और तैरकर अपनी जान बचाई।

NDRF और SDRF का 48 घंटे चला सर्च ऑपरेशन

राजकरन ने बाहर निकलकर तुरंत अपने साथियों के परिजनों और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को घाट पर चार साइकिलें, बच्चों के कपड़े और मोबाइल फोन बरामद हुए। प्रशासन ने तत्काल NDRF और SDRF की टीमों को सर्च ऑपरेशन में लगा दिया। बुधवार रात को अंधेरा होने तक कोई सफलता नहीं मिली। गुरुवार शाम को घटना स्थल से करीब 100 मीटर की दूरी पर विवेक निषाद का शव बरामद हुआ। फिर शुक्रवार सुबह राप्ती नदी की लहरों पर बाकी तीनों किशोरों (अमन, गगन और अनिकेत) के शव उतराते हुए दिखे।

परिजनों की चीख-पुकार से नम हुईं सबकी आंखें

शुक्रवार सुबह जैसे ही तीनों शवों को गोताखोरों की मदद से बाहर निकाला गया, घाट पर मौजूद सैकड़ों ग्रामीणों और परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। अपने कलेजे के टुकड़ों के बेजान शरीर देख माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल था।

हिंदमाता एंकर: ठग लगातार स्टूडेंट को गाइड करते रहे और ज्यादा मुनाफे का लालच देते रहे। इसी भरोसे में आकर उसने 5 मार्च से 12 मार्च के बीच की किस्तों में करीब 91.5 लाख रुपए निवेश कर दिए

नोएडा में एमबीए स्टूडेंट से 91 लाख की ठगी, निवेश के नाम पर फंसाया; फर्जी ऐप से दिखाया मुनाफा

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

नोएडा में साइबर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां एक एमबीए स्टूडेंट को निवेश के नाम 91 लाख रुपये का चूना लगा दिया। ठगों ने पहले फर्जी ऐप के जरिए मुनाफा दिखाकर भरोसा जीता और फिर कैपिटल गेन टैक्स के नाम पर उसे जाल में फंसा लिया। जब पीड़ित स्टूडेंट ने अपनी रकम गंवाई तब जाकर उसे ठगी के बारे में जानकारी हुई, लेकिन तबतक देर हो चुकी थी। पीड़ित छात्रा ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाला एमबीए छात्र अपने घर से ही पढ़ाई और काम कर रहा था। मार्च के महीने में उसके मोबाइल पर एक लिंक आया जिसमें एक निवेश ऐप डाउनलोड करने के लिए कहा गया। शुरुआत में छात्र को यह एक सामान्य निवेश का मौका लगा, जैसी उसने ऐप डाउनलोड किया। कुछ लोगों ने उससे संपर्क किया और खुद को एक नामी कंपनी का प्रतिनिधि बताया।

स्टूडेंट को ठगों ने कैसे फंसाया?

उन्होंने दावा किया कि उनकी कंपनी शेयर बाजार और आईपीओ ट्रेडिंग में काम करती है, जो की रजिस्टर्ड कंपनी है। ठगों ने पहले स्टूडेंट से छोटी रकम निवेश कराई, उसने करीब 50 हजार लगवाए। कुछ ही समय में ऐप पर उसे अच्छा मुनाफा दिखाया गया। यही वह चाल थी, जिसमें ठगों ने उसका भरोसा जीत लिया। ऐप पर बढ़ता हुआ बैलेंस देखकर छात्र को लगा कि वह सही जगह निवेश कर रहा है। इसके बाद उसने बड़ी रकम लगाने का फैसला कर लिया। ठग लगातार स्टूडेंट को गाइड करते रहे और ज्यादा मुनाफे का लालच देते रहे। इसी भरोसे में आकर उसने 5 मार्च से 12 मार्च के बीच की किस्तों में करीब 91.5 लाख रुपए निवेश कर दिए। ऐप पर उसे लगातार मुनाफा दिखाया जाता रहा, जिससे उसका विश्वास और मजबूत हो गया। जब छात्रा ने अपना पैसा निकालने की कोशिश की तो उससे पहले कहा गया की रकम एक दिन में खाते में आ जाएगी। लेकिन बाद में उसे बताया गया कि पैसे निकालने के लिए कैपिटल गैन टैक्स देना होगा।

91 लाख रुपए की ठगी

30 मार्च को एक महिला ने उससे संपर्क कर 5.75 लाख रुपए टैक्स के नाम पर जमा करने को कहा। इसी से छात्र को शक हुआ कि कुछ गड़बड़ है। छात्र ने जब टैक्स से जुड़े लिंक की जानकारी की तो पता चला कि यह किसी फर्जी संस्थान से जुड़ा हुआ है, तभी उसे एहसास हुआ कि वह साइबर ठगी का शिकार हो चुका है। लेकिन तब तक वह 91.5 लाख रुपए से ज्यादा गंवा चुका था।

जांच में जुटी पुलिस

घटना के बाद स्टूडेंट ने साइबर क्राइम पोर्टल और थाने में शिकायत दर्ज कराई। डीसीपी साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने कहा कि जिन खातों में पैसे ट्रांसफर किए गए हैं। उनकी जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि गैंग के पीछे कौन लोग हैं? उनका नेटवर्क कितना बड़ा है। साइबर टीम लगातार ऐसे लोगों पर अपना निशाना बनाए हुए लेकिन फिर भी लोगों से अपील है कि वह किसी भी तरह के मोटे मुनाफे या लालच में आने से पहले उसकी पूरी तरह से जांच कर लें। किसी भी एसएमएस लिंक या एपीके फाइल को डाउनलोड ना करें। अगर कोई फिर भी बार-बार परेशान कर रहा है तो उसकी शिकायत साइबर पोर्टल 1930 पर करें।

शॉर्ट स्टोरी

बिहार के मोतिहारी में जहरीली शराब से 4 की मौत, 3 के आंखों की रोशनी गई

हिंदमाता नेटवर्क @ मोतिहारी

बिहार के मोतिहारी जिले के रघुनाथपुर थाना अंतर्गत बालगंगा गांव में कथित रूप से जहरीली शराब पीने से चंदू नामक एक युवक की कल मौत हो गई। तीन लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। बीमार लोंगो का इलाज शहर के निजी अस्पतालों में जारी है, जहां डॉक्टरों ने उनके आंखों की रोशनी जाने की बात कही है। हालांकि इससे पहले भी इस तरह के गंभीर मामले सामने आ चुके हैं। रघुनाथपुर थाना अंतर्गत ही एक गांव में लगभग ढाई साल पहले भी जहरीली शराब ने मौत का तांडव मचाया था जिसमें कई लोग काल के गाल में समा गए थे। नकली शराब से बड़ी संख्या में लोगों मौत होने के बाद भी अवैध शराब कारोबारियों का मनोबल नहीं टूटा। एक बार फिर से जिले में जहरीली शराब का कहर जारी है। बीते दिन चंदू साह की मौत हो गई, वह ई रिक्शा चालक था। साथ ही गंभीर रूप से बीमार लोहा ठाकुर एसबीआई इंश्योरेंस में निजी गार्ड के तौर पर काम करता था। लड्डू साह उर्फ जितेंद्र पिकअप गाड़ी चलाता है। साथ ही एक और इलाजरत राहुल फोटोग्राफर है। इन तीनों की आंखों की रोशनी चली गई है। डॉक्टर के अनुसार, इन तीनों ने जहरीली शराब का सेवन किया होगा, क्योंकि इन लोगों ने बताया पेट में दर्द बेचैनी साथ ही आंखों से कम दिखाई देने लगा था। डॉक्टर ने कहा तीनों ने जहरीले स्पिरिट का सेवन किया होगा। लोहा ठाकुर की पत्नी के अनुसार, शाम में उनके पति घर आए और सुबह में देर तक सोए थे। उठने पर बोले कि उन्हें कुछ नहीं दिखाई दे रहा है जिसके बाद तत्काल उन्हें शहर के ही एक निजी नर्सिंग होम में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। कल शाम तक दो की मौत हुई थी। इसी बीच आज सुबह भी दो लोगों की जान चली गई। ऐसा माना जा रहा है कि सभी मौतें जहरीली शराब के सेवन से हुई हैं। कल जिस चंदू नामक व्यक्ति की मौत हुई थी, उनके परिजनों द्वारा शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया, जिससे उसकी मौत कैसे हुई ये स्पष्ट नहीं हो सका। लेकिन अब जो मौतें हो रही हैं उससे जाहिर है कि सभी ने कथित रूप से जहरीली शराब का सेवन किया था। वहीं दूसरी तरफ जिला पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात का कहना है कि पुलिस हर एंगल से तहकीकात में जुट गई है। एक एसआईटी का गठन किया गया है, जिससे मौत के कारण का सही खुलासा हो सकेगा।

मोकामा में अनंत सिंह करा रहे महादंगल, ईरान-जार्जिया के पहलवान पहुंचे

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार के मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनके पैतृक गांव नदवा में शुक्रवार को एक भव्य महादंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी चर्चा पूरे बिहार में है। इस आयोजन की खास बात यह है कि इसमें देश के अलग-अलग राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी नामी पहलवान हिस्सा लेने पहुंचे हैं। इस महादंगल के लिए विशेष रूप से अखाड़ा तैयार किया गया है, जिसकी मिट्टी को खास तरीके से तैयार किया गया है। इस मिट्टी में दो क्विंटल हल्दी, नीम और सरसों के तेल का मिश्रण किया गया है। माना जाता है कि यह पारंपरिक तकनीक पहलवानों को चोट से बचाने और उनकी पकड़ मजबूत करने के लिए जानी जाती है। राजधानी पटना से सटे मोकामा के नदवा गांव में यह भव्य आयोजन बिहार केसरी रहे विवेका पहलवान की पुण्यतिथि के अवसर पर किया जा रहा है। इस महादंगल को भव्य स्वरूप देने के लिए आयोजकों ने खास तैयारी की है। ईरान के मशहूर पहलवान हामिद, इरफान और जलन के अलावा जॉर्जिया के टेडू पहलवान भी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। इसके साथ ही महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से भी दिग्गज पहलवान आए हैं। अनुमान है कि करीब 8 से 10 लाख लोग इस महादंगल के साक्षी बन सकते हैं। राजधानी पटना समेत आसपास के इलाकों में इसके प्रचार-प्रसार के लिए बड़े पैमाने पर पोस्टर और बैनर लगाए गए हैं। बताया जा रहा है कि इस पूरे आयोजन की जिम्मेदारी खुद अनंत सिंह ने संभाल रखी है और वे इसकी हर छोटी-बड़ी तैयारी पर नजर बनाए हुए हैं।

पूर्व पत्नी को बाइक से बांधकर घसीटा, चीखें सुनकर दौड़े लोग, पति को जमकर पीटा

हिंदमाता नेटवर्क @ बहराइच

बहराइच के नानपारा कोतवाली क्षेत्र में रईस नाम के एक व्यक्ति ने अपनी पूर्व पत्नी रेशमा की हत्या के इरादे से उसे बाइक से बांधकर सड़क पर घसीटा। रामगांव के मूसलपुर गांव का रहने वाला आरोपी रईस नानपारा में अपनी पूर्व पत्नी से मिला, जहां बहस के बाद उसने इस वारदात को अंजाम दिया। जनवरी में तलाक होने के बाद से रेशमा अपने मायके में रह रही थी। स्थानीय लोगों ने महिला की चीखें सुनकर उसे बचाया और आरोपी को पकड़कर उसकी पिटाई की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को हिरासत में लिया और दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार, रईस और रेशमा की शादी करीब एक साल पहले हुई थी, लेकिन विवादों के चलते इसी साल जनवरी में उनका तलाक हो गया था। बुधवार को जब रेशमा लक्ष्मणपुर मतेही गांव के पास से घर लौट रही थी, तभी रईस वहां पहुंचा। दोनों के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद रईस ने पहले उसे बाइक से टक्कर मारी और फिर उसे वाहन से बांधकर सड़क पर घसीटने लगा। इस खौफनाक मंजर को देखकर मौके पर मौजूद लोग दंग रह गए। महिला की चीखें सुनकर स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और उसे रईस के चंगुल से छुड़ाया। इस दौरान गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी रईस की भी जमकर धुनाई कर दी, जिससे वह भी घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और आरोपी को अपनी कस्टडी में ले लिया।

जंग में ध्वस्त होते जीवन के पुल...

तुमने हमारा एक पुल तबाह किया, अब आगे देखना तबाही, ईरान ने जारी कर दी आठ खास पुलों की हिट लिस्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

अमेरिका ने ईरान के सबसे बड़े पुल को ध्वस्त कर दिया है, उसके बाद ईरान ने मध्य पूर्व क्षेत्र के आठ प्रमुख पुलों की एक सूची जारी की है जिससे अमेरिका-इजरायल के हमले के बाद जैसे को तैसा जवाबी कार्रवाई का संकेत माना जा रहा है। ईरान की अर्ध-सरकारी फार्स न्यूज एजेंसी ने पुलों की हिट लिस्ट प्रकाशित करते हुए कहा कि गुरुवार को ईरान के सबसे ऊंचे बी1 पुल पर हुए दो हमलों के बाद खाड़ी देशों और जॉर्डन के कई प्रमुख पुल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के संभावित निशाने हो सकते हैं।

जानें ईरान की हिट लिस्ट में कौन से पुल हैं

अनादोलु की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सूची में खाड़ी के आठ पुल शामिल हैं जिनमें कुवैत का शेख जाबेर अल-अहमद अल-सबाह समुद्री पुल; संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शेख जायद पुल, अल मक्ता पुल और शेख खलीफा पुल; सऊदी अरब को बहरीन से जोड़ने वाला किंग फहद कॉजवे; साथ ही जॉर्डन के किंग हुसैन पुल, दामिया पुल और अब्दौन पुल हैं।

ईरान के विदेश मंत्री का बयान

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक पोस्ट में कहा, अधूरे पुलों समेत नागरिक ढांचों पर हमला करने से ईरानी आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर नहीं होंगे। यह तो केवल एक बिखरे हुए दुश्मन की हार और मनोबल के पतन को दर्शाता है।

अमेरिका ने किया ईरान के सबसे ऊंचे पुल पर हमला

गुरुवार को हुए अमेरिकी-इजरायली हमलों में मध्य पूर्व का सबसे ऊंचा पुल आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। इस हमले में कई लोग घायल हो गए। यह हमला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को बमबारी करके पाषाण युग में वापस भेजने की चेतावनी के बाद हुआ। 136 मीटर ऊंचा बी1 पुल अभी निर्माणाधीन था और इसे तेहरान को पश्चिमी शहर कराज से जोड़ना था। अल्बोरज प्रांत के उप राज्यपाल घोद्रतोल्लाह सैफ, जहां बी1 पुल स्थित है, ने राज्य टीवी और फार्स समाचार एजेंसी के अनुसार कहा कि हमले में आठ लोग मारे गए और 95 अन्य घायल हो गए।

ईरान बोला- अमेरिकी पायलट हमारे कब्जे में

रेस्क्यू करने आए हेलिकॉप्टर को भी मार गिराया!

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव के बीच ईरान ने बड़ा दावा किया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, उसकी सेना ने एक और अमेरिकी फाइटर जेट को मार गिराया है। बताया जा रहा है कि यह अमेरिका का बेहद आधुनिक F-35 लड़ाकू विमान था, जिसे ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम से निशाना बनाया। ईरान ने यह भी कहा है कि उसने पायलट को बचाने आए अमेरिकी ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टरों को भी मार गिराया। कुछ लीक तस्वीरों के आधार पर बताया गया कि अमेरिका ने एक C-130 विमान और चार ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर ईरान के अंदर भेजे थे। ईरान की सेना ने इन्हें घुसपैठ बताते हुए कार्रवाई की। तस्नीम न्यूज एजेंसी के एक रिपोर्टर ने बताया कि F-35 जेट को गिराने के बाद पायलट ने इजेक्ट किया और वह ईरान की जमीन पर उतरा। इसके बाद से पायलट की हालत को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। कुछ रिपोर्ट्स कहती हैं कि पायलट को ईरानी सेना ने पकड़ लिया है, जबकि अन्य रिपोर्ट्स के मुताबिक जेट के गिरने के दौरान हुए भारी विस्फोट में पायलट के बचने की संभावना बहुत कम है। ईरान के सरकारी मीडिया प्रेस टीवी और IRIB ने भी कहा कि जेट के टकराने पर बहुत बड़ा धमाका हुआ, जिससे पायलट के बचने की उम्मीद कम हो जाती है।

अमेरिका का दूसरा F-35 मार गिराया?

ईरान के खतम अल-अंबिया मिलिट्री हेडक्वार्टर के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह दूसरा F-35 जेट है, जिसे मध्य ईरान के ऊपर मार गिराया गया है। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई IRGC की नई और आधुनिक एयर डिफेंस प्रणाली से की गई। हालांकि, अमेरिका ने अभी तक इन दावों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच एक तुर्की मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि यह जेट F-35 के बजाय F-15E भी हो सकता है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि अमेरिकी वायुसेना के हेलिकॉप्टर और विमान ईरान के हवाई क्षेत्र में पायलट को ढूंढने और बचाने के लिए पहुंचे थे।

19 मार्च की घटना की जांच जारी

इससे पहले 19 मार्च को भी ईरान ने दावा किया था कि उसने पहली बार अमेरिकी F-35 जेट को निशाना बनाया है। हालांकि CNN की रिपोर्ट के मुताबिक उस समय जेट ने मिसाइल हमले के बाद इमरजेंसी लैंडिंग की थी और पायलट सुरक्षित था। उस घटना की जांच भी की जा रही है। IRGC के मुताबिक, दूसरा हमला स्थानीय समय के अनुसार सुबह 2:50 बजे हुआ था। ईरान ने कहा कि जेट के गिरने की संभावना बहुत ज्यादा है। इसके अलावा ईरान का यह भी दावा है कि उसने अब तक अमेरिका और इजराइल के 125 से ज्यादा ड्रोन मार गिराए हैं। फिलहाल इन सभी दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

बिजनेस वर्ल्ड

एयरलाइंस को 60% सीटें मुफ्त देने का नियम फिलहाल टला, सरकार ने प्रस्ताव रोका

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सरकार ने एयरलाइंस को 60 प्रतिशत सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को फिलहाल स्थगित कर दिया है। यह फैसला एविएशन इंडस्ट्री की आपत्तियों और किराया ढांचे पर संभावित असर को देखते हुए लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, एयरलाइंस कंपनियों ने इस प्रस्ताव पर चिंता जताई थी, जिसके बाद सरकार ने इस नियम को लागू करने से पहले इसके प्रभावों की व्यापक समीक्षा करने का निर्णय लिया है। पीटीआई की खबर के मुताबिक, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को निर्देश दिया गया है कि वह 60 प्रतिशत फ्री सीट से जुड़े प्रावधान को अभी रोककर रखे, जबकि यात्रियों की सुविधा से जुड़े अन्य नियमों को लागू रखा जाए। खबर के मुताबिक, सरकार का मानना है कि इस प्रस्ताव का असर एयरलाइंस के किराया ढांचे और बाजार की प्रतिस्पर्धा पर पड़ सकता है, क्योंकि भारत में विमानन क्षेत्र का किराया निर्धारण पहले से ही उदारीकृत है। इस बीच, यात्रियों की सुविधा से जुड़े अन्य प्रावधान लागू रहेंगे, लेकिन फ्री सीट से जुड़ा नियम फिलहाल स्थगित रहेगा। सरकार इस प्रस्ताव पर सभी पक्षों से विचार-विमर्श के बाद अंतिम निर्णय लेगी। इस आदेश से पहले एयरलाइंस में केवल 20 प्रतिशत सीटें ही फ्री में बुक की जा सकती थीं, जबकि बाकी सभी सीटों के लिए अतिरिक्त शुल्क देना पड़ता था। सीट चयन शुल्क 200 से लेकर 2,100 तक था, जो सीट की पंक्ति और लेग रूम की उपलब्धता पर निर्भर करता था। ईरान में युद्ध के कारण एयरलाइनों की परिचालन लागत भी बढ़ गई है, जिससे एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। नए नियम के तहत, एक यह प्रावधान भी है कि एक ही PNR पर यात्रा करने वाले यात्रियों को एक साथ बिठाया जाएगा। हो सके तो उन्हें आस-पास की सीटें दी जाएंगी। इससे परिवारों को अलग होने से बचाया जा सकेगा, खासकर उन परिवारों को जो बच्चों या बुजुर्गों के साथ यात्रा कर रहे हैं। एयरलाइंस को सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए, यात्रियों को स्पष्ट और यात्री-अनुकूल तरीके से खेल का सामान और वाद्य यंत्र ले जाने की अनुमति देने की भी बात की गई है।

मारुति सुजुकी इंडिया का 2030-31 तक 8,000 सर्विस टचप्वाइंट स्थापित करने का लक्ष्य: सीईओ

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी अपने सर्विस नेटवर्क को वित्त वर्ष 2030-31 तक बढ़ाकर लगभग 8,000 टचपॉइंट तक पहुंचाने की योजना बना रही है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में 502 नए सर्विस टचपॉइंट्स जोड़े गए हैं। ताकेउची ने कहा, 'हमारे ग्राहक देशभर में फैले हुए हैं और उनकी जरूरतें लगातार बदल रही हैं। ऐसे में हम अपने सर्विस टचपॉइंट्स का विस्तार और नवाचार कर रहे हैं। वर्तमान में हमारे पास 5,926 टचपॉइंट्स हैं और हम वित्त वर्ष 2030-31 तक इसे बढ़ाकर करीब 8,000 करने का लक्ष्य रखते हैं।' उन्होंने कहा कि किसी भी कार ग्राहक के लिए सबसे बड़ी सुविधा यह होती है कि उसे जरूरत पड़ने पर आसानी से सर्विस टचपॉइंट और वाहन के कलपुर्जे मिल जाएं। कंपनी का प्रयास है कि उसकी सर्विस सुविधा हमेशा ग्राहकों की पहुंच में रहे। ताकेउची ने बताया कि ग्राहक वर्कशॉप पर जाकर, घर बैठे, अपने नियमित स्थानों पर या यात्रा के दौरान भी सर्विस सहायता ले सकते हैं।

पिस्ता-बादाम से लेकर खजूर तक, खाड़ी देशों की लड़ाई में सबकुछ हो गया महंगा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में ईरान के साथ इजराइल और अमेरिका के युद्ध का असर भारत के आयात-निर्यात पर भी पड़ रहा है। सबसे ज्यादा असर सूखे मेवों के आयात और चावल के निर्यात पर देखने को मिल रहा है। ईरान के साथ-साथ अफगानिस्तान से भी सूखे मेवे भारत नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिसके कारण इनकी कीमतों में करीब 25 से 30% तक का इजाफा हुआ है। 19 अप्रैल से शादी का सीजन भी शुरू हो रहा है, जिससे सूखे मेवों की मांग बढ़ेगी और कीमतों में लगभग 10 से 15% तक और बढ़ोतरी हो सकती है। दिल्ली की सबसे बड़ी ड्राई फ्रूट मंडी खारी बावली के बड़े कारोबारी सनी के मुताबिक, ईरान से आने वाले मामरा बादाम, पिस्ता, पिस्ता मगज, अंजीर, हींग, खजूर और बादाम की कीमतों में 25% तक बढ़ोतरी हो चुकी है। मुनक्का, खजूर, ईरानी रिंग, खुबानी और शाहजीरा में भी 10 से 15% तक का इजाफा हुआ है। ईरान और दुबई से आने वाले ड्राई फ्रूट्स या तो रास्ते में फंसे हुए हैं या वहां से निकल ही नहीं पाए हैं और पोर्ट पर ही डंप हो गए हैं। इससे दिल्ली के व्यापारियों और ईरान के निर्यातकों को भारी नुकसान हो रहा है। इस समय दिल्ली में बादाम 1240 रुपये, पिस्ता 1500 रुपये, अंजीर 1600 रुपये, हींग 6000 रुपये और खुबानी 800 रुपये प्रति किलो बिक रही है। इन सभी के दाम में पहले ही 10 से 15% तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। वहीं, 19 अप्रैल से शादी के सीजन की शुरुआत के बाद कीमतों में 10 से 15% तक और इजाफे की उम्मीद है। यानी जिन घरों में शादी है, उनकी जेब पर सूखे मेवे खरीदने का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से सूखे मेवे दिल्ली नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे व्यापारियों को करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है। आयात के साथ-साथ भारत के चावल निर्यात पर भी होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने का असर पड़ा है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक है। ईरान को सेला चावल और बासमती चावल का सबसे ज्यादा निर्यात किया जाता है। लेकिन होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से चावल का निर्यात 30 से 35% तक कम हो गया है।

इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की प्रक्रिया कब शुरू होगी?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

नए वित्त वर्ष की शुरुआत हो चुकी है और इसके साथ ही करदाताओं के मन में यह सवाल उठने लगा है कि आखिर इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) फाइल करने की प्रक्रिया कब से शुरू होगी। अगर आप भी अपना रिटर्न समय पर दाखिल करने की योजना बना रहे हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है। आयकर विभाग ने असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए आईटीआर फॉर्म अधिसूचित कर दिए हैं। टैक्स मामलों के जानकारों का मानना है कि करदाता इसी महीने से अपना रिटर्न दाखिल करना शुरू कर सकेंगे। आमतौर पर आयकर रिटर्न भरने की प्रक्रिया अप्रैल महीने में ही शुरू हो जाती है। आयकर विभाग पहले आईटीआर फॉर्म जारी करता है और उसके बाद ऑनलाइन फाइलिंग के लिए यूटिलिटीज को इनेबल किया जाता है। उम्मीद जताई जा रही है कि ई-फाइलिंग पोर्टल पर ये यूटिलिटीज बहुत जल्द सक्रिय हो जाएंगी और फाइलिंग का रास्ता साफ हो जाएगा। पिछले साल करदाताओं को रिटर्न फाइल करने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा था। इसका मुख्य कारण आयकर के नियमों में हुए कुछ बड़े बदलाव थे, जिनमें लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (LTCG), शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स (STCG) और इंडेक्सेशन से जुड़े नए प्रावधान शामिल थे। लेकिन इस बार विभाग ने पूरी तैयारी के साथ पहले ही फॉर्म नोटिफाई कर दिए हैं, जिससे इस महीने से ही फाइलिंग सुचारू रूप से शुरू होने की पूरी संभावना है। भले ही रिटर्न फाइलिंग की प्रक्रिया इस महीने शुरू हो जाए, लेकिन वेतनभोगी (सैलरीड) कर्मचारियों को अपना आईटीआर दाखिल करने के लिए अभी कुछ हफ्तों का इंतजार करना होगा। इसकी सबसे बड़ी वजह 'फॉर्म 16' है। किसी भी नौकरीपेशा व्यक्ति के लिए अपना टैक्स रिटर्न सही तरीके से भरने के लिए फॉर्म 16 एक बेहद अहम दस्तावेज होता है। नियमों के मुताबिक, सभी कंपनियों और नियोक्ताओं के लिए हर साल 15 जून तक अपने कर्मचारियों को फॉर्म 16 जारी करना अनिवार्य है। इस फॉर्म में संबंधित वित्त वर्ष के दौरान कर्मचारी को मिले कुल वेतन और काटे गए टीडीएस (TDS) का पूरा ब्योरा दर्ज होता है। इसी सटीक जानकारी के आधार पर ही वेतनभोगी अपना रिटर्न सुरक्षित रूप से दाखिल कर पाते हैं।

चीन के कई हिस्सों में सड़कों पर उतरी जनता

पुलिस के साथ झड़प

हिंदमाता नेटवर्क @ बीजिंग

चीन के कई हिस्सों में इन दिनों विरोध प्रदर्शन और पुलिस के साथ झड़पों की घटनाएं सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पर्यावरण, जमीन से जुड़े विवाद और प्रशासनिक फैसलों को लेकर जनता में बढ़ती नाराजगी अब सड़कों पर दिखाई दे रही है। इन हालात को देखते हुए प्रशासन ने खासतौर पर राजधानी बीजिंग में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है। विश्लेषकों के मुताबिक, राजधानी में बढ़ी सुरक्षा का सीधा संबंध राजनीतिक स्थिरता और शीर्ष नेतृत्व की सुरक्षा से है। हाल ही में सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में चांगआन एवेन्यू पर भारी पुलिस बल तैनात देखा गया। बता दें कि यह सड़क कई संवेदनशील सरकारी इमारतों के पास से गुजरती है।

वुहान में बैटरी प्रोजेक्ट को लेकर विरोध

मध्य चीन के शहर वुहान में एक बैटरी निर्माण परियोजना को लेकर विरोध तेज हो गया है। ANI की रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय लोग फरवरी से ही इस प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें पर्यावरण पर इसके असर की चिंता है। 8 मार्च को हजारों लोगों ने प्रदर्शन किया, जिन्हें पुलिस ने बलपूर्वक हटा दिया। इस दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया गया। प्रदर्शनकारियों ने डिप्टी मेयर की गाड़ी को भी घेर लिया और गिरफ्तार लोगों की रिहाई की मांग की। हालांकि पहले प्रशासन ने परियोजना रोकने का आश्वासन दिया था, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार निर्माण कार्य जारी है। 28 मार्च की रात फिर सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए, जिसके बाद पुलिस ने देर रात कार्रवाई करते हुए कई लोगों को हिरासत में लिया।

ग्वांगडोंग में श्मशान परियोजना पर विवाद

दक्षिणी ग्वांगडोंग प्रांत के शुइकोउ इलाके में भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। यहां रिहायशी इलाके और स्कूल के पास श्मशान बनाने की योजना का लोग विरोध कर रहे हैं। 25 मार्च को करीब 3000 लोगों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इस दौरान कई लोग घायल हुए और कुछ को हिरासत में लिया गया। प्रशासन ने इलाके में निगरानी बढ़ा दी है, आवाजाही पर नियंत्रण लगाया है और लोगों की आईडी की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि श्मशान का निर्माण प्राथमिक स्कूल और पानी के स्रोत के बेहद करीब किया जा रहा है, जिससे स्वास्थ्य और पर्यावरण पर असर पड़ सकता है। इससे पहले 17 से 19 मार्च के बीच भी प्रदर्शन हिंसक झड़पों में बदल गए थे।

चीन में ड्रोन पर लागू हुए सख्त नियम

चीन में बढ़ते विरोध के बीच प्रशासन ने सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए नए नियम लागू किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बीजिंग में ड्रोन के इस्तेमाल पर सख्त नियंत्रण लगाया गया है। अब किसी भी ड्रोन उड़ाने से पहले अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति ड्रोन बनाना, ले जाना या रखना भी प्रतिबंधित किया जाएगा। ये नए नियम 1 मई से लागू होंगे, जबकि 30 अप्रैल तक सभी ड्रोन का रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा। प्रशासन का कहना है कि यह कदम 'लो-एल्टीट्यूड सुरक्षा चुनौतियों' से निपटने के लिए उठाया गया है।

पृथ्वी के करीब एक दिन बिताने के बाद आर्टेमिस-2 के अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की ओर रवाना

हिंदमाता नेटवर्क @ केप केनवरल (अमेरिका)

नासा के आर्टेमिस-2 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों ने गुरुवार रात अपने इंजन चालू किए और चंद्रमा की ओर प्रस्थान किया, जिससे दशकों तक पृथ्वी की कक्षा तक सीमित रहे मानव कदम अब चांद की ओर बढ़ गए हैं। प्रक्षेपण के 25 घंटे तक पृथ्वी के करीब रहने के बाद हुआ यह 'ट्रांसलूनर इग्निशन' तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री को अगले सप्ताह की शुरुआत में चंद्रमा के पास से गुजरने की दिशा में ले जाएगा। उनका ओरियन कैप्सूल पृथ्वी की कक्षा से निकलकर लगभग चार लाख किलोमीटर दूर चंद्रमा की ओर बढ़ गया है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की अधिकारी लोरी ग्लेज ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि 1972 में अपोलो-17 के बाद पहली बार इंसान पृथ्वी की कक्षा से बाहर गए हैं।'' उन्होंने बताया कि इंजन का संचालन पूरी तरह सफल रहा।

सूडान में अस्पताल पर अर्धसैनिक बलों का हमला

ड्रोन हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ काहिरा

सूडान के अर्धसैनिक बलों द्वारा बृहस्पतिवार को देश के दक्षिण-मध्य भाग में स्थित एक अस्पताल पर ड्रोन से किये गए हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य समूह ने यह जानकारी दी। 'डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' (एमएसएफ) नामक समूह ने बताया कि सूडानी अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) ने व्हाइट नाइल प्रांत के अल-जबलैन अस्पताल पर ड्रोन से दो हमले किए। इस हमले में एक ऑपरेशन थिएटर और एक प्रसूति वार्ड को निशाना बनाया गया। समूह ने बताया कि सेना और आरएसएफ के बीच गृहयुद्ध जारी है और इन ड्रोन हमलों में सात चिकित्सा कर्मियों सहित 10 लोग मारे गए और कम से कम 19 लोग घायल हो गए। उसने बताया कि घायलों को लगभग 50 मील (80 किलोमीटर) दूर स्थित कोस्ती के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक सूडान में लगभग तीन साल से चल रहे संघर्ष में 40,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। हालांकि, सहायता समूहों का कहना है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है।

इजरायल के ऑयल हब पर ईरान का हमला!

हाइफा पर बमबारी ने बढ़ाई नेतन्याहू की चिंता

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान ने इजरायल के शहर हाइफा पर बड़े हमले किए हैं। शुक्रवार को ईरान के मिसाइल हमले में उत्तरी इजरायल में स्थित हाइफा शहर में छह लोग घायल हो गए और कई घरों को नुकसान पहुंचा। ईरान का यह हमला जहां हुआ है, वह इजरायल का ऑयल हब है जिससे नेतन्याहू सरकार की चिंताएं बढ़ गई हैं। इजरायल के अखबार 'Yedioth Ahronoth' के अनुसार, हाइफा और किर्यात अता में मिसाइल गिरने से 79 वर्षीय एक व्यक्ति घायल हुआ। वहीं, अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायली मेडिकल सूत्रों ने बताया कि कुल छह लोग घायल हुए हैं, जबकि एक अन्य व्यक्ति विस्फोट की शॉकवेव से उड़े पत्थरों की चपेट में आ गया। ईरान के इस हमले से पहले लेबनान स्थित ईरान के प्रॉक्सी ग्रुप हिज्बुल्लाह ने उत्तर इजरायल में 15 रॉकेट दागे थे जिससे वहां सायरन बजने लगे। हाइफा इजरायल का एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर है, जहां बड़ी आबादी रहती है। यहां देश की सबसे अहम ऑयल रिफाइनरी भी स्थित है, जहां से इजरायल के इस्तेमाल का 70% तेल रिफाइन होता है। युद्ध के दौरान इस शहर पर पहले भी दो बार हमला हो चुका है।

खाड़ी देशों पर ईरान के हमले

कुवैत ने कहा कि ईरानी हमले में एक डिसैलिनेशन (समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाला) प्लांट को नुकसान पहुंचा है। यह हमला शुक्रवार सुबह एक ऑयल रिफाइनरी पर ड्रोन हमले के बाद हुआ। कुवैत में करीब 90% पीने का पानी डिसैलिनेशन से ही आता है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के बचे हुए डिसैलिनेशन प्लांट्स पर बमबारी की धमकी दी थी। पिछले महीने अमेरिका ने ईरान के एक डिसैलिनेशन प्लांट पर हमला भी किया था। संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के हबशन गैस फैसिलिटी में भी एक इंटरसेप्ट किए गए प्रोजेक्टाइल के मलबे से आग लग गई। अबू धाबी मीडिया ऑफिस ने बताया कि आग लगने के बाद ऑपरेशंस रोक दिए गए हैं और अधिकारी स्थिति पर काबू पाने में जुटे हैं। किसी के घायल होने की खबर नहीं है। तुर्की की अनादोलु एजेंसी के अनुसार, शुक्रवार को ईरान ने यूएई और सऊदी अरब पर बड़े ड्रोन हमले किए जिन्हें दोनों देशों ने इंटरसेप्ट करने का दावा किया है।

म्यांमा की संसद ने मौजूदा जनरल को राष्ट्रपति चुना

हिंदमाता नेटवर्क @ बैंकॉक

म्यांमा की संसद ने शुक्रवार को मिन आंग ह्लाइंग को देश का नया राष्ट्रपति चुना, जो वर्तमान में सेना के जनरल हैं। ह्लाइंग ने 2021 में आंग सान सू की की नागरिक सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया था और पिछले पांच वर्षों से सत्ता पर अपना कड़ा नियंत्रण बनाए रखा। यह कदम औपचारिक रूप से निर्वाचित सरकार की वापसी को दर्शाता है, हालांकि व्यापक रूप से इसे सेना द्वारा आयोजित चुनाव के बाद सत्ता में बने रहने के उसके प्रयास के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि विरोधियों और स्वतंत्र पर्यवेक्षकों ने इस चुनाव को न तो स्वतंत्र और न ही निष्पक्ष माना है। मिन आंग ह्लाइंग राष्ट्रपति पद के लिए तीन नामांकित व्यक्तियों में से एक थे, लेकिन सैन्य समर्थित दलों के सांसदों और सेना द्वारा नियुक्त सदस्यों का संसद में भारी बहुमत होने के कारण उनकी नियुक्ति लगभग तय मानी जा रही थी।

हिंदमाता एंकर काश पटेल ने अपने कॉलेज के दिनों में स्पाइडरकाश यूजरनेम बनाया था और बाद में इसे कई प्लेटफॉर्म्स पर इस्तेमाल करते रहे, यही हैकर्स के लिए बड़ा सुराग बन गया

ईरान समर्थित हैकर ग्रुप ने कैसे हैक किया एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल का अकाउंट?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान से जुड़े हैकर ग्रुप ने हाल ही में एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल का अकाउंट हैक कर लिया था। सोशल मीडिया पर काश पटेल के कई पर्सनल फोटोज और वीडियोज जारी कर दिए गए। हंडाला हैकर ग्रुप ने कहा कि उन्होंने काश पटेल के पर्नसल ईमेल को हैक किया और प्राइवेट इनफॉर्मेशन लीक कर दिया। एफबीआई ने भी इस हैकिंग को कन्फर्म किया और बताया गया कि इस हैकिंग में उनका पर्सनल अकाउंट को निशाना बनाया गया। अब इस हैकिंग से कुछ जरूरी जानकारी सामने आ रही है। इससे ये साबित होता है कि एक छोटी सी गलती की वजह से एफबीआई डायरेक्टर जैसे पावरफुल लोगों के भी अकाउंट हैक हो सकते हैं।

बेहद साधारण डिजिटल गलती से जुड़ा मामला

अगर इस पूरे हैकिंग पैटर्न पर गौर करें तो ये दरअसल एक बेहद साधारण डिजिटल गलती से जुड़ा हुआ निकला। बचपन में काश पटेल ने अपना यूजरनेम स्पाइडरकाश (SpiderKash) रखा था और तब से इसी यूजरनेम से उनके कई सारे अकाउंट्स लिंक्ड थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, काश पटेल ने अपने कॉलेज के दिनों में यूनिवर्सिटी ऑफ रिचमंड से जुड़ा यह यूज़रनेम बनाया था और बाद में इसे कई प्लेटफॉर्म्स पर इस्तेमाल करते रहे। यही लगातार इस्तेमाल किया गया यूज़रनेम हैकर्स के लिए सबसे बड़ा सुराग बन गया।

कैसे बना स्पाइडरकाश एंट्री पॉइंट?

साइबर एक्सपर्ट्स का कहना है कि जब कोई इंसान एक ही यूज़रनेम को अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर सालों तक इस्तेमाल करता है, तो उसे ट्रैक करना बेहद आसान हो जाता है। काश पटेल के केस में यही हुआ। हैकर्स ने ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस (OSINT) तकनीक का इस्तेमाल किया, यानी इंटरनेट पर मौजूद पब्लिक जानकारी को जोड़कर एक पूरी डिजिटल प्रोफाइल तैयार की गई। एक ही यूज़रनेम के जरिए उनके ईमेल, पुराने अकाउंट्स, पर्सनल एक्टिविटी और यहां तक कि अलग-अलग वेबसाइट्स पर मौजूद प्रोफाइल्स को लिंक किया गया। इसके बाद पासवर्ड गेसिंग, अकाउंट रिकवरी और सोशल इंजीनियरिंग जैसे तरीकों से एक्सेस हासिल करना आसान हो गया।

हैक में क्या-क्या लीक हुआ?

ईरान से जुड़े हैकर ग्रुप हंडाला (Handala) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीब 300 से ज्यादा ईमेल, पर्सनल फोटो, ट्रैवल डिटेल्स और पुरानी बातचीत ऑनलाइन लीक की गई। हालांकि FBI ने साफ किया है कि यह डेटा ज्यादातर पुराना था और इसमें कोई क्लासिफाइड या सरकारी जानकारी शामिल नहीं थी। लीक में spiderkash@yahoo.com जैसे ईमेल का भी जिक्र सामने आया, जो सीधे इस यूज़रनेम से जुड़ा हुआ था।

सोशल मीडिया से लेकर ईमेल तक, एक ही पहचान का खतरा

जांच में यह भी सामने आया कि स्पाइडरकाश नाम कई प्लेटफॉर्म्स पर इस्तेमाल हो रहा था। यही पैटर्न हैकर्स को यह समझने में मदद करता है कि एक शख्स कहां-कहां मौजूद है और उसकी डिजिटल आदतें क्या हैं। एक साइबर एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर कोई आपके प्रोफेशनल और पर्सनल अकाउंट को जोड़ ले, तो वह आपके बारे में ऐसी जानकारी निकाल सकता है जिसका आपको खुद अंदाजा नहीं होता।

दैनिक ठाणे, शनिवार 4 अप्रैल, 2026
हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर
GAME & GLAMOUR

राजा शिवाजी रितेश देशमुख का ड्रीम प्रोजेक्ट है: अभिषेक बच्चन

जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी की फिल्म 'राजा शिवाजी' में रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन पहली बार एक साथ नजर आएंगे। यह फिल्म अभिषेक बच्चन के लिए खास है क्योंकि यह उनकी पहली मराठी फिल्म है, जिसमें वह योद्धा संभाजी शाहाजी राजे भोसले का किरदार निभा रहे हैं।

टीजर में दिखा अभिषेक का दमदार योद्धा अवतार

हाल ही में रिलीज हुए फिल्म के पहले टीजर में अभिषेक बच्चन एक अलग और प्रभावशाली अंदाज में नजर आए। वह युद्ध के मैदान में एक वीर योद्धा के रूप में दिखाई देते हैं और उनके व शिवाजी महाराज के रिश्ते की झलक भी देखने को मिलती है।

25 साल पुरानी दोस्ती और एक सपना

अभिषेक बच्चन ने बताया कि यह फिल्म रितेश देशमुख का ड्रीम प्रोजेक्ट है। दोनों की दोस्ती करीब 25 साल पुरानी है, जो फिल्म ह्यजमीनह्व की लातूर शूटिंग के दौरान शुरू हुई थी। इसके बाद दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया।

डायरेक्शन में कुछ बड़ा करने की चाह

अभिषेक ने साझा किया कि एक बार रितेश ने अपने घर पर उन्हें बताया था कि वह एक्टिंग के साथ-साथ डायरेक्शन में भी कुछ बड़ा करना चाहते हैं, और शिवाजी महाराज पर फिल्म बनाना उनका सपना है।

स्टार कास्ट

फिल्म में संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, बोमन ईरानी, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते, जिनिलीया देशमुख और रितेश देशमुख नजर आएंगे। राजा शिवाजी 1 मई 2026 को मराठी, हिंदी और तेलुगु भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भव्य टीम और शानदार टेक्निकल सपोर्ट

फिल्म में दमदार एक्शन, बेहतरीन विजुअल्स और मजबूत कहानी देखने को मिलेगी। इसका संगीत अजय-अतुल ने दिया है, जबकि सिनेमैटोग्राफी संतोष सिवन ने संभाली है।

धोनी और कपिल देव से मांगी माफी: युवराज सिंह

भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने अपने पिता योगराज सिंह द्वारा पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव पर समय-समय पर की गई टिप्पणियों पर माफी मांगी है। यह पहली बार है जब युवराज सिंह ने अपने पिता के बयानों पर खुलकर बात की है। युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह लंबे समय से धोनी पर यह आरोप लगाते रहे हैं कि उन्होंने युवराज को टीम से बाहर कर दिया था। योगराज ने अपने करियर के समय कपिल देव की भूमिका को लेकर भी काफी बयानबाजी की है। हालांकि युवराज ने इन मामलों पर कभी कोई टिप्पणी नहीं की।

युवराज सिंह ने धोनी और कपिल देव से मांगी माफी

एक पॉडकास्ट में युवराज सिंह यह कहते दिख रहे हैं कि मैं कपिल देव और एमएस धोनी से माफी मांगना चाहता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने डैड (योगराज) से कहा था कि यह बयानबाजी ठीक नहीं हैं। इस पॉडकास्ट में युवराज सिंह विराट कोहली, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत से क्रिकेट के मुद्दों पर चर्चा भी करते नजर आएंगे। युवराज के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ही भारत ने 2007 में टी-20 विश्व कप और 2011 में वनडे विश्व अपने नाम किया था। हर क्रिकेटर को बचपन से ही खेलना चाहिए। विश्व कप विजेता पूर्व भारतीय हरफनमौला युवराज सिंह ने गुरुवार को कहा कि क्रिकेटरों को अपने मुख्य पेशे के तनाव से निपटने के लिए कम उम्र से ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए। युवराज क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद शौकिया तौर पर गोल्फ खेलते हैं। उन्हें दूसरे 'इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल)' का ब्रांड दूत बनाया गया है। युवराज ने आईजीपीएल की 10 फ्रेंचाइजी के अनावरण के मौके पर कहा कि क्रिकेटरों को क्रिकेट के साथ-साथ गोल्फ भी खेलना चाहिए। मुझे भी पहले गोल्फ खेलना चाहिए था, जिससे मुझे क्रिकेट में मदद मिलती। गोल्फ वास्तव में आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है। आईजीपीएल का कार्यक्रम अभी तय होना बाकी है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर विदेशी क्रिकेटर, खासकर आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी बचपन से ही गोल्फ खेलते हैं।

नेहा मलिक का ग्लैमरस लुक

पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री और सोशल मीडिया सेंसेशन नेहा मलिक एक बार फिर अपनी बोल्ड अदाओं को लेकर सुर्खियों में हैं। नेहा अपनी फिटनेस और ग्लैमरस लुक के लिए पहचानी जाती हैं, लेकिन हाल ही में उनकी ब्लैक ड्रेस वाली तस्वीरों ने इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। उनकी इन लेटेस्ट तस्वीरों को देखकर फैंस अपनी सुध-बुध खो बैठे हैं और कमेंट सेक्शन में तारीफों के पुल बांध रहे हैं।

कातिलाना अंदाज और बोल्ड लुक

नेहा मलिक ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वह एक रिवीलिंग और बेहद स्टाइलिश ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस ड्रेस में नेहा का कर्वी फिगर पूरी तरह से फ्लॉन्ट हो रहा है। उन्होंने अपने इस लुक को मिनिमल ज्वेलरी और ग्लोइंग मेकअप के साथ पूरा किया है। उनकी बिखरी जुल्फें और कैमरे की तरफ देखने का उनका बेबाक अंदाज फैंस को घायल करने के लिए काफी है।

फिगर देख फैंस हुए बेकाबू

नेहा अपनी फिटनेस को लेकर काफी सजग रहती हैं और इन तस्वीरों में उनकी मेहनत साफ झलक रही है। उनकी टोन्ड बॉडी और परफेक्ट कर्व्स ने नेटिजन्स को उनका दीवाना बना दिया है। तस्वीरों के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। कोई उन्हें 'ब्लैक मैजिक' कह रहा है, तो कोई उन्हें इंटरनेट की सबसे हॉट दीवा बता रहा है। प्रशंसकों का कहना है कि नेहा मलिक हर बार अपने फैशन सेंस से सबको चौंका देती हैं, लेकिन इस बार उनका यह बोल्ड अवतार पिछले सभी रिकॉर्ड्स को तोड़ रहा है।

सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग

नेहा मलिक की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनकी हर पोस्ट कुछ ही मिनटों में वायरल हो जाती है। इंस्टाग्राम पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं जो उनकी एक झलक पाने का बेसब्री से इंतजार करते हैं। नेहा भी अपने फैंस को निराश नहीं करतीं और अक्सर अपने फोटोशूट्स, वर्कआउट वीडियो और वेकेशन की तस्वीरें साझा करती रहती हैं।

अभिषेक शर्मा पर लगा फाइन

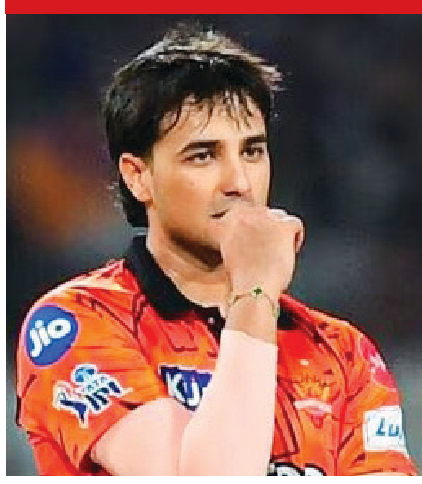

सनराइजर्स हैदराबाद ने कोलकाता नाइट राइडर्स पर 65 रन की जीत हासिल की और इस सीजन में जीत से अपना खाता खोल लिया। केकेआर पर मिली जीत के बाद हैदराबाद की टीम के स्टार ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा विवाद में घिर गए हैं। उन पर बीसीसीआई का हंटर चला है। अभिषेक को आईपीएल 2026 के आचार संहिता उल्लंघन का दोषी पाया गया। उन पर मैच के दौरान अश्लील शब्द बोलने के लिए बीसीसीआई ने मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया और उनके खात में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ दिया गया है। हालांकि, उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली है।

अभिषेक शर्मा पर लगा फाइन

दरअसल, केकेआर के खिलाफ खेले गए मैच के जरिये अभिषेक शर्मा अपनी लय में लौटे। उन्होंने 21 गेंद पर 48 रन की पारी खेली, जिसमें 4 छक्के और 4 चौके शामिल रहे। उनकी इस अहम पारी ने टीम को जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। हालांकि, मैच के बाद उन्हें उनके व्यवहार ने मुश्किल में डाल दिया। बीसीसीआई की ओर से जारी बयान के मुताबिक, अभिषेक शर्मा ने आईपीएल कोर्ड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.3 का उल्लंघन किया, जो अपमानजनक या अश्लील भाषा के इस्तेमाल से जुड़ा है।

हैदराबाद ने केकेआर को रौंदा

नीतीश कुमार रेड्डी, ईशान मलिंगा और जयदेव उनादकट की शानदार गेंदबाजी के दम पर एसआरएच ने केकेआर को 65 रन से हराया। मैच में पहले बैटिंग करते हुए सनराइजर्स की टीम ने 226 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में केकेआर की टीम 16 ओवरों में 161 रन पर सिमट गई। उनके लिए युवा बैटर अंगकृष रघुवंशी ने 29 गेंद पर 52 रन की पारी खेली। उनके अलावा रिंकू सिंह ने 35 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी बैटर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सका और टीम को सीजन की लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी। हैदराबाद के लिए जयदेव उनादकट ने तीन, ईशान मलिंगा और नीतीश कुमार रेड्डी ने दो-दो विकेट हासिल किए।

सोनम ने दिखाई बच्चे की पहली झलक

हाल ही में दूसरी बार मां बनीं सोनम कपूर ने सोशल मीडिया पर अपने बच्चे की झलक दिखाई है। इसके साथ अभिनेत्री ने एक लंबी पोस्ट लिखी है। पोस्ट में उन्होंने अस्पताल को धन्यवाद दिया है। पोस्ट पर उनके फैंस और कई सेलेब्स ने रिएक्शन दिए हैं। आइए जानते हैं सोनम की पोस्ट में क्या खास है?

सोनम ने दिखाई बच्चे की पहली झलक

एक्ट्रेस सोनम कपूर और उनके पति आनंद आहूजा ने 29 मार्च को अपने दूसरे बच्चे का स्वागत किया था। बच्चे के जन्म से दोनों खुश हैं। सोनम कपूर ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें देखा जा सकता है कि वह अपने बेटे के साथ बेड पर हैं। उन्होंने बच्चे को गोद में लिया है। एक दूसरी तस्वीर में सोनम ने ब्लैक ड्रेस पहनी है और खाना खा रही हैं। यह दोनों तस्वीरें अस्पताल की हैं।

सोनम की पोस्ट में क्या है?

सोनम कपूर ने अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में उस अस्पताल की तारीफ की है, जहां उन्होंने बच्चे को जन्म दिया है। उन्होंने अस्पताल के साथ यहां के डॉक्टर और टीम की भी तारीफ की है और धन्यवाद दिया है। इससे पहले एक ज्वाइंट स्टेटमेंट में सोनम कपूर ने अपने पति आनंद आहूजा के साथ अपने बच्चे के स्वागत की जानकारी दी थी।

पोस्ट पर सेलेब्स ने दिए रिएक्शन

सोनम कपूर की इस पोस्ट को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं। कई सेलेब्स ने इस पर कमेंट किए हैं। अभिनेत्री काजोल, शनाया कपूर, खुशी कपूर, कोंकणा सेन शर्मा और नेहा धूपिया ने कमेंट बॉक्स में दिल वाला इमोजी कमेंट किया है। वहीं सोनल चौहान ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

सोनम और आनंद का रिश्ता

आपको बता दें कि सोनम की मुलाकात आनंद से 2015 में 'प्रेम रतन धन पायो' के प्रमोशन के दौरान हुई थी। 2018 में इस जोड़े ने एक निजी समारोह में शादी कर ली। 2022 में सोनम और आनंद ने अपने पहले बेटे वायु का स्वागत किया था।

अप्रैल महीने में रिलीज होंगी एक्शन से लेकर हॉरर फिल्में

अप्रैल 2026 में रिलीज होने वाली आगामी बॉलीवुड फिल्मों में अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी 'भूत बंगला' से लेकर आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की एक्शन थ्रिलर 'डकैत' तक शामिल हैं। अप्रैल महीने में सभी उम्र के दर्शकों के लिए भरपूर मनोरंजन होगा। ये हैं अप्रैल 2026 में रिलीज होने वाली कुछ फिल्मों की लिस्ट।

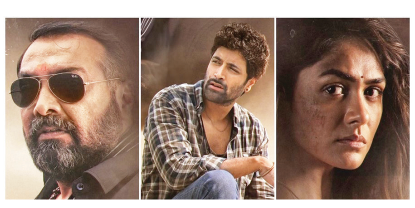

'डकैत': फिल्म 'डकैत' पहले 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे आगे बढ़ाकर 10 अप्रैल 2026 कर दिया गया है। इस फिल्म में आदिवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप मुख्य भूमिकाओं में हैं। 'डकैत' की कहानी में एक्शन, ड्रामा और अच्छी केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। यह शेनिल देव की पहली निर्देशित फिल्म है। फिल्म हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में रिलीज होगी।

'भूत बंगला': प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' पौराणिक कथाओं, काले जादू से प्रेरित है। इसमें वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू, राजपाल यादव और जिस्सू सेनगुप्ता भी हैं। पहले यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन हाल ही में मेकर्स ने इसकी नई रिलीज डेट जारी की है। 16 मार्च रात 9 बजे से 'भूत बंगला' के पेड प्रिव्यू शोज थिएटर्स में शुरू हो जाएंगे। जिससे साफ है कि फिल्म 16 मार्च की रात 9 बजे से सिनेमाघरों में मौजूद रहेगी।

'गिन्नी वेड्स सनी 2': 'गिन्नी वेड्स सनी 2' एक हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर मुख्य भूमिका में हैं। यह 2020 में नेटफ्लिक्स पर आई फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी' का दूसरा भाग है। फिल्म में लिलेट दुबे, सुधीर पांडे, गोविंद नामदेव जैसे कलाकार भी हैं। 'गिन्नी वेड्स सनी 2', 24 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी।

'मर्सी': 'मर्सी' निष्क्रिय इच्छामृत्यु (passive euthanasia) जैसे गंभीर विषय पर बनी है। फिल्म की कहानी करुणा, कर्तव्य और कानूनी नैतिकता के बीच की उलझन को दिखाती है। फिल्म 'मर्सी' में आदिल हुसैन, राज वासुदेवा और निहारिका रायजादा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 'मर्सी' का निर्देशन मितुल पटेल ने किया है। 'मर्सी' 24 अप्रैल को रिलीज होगी।

'पेद्दी': राम चरण और जान्हवी कपूर अभिनीत बहुप्रतीक्षित स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'पेद्दी' 30 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'पेद्दी' की रिलीज डेट आगे भी बढ़ सकती है। इस फिल्म का निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु सहित कई भाषाओं में रिलीज होगी।

'सैयारा' के बाद इस फिल्म में नजर आएंगे अहान पांडे

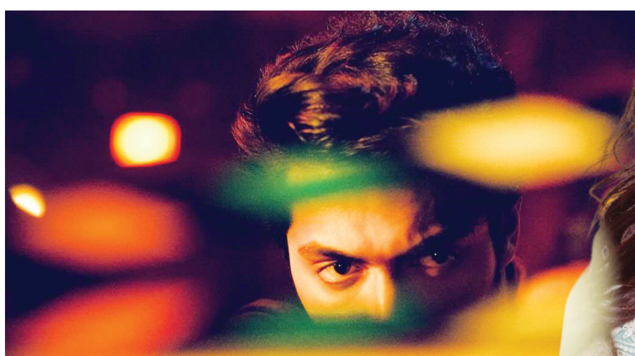

'सैयारा' फेम एक्टर अहान पांडे एक एक्शन-रोमांटिक फिल्म में नजर आएंगे। आज अली अब्बास जफर ने इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए फिल्म से अहान पांडे का पहला लुक शेयर किया है, जिस पर फैंस दिल हार बैठे हैं।

शूटिंग हुई शुरू

अहान पांडे की इस फिल्म की शूटिंग आज से आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। जल्द ही मुख्य अभिनेत्री और आधिकारिक शीर्षक की घोषणा की जाएगी। फिल्म का निर्माण वाईआरएफ कर रहा है। इसकी शूटिंग मुंबई और विदेशों में होगी। इस फिल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पर अहान की एक खास तस्वीर शेयर की और लिखा कि और शुरू हो गई...

अली अब्बास जफर ने शेयर की दो तस्वीरें

अहान पांडे की इस फिल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर अहान पांडे की है। इस तस्वीर में अहान के चेहरे का कुछ हिस्सा साफ नजर आ रहा है, क्योंकि बाकी की तस्वीर धुंधली है। छोटे बाल में अहान का यह लुक कमाल का लग रहा है। इस तस्वीर को देखकर ऐसा लग रहा है कि वह किसी को देखते नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तस्वीर एक क्लैप बोर्ड की है। जिसके साथ लिखा कि यश राज फिल्म्स, प्रोडक्शन नंबर 79, निर्देशक अली अब्बास जफर।

शाहिद संग पर्दे पर रोमांस फरमाएंगी जाह्नवी!

शाहिद कपूर और कृति सेनन की जोड़ी जल्द ही होमी अदजानिया की फिल्म 'कॉकटेल 2' में दिखाई देगी। इस फिल्म में इन दोनों के साथ रश्मिका मंदाना भी मुख्य भूमिका में हैं। हालांकि, अब रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म के अलावा शाहिद कपूर जल्द ही अपनी एक और हिट फिल्म का सीक्वल लेकर आ रहे हैं, जिसमें उनके साथ पहली बार जाह्नवी कपूर रोमांस फरमाते हुए नजर आएंगी।

इस फिल्म का सीक्वल ला रहे हैं शाहिद कपूर

शाहिद कपूर जल्द ही अपनी साई-फाई रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' का सीक्वल लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म के पहले पार्ट को प्यार और टेक्नोलॉजी के अनोखे मेल के लिए दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था। अब मेकर्स इस फ्रेंचाइजी को और भी बड़े लेवल पर बनाने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो शाहिद कपूर और कृति सेनन तो फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं ही, लेकिन उनके साथ इस फ्रेंचाइजी में अब जाह्नवी कपूर भी जुड़ने वाली हैं। सूत्रों के मुताबिक, फ्रेंचाइजी की शुरुआत वहीं से होगी, जहां पर पहली फिल्म खत्म हुई थी।

शाहिद की मूवी की स्क्रिप्ट पर चल रहा है काम

रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि फिल्म की कहानी अभी लिखी जा रही है और अगस्त तक 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 2' की स्क्रिप्ट पूरी तरह से रेडी हो जाएगी। मेकर्स 2027 की पहली तिमाही (फर्स्ट क्वार्टर) में इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। हालांकि, यह फिल्म आगे किस तरह से शेप लेगी, यह काफी हद तक 'कॉकटेल 2' की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस पर निर्भर करता है। 'ओ रोमियो' के बाद शाहिद कपूर के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें 'कॉकटेल 2' के अलावा उनकी हिट वेब सीरीज 'फर्जी' का सीजन 2 भी शामिल है। रश्मिका मंदाना और कृति सेनन स्टारर, शाहिद कपूर की कॉकटेल 2 इस साल जून के महीने में रिलीज होगी।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेंट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप